पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
नई दिल्ली, सोमवार, 8 अप्रैल, 2024 | वर्ष-17 | अंक -2 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव लड़ेंगी महबूबा
02 ■ हिम्मत है तो दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाकर दिखाओ
■ लोस चुनाव : दिल्ली में 13,500 पोलिंग स्टेशनों पर ...
03 ■ गुटेरेस क्विटो में मेक्सिको दूतावास पर इक्वाडोर...
■ इजरायल कुछ फिलिस्तीनियों को उत्तरी गाजा लौटने ...
07 गया सीट पर मांझी को झेलनी पड़ी है तीन हार 10

रमजान मुबारक

8 अप्रैल-28

खत्म सहरी : 4.42
रोजा इफ्तार : 6.44

केजरीवाल की गिरफ्तारी पर 'आप' का उपवास

आप नेता बोले, साजिश है दिल्ली के मुख्यमंत्री केजरीवाल की गिरफ्तारी

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी के नेता और कार्यकर्ता रविवार को देश भर में सामूहिक उपवास पर बैठे। आप नेताओं ने दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक

■ केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में किया सामूहिक उपवास
■ आप नेता बोले, शराब घोटाला भारतीय जनता पार्टी ने किया

दिन का सामूहिक उपवास किया। सामूहिक उपवास के दौरान आप सांसद संजय सिंह ने कहा कि सीएम अरविंद केजरीवाल को गहरी साजिश के तहत गिरफ्तार किया गया है। अगर एक होम गार्ड और सिविल डिफेंस वालंटियर को पढ़ने के लिए दे दिया जाए तो वो भी तीन घंटे में बता देंगे कि फर्जी मुकदमा है। संजय सिंह ने कहा, 'मैं गहरी साजिश इसलिए कह रहा हूं, क्योंकि सीबीआई और ईडी ने 456 गवाह बनाए हैं और 50 हजार पन्नों की चार्जशीट में चार बार अरविंद केजरीवाल का नाम

लिया।' आप सांसद ने कहा, जंतर-मंतर की धरती से मैं कहना चाहता हूं अरविंद केजरीवाल ईमानदार थे, ईमानदार हैं और ईमानदार रहेंगे। उन्होंने कहा कि शराब घोटाला भारतीय जनता पार्टी ने किया है।

भाजपा के पास 55 करोड़ की मनी ट्रेल मिली है। हम सब को मिलकर इसकी जांच की मांग देश की सरकार, उपराज्यपाल और राष्ट्रपति से करनी चाहिए : **संजय सिंह आप नेता**

तानाशाही के खिलाफ लड़ते रहेंगे : आतिशी

आप नेता आतिशी ने कहा कि आज यह दौर है कि ईडी- सीबीआई का नाम सुनते ही बाकी पार्टियों के नेता झुक जाते हैं, टूट जाते हैं। लेकिन आप नेता झुके, न टूटे और भाजपा में शामिल नहीं हुए। ये तानाशाही के खिलाफ लड़ते रहे और लड़ते रहेंगे।

पूंजीपतियों का 15 लाख करोड़ माफ कर दिया

सांसद संजय सिंह ने कहा कि भाजपा का तो काम हो गया है, चोरी भी और सीनाजोरी भी। पूंजीपतियों का 15 लाख करोड़ माफ कर दिया। नोटबंदी का घोटाला किया। हिंडनबर्ग की रिपोर्ट को छिपा दिया, जिसने एक एक भ्रष्टाचारी को चुन-चुनकर, माला पहनाकर अपने साथ मिला लिया वो भाजपा भ्रष्टाचार के खिलाफ बोलती है। मोदी जी की गारंटी है, उत्तर से दक्षिण, पूर्व से पश्चिम एक भी भ्रष्टाचारी को नहीं छोड़ेंगे। सबको चुन चुन कर भाजपा में शामिल करेंगे।

पंजाब के मुख्यमंत्री भी उपवास पर बैठे

पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान ने भगत सिंह के पैतृक गांव खटकर कलां में श्रद्धांजलि दी। दिल्ली शराब नीति मामले में पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ मुख्यमंत्री मान और अन्य आप नेता आज यहां एक दिन के उपवास पर बैठे।

गिरफ्तारी के विरोध विदेश में भी प्रदर्शन

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संयोजक और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में पार्टी के प्रमुख नेता एक दिन के अनशन के लिए रविवार को यहां जंतर-मंतर पर एकत्र बैठे। पार्टी नेताओं ने कहा कि अन्य राज्यों के साथ-साथ विदेश में भी भारतीय नागरिक इस प्रकार का विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं, जिनमें बोस्टन में हार्वर्ड स्क्वायर, लॉस एंजिल्स में हॉलीवुड साइन, वाशिंगटन में भारतीय दूतावास के बाहर, न्यूयॉर्क टाइम्स स्क्वायर और टोरंटो, लंदन और मेलबर्न समेत कई स्थान शामिल हैं। दिल्ली विधानसभा के अध्यक्ष राम निवास गोयल, उपाध्यक्ष राखी बिड़लान, मंत्री आतिशी, गोपाल राय और इमरान हुसैन सहित आप के कई वरिष्ठ नेता सुबह 11 बजे से राष्ट्रीय दिन भर के सामूहिक अनशन पर बैठे।

बंगाल में एनआईए पर हमला मामला

एनआईए अधिकारियों पर छेड़छाड़ का आरोप, एफआईआर

कोलकाता, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल के पूर्वी मिदनापुर जिले के भूपतिनगर में एनआईए के जवानों पर हमले के बाद गिरफ्तार किए गए दो लोगों में से एक के परिवार ने अधिकारियों पर छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए जवाबी प्राथमिकी दर्ज कराई है। परिवार की महिला का आरोप है कि जांच के बहाने जबरन उनके घर में घुसने की कोशिश की। महिला ने अधिकारियों पर मारपीट, बदतमीजी और घर में तोड़फोड़ का आरोप लगाया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। दोनों तृणमूल कांग्रेस के स्थानीय नेता हैं। इन्हें पिछले साल 22 दिसंबर को हुए विस्फोट के सिलसिले में गिरफ्तार किया गया। इसमें तीन लोग मारे गए थे। कोंटाई के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी, दिबाकर दास ने एफआईआर की पुष्टि की। उन्होंने कहा कि शनिवार रात गिरफ्तार किए गए दो तृणमूल कांग्रेस नेताओं में से एक के परिवार के सदस्यों ने एनआईए अधिकारियों के खिलाफ स्थानीय पुलिस स्टेशन में महिलाओं से छेड़छाड़ का आरोप लगाते हुए एक जवाबी प्राथमिकी दर्ज कराई। एनआईए द्वारा शनिवार को गिरफ्तार किए गए दो लोगों में से एक मोनोब्रत जाना के परिवार के सदस्यों द्वारा भारतीय दंड संहिता की धारा 354 के तहत एफआईआर कराई गई है। आईपीसी की धारा 354 (महिलाओं की लज्जा भंग करने की सजा) एक गैर-जमानती अपराध है।

■ महिला ने घर में जबरन घुसने का आरोप लगाया

ममता ने भी अधिकारियों को घेरा

शनिवार दोपहर खुद मुख्यमंत्री ममता बनर्जी द्वारा लगाए गए आरोपों के बाद एनआईए के खिलाफ जवाबी एफआईआर दर्ज की गई। उन्होंने एनआईए अधिकारियों पर भूपतिनगर में स्थानीय महिलाओं को परेशान करने का आरोप लगाया।

सार संक्षेप

आयोग ने आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री को भेजा नोटिस

अमरावती। आंध्र प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने रविवार को मुख्यमंत्री वाईएस जगन मोहन रेड्डी को नोटिस जारी किया। सीएम ने रैली में अपने भाषणों के दौरान तेलुगु देशम पार्टी के अध्यक्ष एन. चंद्रबाबू नायडू के बारे में टिप्पणी की थी, जिसके कारण उन्हें नोटिस जारी किया गया है। सीईओ मुकेश कुमार मीणा ने पाया कि वाईएसआर कांग्रेस पार्टी के अध्यक्ष ने जो टिप्पणियां कीं वो प्रथम दृष्टया आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन हैं।

बीआरएस के एक और विधायक ने थामा कांग्रेस का दामन

हैदराबाद। तेलंगाना में अगले महीने होने वाले लोकसभा चुनाव से पहले भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के नेताओं का पार्टी छोड़ने का सिलसिला जारी है। रविवार को बीआरएस के एक और विधायक ने सत्तारूढ़ कांग्रेस का दामन थाम लिया। भद्राचलम से बीआरएस विधायक तेलम वेंकट राव, मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और राजस्व मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी की मौजूदगी में कांग्रेस में शामिल हुए। वह एक महीने से भी कम समय में कांग्रेस में शामिल होने वाले मुख्य विपक्षी दल के तीसरे विधायक हैं।

एकनाथ खड़से फिर से होंगे भाजपा में शामिल

मुंबई। महाराष्ट्र के खानदेश क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के पूर्व वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे कुछ ही दिनों में एक बार फिर भाजपा में शामिल होने वाले हैं। श्री खड़से ने शनिवार को इस बात की पुष्टि खुद की। उन्होंने हाल ही में दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ इस बात पर चर्चा की। पिछली देवेन्द्र फड़नवीस सरकार में श्री खडसे ने भूमि सौदा मामले में वर्ष 2016 में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था।

उप्र में जमीनी विवाद में शख्स की पीट-पीटकर हत्या

फतेहपुर। उत्तर प्रदेश के फतेहपुर जिले में रविवार को जमीनी विवाद को लेकर 35 वर्षीय एक व्यक्ति की कथित तौर पर पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एएसपी विजय शंकर मिश्रा ने बताया, गाजीपुर थाना क्षेत्र के हसनपुर लोदियानी गांव में गेहूं की फसल काटते समय खेत में रामू हाड़ा (35) की कथित तौर पर लाठियों से पीट-पीटकर हत्या कर दी गई।

मध्य प्रदेश समेत 14 राज्यों में हुई बारिश

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। देश के 14 राज्यों में रविवार को कहीं-कहीं हल्की बारिश हुई। मौसम विभाग के मुताबिक केरल, कर्नाटक, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, तेलंगाना, ओडिशा, बिहार, छत्तीसगढ़, झारखंड, पश्चिम बंगाल, असम, सिक्किम, मेघालय और अरुणाचल प्रदेश में कहीं-कहीं छिटपुट बारिश दर्ज की गई। इसके अलावा इसके 8 राज्यों गुजरात, गोवा, कर्नाटक, केरल, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडु और पुडुचेरी में लू का असर रहा। इन राज्यों का तापमान 43 डिग्री तक पहुंच चुका है। सबसे ज्यादा 44.5 डिग्री तापमान आंध्र प्रदेश के नंदयाल में रिकॉर्ड किया गया।

मौसम विभाग ने बताया कि मध्यप्रदेश में अगले 4 दिन यानी 7 से 10 अप्रैल तक ओले-बारिश का दौर रहेगा। आंधी चलने का अनुमान है। उधर, लद्दाख के चांग ला दर्रे में बर्फबारी के बीच फंसे महिलाओं और बच्चों समेत कम से कम 80 लोगों को सेना ने बचाया। सेना के लेह स्थित फायर एंड फ्यूरी कोर ने कहा कि आधी रात के ऑपरेशन को त्रिशूल डिवीजन के सैनिकों ने अंजाम दिया। लेह और श्योक नदी घाटी के बीच 17,688 फुट ऊंचे चांग ला दर्रे में यह ऑपरेशन चलाया गया।

■ लद्दाख में बर्फबारी, 80 लोगों को सेना ने बचाया
■ 8 राज्यों लू का असर रहा, पारा 43 डिग्री तक पहुंचा

अनुमान के लिए एआई का इस्तेमाल शुरू

मौसम विभाग के प्रमुख मृत्युंजय महापात्र ने बताया कि मौसम के अनुमान को और बेहतर बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) और मशीन लर्निंग का इस्तेमाल शुरू कर दिया गया है। अगले पांच साल के भीतर ,ृ हमारे मॉडल और तकनीक में काफी सुधार करेगा।

मुख्य विपक्षी दल का प्रधानमंत्री पर पलटवार

कांग्रेस की गारंटी से हताशा में मोदी

कुर्सी को बचाने के लिए हताशा में बेबुनियाद बयान दे रहे प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। लोकसभा चुनाव से पहले सियासी दलों एक-दूसरे पर हमले तेज हो गए हैं। इस बीच, कांग्रेस ने रविवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर पलटवार किया। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री उनकी गारंटी से परेशान हैं और अपनी कुर्सी को बचाने के लिए हताशा में बेबुनियाद बयान दे रहे हैं। विपक्षी दल की ओर से यह प्रतिक्रिया तब सामने आई है, जब प्रधानमंत्री ने आरोप लगाया कि कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप है और उसके नेताओं के बयान राष्ट्रीय एकता और सनातन धर्म के प्रति शत्रुता दिखाते हैं।

भारत के लोग अब प्रधानमंत्री के झूठ से थक चुके हैं। चार जून के बाद उनको लंबी छुट्टी पर जाना पड़ेगा। यही भारत के लोगों की गारंटी है: **जयराम रमेश, कांग्रेस प्रवक्ता**

कांग्रेस के घोषणा पत्र में मुस्लिम लीग की छाप : मोदी

नवादा जिले में एक रैली को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने बिहार में कांग्रेस-राजद गठबंधन के शासन को याद किया और उसे जंगल राज करार दिया। इसके साथ ही उन्होंने अपने सहयोगी नीतीश कुमार और सुशील कुमार मोदी की मुख्यमंत्री और उप मुख्यमंत्री के रूप में राज्य के हालात बदलने के लिए प्रशंसा की।

बंगाल की तीन सीटों पर कांग्रेस उम्मीदवार घोषित

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल की तीन लोकसभा सीटों के लिए रविवार को उम्मीदवार घोषित किए। कांग्रेस महासचिव के वीडियो गोपाल ने यहां बताया पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में इन उम्मीदवारों के नाम को मंजूरी दी गई। उन्होंने बताया कि बनगांव (सु) से प्रदीप विश्वास, उलूबेरिया से अजहर मलिक तथा घटाल से डॉ. पपिया चक्रवर्ती को टिकट दिया गया है।

लद्दाखी झुकने को तैयार नहीं, आंदोलन जारी रहेगा

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। हालांकि केंद्र सरकार के इशारों पर लद्दाख के स्थानीय प्रशासन ने लद्दाखियों के शांतिपूर्ण आंदोलन को कुचलने की कोशिश की है और उन्हें मजबूर अपना बार्डर मार्च स्थगित कर देना पड़ा है पर उनका कहना था कि न वे झुकेंगें और न ही आंदोलन त्यागेंगे। ऐसे में यह स्पष्ट संकेत है कि आने वाले दिनों में लद्दाख में आंदोलन हिंसक भी हो सकता है। लेह एपेक्स बॉडी और क्लाइमेट एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक लद्दाख को राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। लेह में 21 दिन के अनशन के बाद 10 दिन तक महिलाएं अनशन पर रहीं हैं। इस दौरान महिलाओं के आने और युवाओं के जाने में अंतराल था। पिछले एक महीने से लद्दाखी यहां प्रार्थनाएं, दुआएं करते हुए अनशन पर बैठे हुए हैं। 6 अप्रैल को प्रशासन ने दमनकारी नीति अपनाते हुए जिला मजिस्ट्रेट ने लेह जिले में धारा 144 लागू करने के आदेश दिए। इसके तहत किसी भी जुलूस, रैली या मार्च पर रोक लगाने के आदेश जारी किए गए थे। प्रशासन की ओर से जारी आदेश में कहा गया, जिला मजिस्ट्रेट से बिना आदेश लिए लेह में बयानबाजी, रैली या मार्च करने की अनुमति नहीं होगी।

■ आने वाले दिनों में हिंसक भी हो सकता है आंदोलन
■ राज्य का दर्जा देने की मांग को लेकर हो रहा आंदोलन

सरकार पागल हाथी की तरह काम कर रही

वांगचुक ने संवाददाताओं से कहा कि मौजूदा स्थिति (लेह में) को देखते हुए यह सरकार पागल हाथी की तरह काम कर रही है। इसे राष्ट्रीय सुरक्षा या लोगों की भावनाओं और उनकी समस्याओं की कोई परवाह नहीं है। इसकी एकमात्र चिंता चुनाव जीतना है और यह हिंसा की कीमत पर भी लोगों को मार्च करने से रोक सकती है।

किसानों ने फूंका भाजपा का पुतला

सिरसा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। हरियाणा के सिरसा में रविवार को किसानों ने बाजारों में रोष मार्च निकाला और बाद में भारतीय जनता पार्टी के पुतले फूंके। इससे पहले आज किसान नेहरू पार्क में एकत्रित हुए। यहां से पुतले उठाकर नारेबाजी करते हुए बाजारों से होकर डा.भीमराव अम्बेडकर चौक पहुंचे जहां पुतले का दहन किया गया। भारतीय किसान एकता के अध्यक्ष लखविंद्र सिंह औलख ने बताया कि 13 फरवरी से किसान आंदोलन-2 चल रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा किए गए वायदों के अनुसार किसान अपनी मानी हुई मांगों को लागू करवाने के लिए किसान आंदोलन कर रहे हैं। किसान अपनी मांगों को लेकर दिल्ली जा रहे थे, लेकिन भाजपा सरकार ने सड़कों पर कंक्रीट की दीवारें बनवाई, पूरे हरियाणा की सड़कें बंद कर दी। हरियाणा की भाजपा सरकार ने पंजाब के शंभू व खनौरी बॉर्डर पर किसानों पर जहरीली आंसू गैस के गोले, मोर्टार इंजेक्टर व गोलियां बरसाई जिससे युवा किसान शुभकरण सिंह मौत तक हो गई व सैकड़ों किसान घायल हुए। किसानों के कैंप में घुसकर उनके ट्रैक्टर व गाड़ियों को तोड़ा गया। भाजपा सरकार ने किसानों को गिरफ्तार करके जेलों में डाला, अभी तक तीन किसान अनीश खटकड़, नवदीप सिंह व गुरकीरत सिंह जेलों में बंद है। उनकी रिहाई को लेकर व किसानों पर हुए अत्याचार के विरोध में आज पूरे देश में रोष मार्च निकालते हुए भाजपा के पुतले फूंके गए हैं।

■ बाजारों में रोष मार्च निकाला
■ 13 फरवरी से चल रहा आंदोलन

मुख्तार के घर पहुंचे अखिलेश यादव

गाजीपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। समाजवादी पार्टी के प्रमुख और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने रविवार गाजीपुर में मुख्तार अंसारी के परिवार के सदस्यों से मुलाकात की। अखिलेश यादव ने मुख्तार अंसारी के बड़े भाई अफजाल अंसारी और बेटे उमर अंसारी से मुलाकात की। पूर्व मुख्यमंत्री ने परिवार के साथ करीब एक घंटा बिताया। गैंगस्टर से नेता बने मुख्तार अंसारी की 28 मार्च को मौत के बाद विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने उनके घर का दौरा किया है। अंसारी परिवार से मिलने वाले पहले राजनीतिक नेताओं में से एक असदुद्दीन ओवैसी थे।

पूर्व मुख्यमंत्री ने परिजनों से की मुलाकात

चुनाव *भाजपा ने अब तक 417 उम्मीदवार किए हैं घोषित*

भाजपा के लोकसभा उम्मीदवारों में सिर्फ 16 फीसदी महिलाएं

■ **विंध्यवासिनी त्रिपाठी**

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। नारी शक्ति की बड़ी पैरोकार भाजपा भले ही महिलाओं के प्रतिनिधित्व की बढ़चढ़ दुहाई दे रही हो, लोकसभा और विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 फीसदी आरक्षण वाला कानून पारित कराने का भी श्रेय ले रही हो, लेकिन लोकसभा चुनाव 2024 में उसने भी सिर्फ जिताऊ महिला उम्मीदवारों पर ही दाव लगाया है। जिसके चलते भाजपा उम्मीदवारों की सूची में महज 16 फीसदी महिलाओं को ही जगह मिल पाई है।

सुषमा की बेटी बांसुरी स्वराज भी है उम्मीदवार

इसमें भी ज्यादातर महिलाएं बड़े राजनीतिक घरानों से हैं। मसलन सूची में परनीत कौर पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह की पत्नी, बांसुरी पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वराज सुषमा स्वराज की बेटी, सीता सोरेन झारखंड मुक्ति मोर्चा के प्रमुख शिबू सोरेन की बहू, गीता कोडा झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री मधुकोडा की पत्नी, ज्योति मिर्धा पूर्व सांसद नाथूराम मिर्धा की पोती, गायत्री सिद्धेश्वरा पूर्व केंद्रीय मंत्री जीएम सिद्धेश्वरा की पत्नी, नवनीत राणा तीन बार के विधायक रवि राणा की पत्नी, मालविका देवी कालाहांडी के पूर्व सांसद अरका केसरी देव की पत्नी,कृति सिंह देबबर्मा टिपरा मोथा पार्टी के संस्थापक प्रद्योत किशोर माणिक्य देबबर्मा की बहन, जैसी महिलाएं शामिल हैं।

■ ज्यादातर महिलाएं बड़े राजनीतिक घरानों से
■ परनीत कौर, सीता सोरन जैसे नाम शामिल

2019 में 55 महिला उम्मीदवारों को उतारा था

भाजपा ने अभी तक 417 उम्मीदवारो की घोषणा की है। जिसमें 68 यानी 16 फीसदी से कुछ ज्यादा महिलाओ को जगह दी गई है। हालांकि यह आंकड़ा भी उसके पहले के चुनावों से कहीं बेहतर है। पार्टी ने 2009 में 45, 2014 में 38 और 2019 में 55 महिला उम्मीदवारों को मैदान में उतारा था। हालांकि इस मामले में प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस का रवैया भी ज्यादा बेहतर नहीं है। पार्टी ने अभी तक 241 उम्मीदवारों की घोषणा की है। इसमें महज 36 यानी 15 फीसदी महिलाओं को ही मौका मिला है।

देश

उवाच

किश्तवाड़ के पूरे क्षेत्र के लिहाज से की बात करें तो एक उपेक्षित सुदूर क्षेत्र से, यह उत्तर भारत के बिजली केंद्र के रूप में उभरा है और पिछले दस वर्षों में इसमें आश्चर्यजनक परिवर्तन आया है।

-डॉ. जितेंद्र सिंह, भाजपा नेता

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	34.0	20.0
मुंबई	30.0	26.0
कोलकाता	28.0	26.0
चेन्नई	31.0	27.0

अनंतनाग-राजौरी सीट से चुनाव लड़ेंगी महबूबा

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस के बाद पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी ने इंडिया गठबंधन को तोड़कर तीनों सीटों पर उम्मीदवार उतारे हैं। पार्टी की अध्यक्षा महबूबा मुफ्ती खुद भी मैदान में उतरी हैं।

- **कश्मीर में नेशनल कांफ्रेंस के बाद पीडीपी ने तोड़ा इंडिया गठबंधन**
- **श्रीनगर से वहीद उर रहमान पर्रा व बारामुला से फैयाज अहमद मीर को बनाया उम्मीदवार**

पूर्व मुख्यमंत्री और पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी की अध्यक्ष महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगी। जम्मू-कश्मीर पांच लोकसभा निर्वाचन क्षेत्रों में से सबसे हॉट अनंतनाग-राजोरी सीट को माना जा रहा है। इस सीट पर मुकाबला और भी दिलचस्प होने जा रहा है। श्रीनगर में एक प्रेस वार्ता में पीडीपी के वरिष्ठ नेता और पूर्व मंत्री सरताज मदनी ने कहा कि पार्टी प्रमुख महबूबा मुफ्ती अनंतनाग-राजौरी सीट से उनकी उम्मीदवार होंगी, जबकि पार्टी के युवा अध्यक्ष वहीद पारा श्रीनगर-पुलवामा निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ेंगे। उन्होंने कहा कि हाल ही में पार्टी में लौटे पूर्व राज्यसभा सांसद फैयाज मीर बारामूला सीट से उम्मीदवार होंगे। अनंतनाग-राजौरी निर्वाचन क्षेत्र में महबूबा मुफ्ती का मुकाबला नेशनल कॉन्फ्रेंस के मियां अल्ताफ और डीपीएपी अध्यक्ष गुलाम नबी आजाद से होगा, जबकि भाजपा और अन्य क्षेत्रीय दलों ने अभी तक इस सीट से अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। फयाज मीर पीपुल्स कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष सज्जाद लोन और जेल में बंद एआईपी प्रमुख एर रशीद के साथ आमने-सामने होंगे क्योंकि

नेशनल कॉन्फ्रेंस, भाजपा और अन्य क्षेत्रीय दलों ने अभी तक बारामुल्ला लोकसभा सीट के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा नहीं की है। अनंतनाग-राजौरी सीट पर आईएनडीआई गठबंधन के दलों में खींचतान चल रही थी। महबूबा यहां से चुनाव लड़ना चाहती थी और नेकां सीट छोड़ने को तैयार नहीं थी। पहली अप्रैल को उमर अब्दुल्ला ने अपने स्तर पर गुज्जर धार्मिक नेता मियां अल्ताफ अहमद लारवी को अनंतनाग-राजौरी सीट से प्रत्याशी घोषित कर दिया। यह घोषणा रविवार को आरतज मदनी ने श्रीनगर में पार्टी मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में की। इसके बाद महबूबा मुफ्ती ने मीडिया को संबोधित किया।

नकारात्मक टिप्पणी से पार्टी कार्यकर्ताओं को ठेस पहुंची

महबूबा मुफ्ती ने कहा कि नेशनल कॉन्फ्रेंस (नेकां) ने उनसे बिना पूछे तीनों सीटों पर उम्मीदवार उतारे। उमर अब्दुल्ला ने उनकी पार्टी के लिए नकारात्मक टिप्पणियां की, जिससे उनके पार्टी कार्यकर्ताओं को काफी ठेस पहुंची है। नेकां के तीनों सीटों पर लड़ने के फैसले के सार्वजनिक होने के बाद ही पीडीपी ने अपने दम पर चुनाव लड़ने का निर्णय लिया है। महबूबा ने जोर देकर कहा कि उनकी पार्टी पिछले कुछ वर्षों में हमलों की एक श्रंखला का शिकार हुई है। महबूबा मुफ्ती ने कहा कि उन्होंने तय किया था कि वे लोकसभा चुनाव के लिए इंडिया गठबंधन का हिस्सा बनेंगे, लेकिन ऐसा नहीं हो सका।

अनंतनाग-राजोरी सीट पर सात मई को होगा मतदान

अनंतनाग-राजोरी सीट पर तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा। इस सीट के लिए अधिसूचना 12 अप्रैल को जारी होगी। मई 2022 में परिसीमन के बाद अनंतनाग सीट में जम्मू संभाग के पीर पंजाल के राजोरी के क्षेत्रों को जोड़ा गया है। जोड़ा गया इलाका हिंदू और पहाड़ी समुदाय की आबादी वाला है। कभी मुस्लिम बहुल इस सीट पर कांग्रेस हैट्रिक लगा चुकी है। नेकां व पीडीपी भी यहां से कई बार जीत का स्वाद चख चुकी है। भाजपा इस सीट से कश्मीर में विजय का परचम लहराने के लिए मैदान में उतरेगी। भाजपा ने पहाड़ियों को जनजातीय का दर्जा और आरक्षण देकर यहां पर अपना दांव खेला है।

महबूबा ने फयाज अहमद मीर का पार्टी में वापस आने का स्वागत किया। करीब 10 दिन बाद ही उन्हें उत्तरी कश्मीर की बारामुला सीट से उन्हें चुनावी मैदान में उतारा है। 19 अप्रैल से शुरू होने वाले सात चरण के लोकसभा चुनावों के लिए अभी तक केवल तीन पार्टियों ने अनंतनाग-राजौरी सीट से अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। अभी भाजपा के पत्ते खुलने बाकी हैं। अनंतनाग-राजोरी सीट पर तीसरे चरण में सात मई (मंगलवार) को मतदान होगा। इस सीट के लिए अधिसूचना 12 अप्रैल को जारी होगी। अनंतनाग सीट की बात करें तो यह हाई प्रोफाइल सीट रही है। यहां से महबूबा मुफ्ती 2014 में सांसद बनीं लेकिन 4 जुलाई 2016 को उनके इस्तीफे से यह सीट खाली हो गई। इस्तीफे के करीब तीन साल तक यहां उपचुनाव नहीं हो पाया। इस सीट पर चरमपंथ का प्रभाव होने का तर्क देकर चुनाव आयोग ने चुनाव नहीं करवाए। अपने पिता और पूर्व मुख्यमंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद के निधन के बाद महबूबा ने अनंतनाग विधानसभा सीट से चुनाव जीता। बाद में 2019 में इस सीट पर चुनाव हुआ और नेशनल कांफ्रेंस के हसनैन मसूदी ने जीत हासिल की। उन्होंने 40180 वोट हासिल किए थे जबकि उनके निकटतम प्रतिद्वंदी कांग्रेस के गुलाम अहमद मीर ने 33504 वोट हासिल किए। पीडीपी मुखिया महबूबा मुफ्ती तीसरे नंबर पर रहीं। 2019 में इस सीट पर कुल 9 प्रतिशत ही मतदान हुआ था। गौरतलब है कि 19 अप्रैल से शुरू होने वाले सात चरण के लोकसभा चुनावों के लिए अभी तक केवल तीन पार्टियों ने अनंतनाग-राजोरी सीट से अपने उम्मीदवारों की घोषणा की है। अभी भाजपा के पत्ते खुलने बाकी हैं। आंकड़ों पर नजर डालें तो परिसीमन के बाद बनी अनंतनाग-राजोरी सीट में कुल 18 विधानसभा हलके आए हैं। अनंतनाग में सात, कुलगाम में तीन, पुंछ में तीन, शोपियां के एक और राजोरी में चार विस हलके हैं। इसके साथ ही अनंतनाग में मतदाताओं की संख्या 666390, कुलगाम में 323813, पुंछ में 347630, शोपियां में 106864 जबकि राजोरी में 388874 है।

सिर्फ धर्म व जाति के नाम पर प्रचार कर रहे मोदी : स्टालिन

पुद्दुचेरी, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। डीएमके अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन कहा कि पुडुचेरी को केंद्र में भाजपा के 10 साल के शासन के दौरान कोई फायदा नहीं हुआ और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी केवल धर्म और जाति के नाम पर प्रचार कर रहे हैं। मोदी ने अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति और कमजोर वर्गों की दशा सुधारने के लिए कोई उपाय नहीं किया है बल्कि धर्म और जाति के नाम पर प्रचार कर रहे हैं। डीएमके अध्यक्ष और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने इस बात पर जोर दिया कि पुद्दुचेरी के मुख्यमंत्री एन रंगासामी केंद्र के हाथों की कठपुतली हैं। उन्होंने कहा कि हम चाहते हैं कि न केवल तमिलनाडु जैसे बड़े राज्यों के अधिकारों की रक्षा की जानी चाहिए, बल्कि पुद्दुचेरी जैसे केंद्र शासित प्रदेशों के अधिकारों की भी रक्षा की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि कराईकल के मछुआरों को श्रीलंकाई नौसेना द्वारा कठिनाइयों और गिरफ्तारी का सामना करना पड़ा और

■ पुद्दुचेरी के मुख्यमंत्री को बताया केंद्र के हाथों की कठपुतली

मछुआरों के कष्टों को रोकने के लिए प्रधानमंत्री ने क्या उपाय किए। प्रधानमंत्री ने केंद्र शासित प्रदेश को सर्वश्रेष्ठ पुद्दुचेरी बनाने के अपने वादे को पूरा करने के लिए कुछ भी नहीं किया।

स्टालिन ने कहा कि अगर इंडिया ब्लॉक लोकसभा चुनाव के बाद सत्ता में आता है तो पुद्दुचेरी को पूर्ण राज्य का दर्जा दिया जाएगा। बता दें, कांग्रेस उम्मीदवार और मौजूदा सांसद वी वैथिलिंगम के लिए समर्थन मांगते हुए स्टालिन यहां एक चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने कहा कि डीएमके और कांग्रेस पुडुचेरी को पूर्ण राज्य बनाने को लेकर दृढ़ हैं।

बच्ची के यौन उत्पीड़न की घटना से पूरा देश स्तब्ध

स्टालिन ने पुद्दुचेरी में कानून एवं व्यवस्था की बिगड़ती स्थिति पर चिंता जताते हुए कहा कि केंद्र शासित प्रदेश में नौ वर्षीय बच्ची के यौन उत्पीड़न और हत्या की हालिया घटना ने पूरे देश को स्तब्ध कर दिया है। उन्होंने कहा कि यह घटना पुद्दुचेरी में कानून व्यवस्था की स्थिति का सबूत है। भाजपा के शासन के दौरान देश में महिलाओं को कोई सुरक्षा नहीं थी।

सार संक्षेप

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में भूकंप के झटके

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में रविवार को भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) ने कहा कि सुबह करीब 2:47 बजे आए भूकंप की तीव्रता रिक्टर पैमाने पर 3.5 आंकी गई। इससे पहले शनिवार को भी जिले में 3.8 तीव्रता का भूकंप आया था। पिछले एक हफ्ते से इस केंद्र शासित प्रदेश के कुछ हिस्सों में भूकंप के झटके महसूस किए जा रहे हैं।

डेरा प्रमुख हत्याकांड में तीन और साजिशकर्ता गिरफ्तार

रुद्रपुर/नैनीताल। उत्तराखंड में गुरुद्वारा श्री नानकमत्ता साहिब के डेरा प्रमुख तरसेम सिंह हत्याकांड के तीन और साजिशकर्ताओं को विशेष जांच दल (एसआईटी) ने गिरफ्तार किया है। साथ ही पुलिस ने दोनों शूटरों पर इनाम की राशि बढ़ाकर एक-एक लाख रुपये कर दी है। ऊधमसिंह नगर के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मंजूनाथ टीसी ने रविवार को रुद्रपुर में पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि डेरा प्रमुख की हत्या की साजिश कई महीनों पहले से चल रही थी। तीन महीने पहले इसे अंतिम रूप दे दिया गया था।

एकनाथ खडसे फिर से होंगे भाजपा में शामिल

मुंबई। महाराष्ट्र के खानदेश क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के पूर्व वरिष्ठ नेता एकनाथ खडसे कुछ ही दिनों में एक बार फिर भाजपा में शामिल होने वाले हैं। खडसे ने शनिवार को इस बात की पुष्टि खुद की। उन्होंने हाल ही में दिल्ली में भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के साथ इस बात पर चर्चा की। पिछली देवेन्द्र फड़नवीस सरकार में खडसे ने भूमि सौदा मामले में वर्ष 2016 में मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। महाराष्ट्र में भाजपा के नेतृत्व के साथ मतभेद होने के बाद खडसे ने लगभग तीन साल पहले पार्टी छोड़ दी थी और अविभाजित राकांपा में शामिल हो गए थे।

सोन्या हुसैन ने अपने नए शो 'साराब' पर काम करने का अपना अनुभव साझा किया

नई दिल्ली। 'साराब' दक्षिण एशियाई समुदायों में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर सामाजिक सोच और रूढ़ियों के बारे में बात करता है। आपको क्या लगता है किस तरह 'साराब' इस मुद्दे को लेकर बातचीत की शुरुआत कर सकता है और जागरूकता फैला सकता है? 'साराब' में मानसिक स्वास्थ्य की पेचीदगियों को दिखाया गया है। हमारे समाज में होरैन जैसे लोगों को किस तरह की चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, वो इसमें दिखाया जा रहा है। शिज़ोफ्रेनिया से पीड़ित होरैन के सफर को दिखाकर, इस शो में मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े कलंक के बारे में खुलकर बात की गई और दर्शकों को उसका मुकाबला करने के लिए प्रेरित किया गया है।

बीआरएस विधायक तेलम वेंकटराव कांग्रेस में शामिल

हैदराबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। तेलंगाना में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के एक विधायक पार्टी को तगड़ा झटका देते हुए रविवार को कांग्रेस में शामिल हो गए। पार्टी सूत्रों ने के अनुसार आसन्न लोकसभा चुनाव के दौरान लगातार परेशानियों से जूझ रही बीआरएस को उस समय एक और बड़ा झटका लगा जब भद्राचलम निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करने वाले पार्टी विधायक तेलम वेंकटराव आधिकारिक तौर पर कांग्रेस पार्टी में शामिल हो गए। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने कांग्रेस का अंगवस्त्र ओढ़ाकर वेंकटराव का गर्मजोशी से स्वागत किया। पिछले साल दिसंबर में हुए तेलंगाना विधानसभा चुनावों के दौरान वेंकटराव संयुक्त खम्मम जिले से एकमात्र बीआरएस उम्मीदवार के रूप में विजयी हुए, जबकि कांग्रेस ने आठ और भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी ने शेष नौ सीटों में से एक सीट हासिल की। इसके पहले बीआरएस को करारा झटका देते हुए खैरताबाद और स्टेशनघनपुर के बीआरएस विधायक दानम नागेंद्र और कादियाम श्रीहरि, सांसदों और प्रमुख नेताओं के साथ कांग्रेस में शामिल हो गए थे।

■ मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की मौजूदगी में थामा कांग्रेस का दामन

कर्नाटक के लोगों को भ्रमित कर रहा केंद्र : सिद्दारमैया

बेंगलुरु, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ) फंड के में देरी को लेकर केंद्र सरकार की कड़ी आलोचना की। साथ ही उन्होंने केंद्रीय मंत्री अमित शाह और निर्मला सीतारमण पर समय पर निर्णय लेने से बचने और भ्रामक बयानों से जनता को भ्रमित करने का आरोप भी लगाया है। सिद्दारमैया ने एक्स पर कहा कि केंद्र सरकार को कर्नाटक की कोई परवाह नहीं है। केंद्र सरकार उच्च स्तरीय समिति (एचएलसी) की बैठक आयोजित करने और हमारे एनडीआरएफ दावों पर निर्णय लेने में विफल रहने के कारण केंद्रीय मंत्रियों को बेंगलुरु में आकर जनता को भ्रमितकरने और आधे अधूरे सच को बताने के लिए तैनात कर रहे हैं। वे झूठ बोलते हैं और उन्हें लगता है कि यहां के लोगों को भ्रमित किया जा सकता है। सिद्दारमैया ने राज्य आपदा प्रतिक्रिया कोष (एसडीआरएफ) और राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया कोष (एनडीआरएफ)

■ एनडीआरएफ फंड में देरी को लेकर की केंद्र सरकार की आलोचना

केंद्र सरकार को कर्नाटक की कोई परवाह नहीं है : सिद्दारमैया

के बीच अंतर को समझाते हुए तर्क दिया कि एसडीआरएफ आबंटन वित्त आयोग की सिफारिश पर आधारित है और राज्य का अधिकार है, जबकि एनडीआरएफ से अभूतपूर्व आपदा स्थितियों में अतिरिक्त समर्थन की जरूरत होती है। उन्होंने बताया कि केंद्र सरकार द्वारा एसडीआरएफ से 697 करोड़ रुपए के आबंटन को स्वीकार किया गया था, लेकिन यह राशि सूखे के कारण हुए 37,000 करोड़ रुपए से अधिक के व्यापक नुकसान की भरपाई करने के लिए अपर्याप्त है। उन्होंने कहा कि नुक्सान की पर्याप्त रूप से भरपाई करने के लिए एनडीआरएफ से 18,171 करोड़ रुपए की अतिरिक्त सहायता की आवश्यकता है। सिद्दारमैया ने कर्नाटक के लिए वित्त आयोग द्वारा अनुशंसित विशेष अनुदान के संबंध में सीतारमण के बयानों की भी आलोचना की।

उन्होंने कहा कि वित्त आयोग की सिफारिशों के बारे में सीतारमण बातें भ्रामक है और 15वें वित्त आयोग द्वारा जारी रिपोर्टों में 'प्रारंभिक' और 'अंतिम' सिफारिशों के बीच कोई अंतर नहीं किया गया था। इसके अलावा, उन्होंने सवाल किया कि अगर कर्नाटक महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और पर्यावरण परियोजनाओं के लिए आयोग की सिफारिशों के अनुसार धन का हकदार है तो उसे ऋण का सहारा लेने की आवश्यकता क्यों होगी। सिद्दारमैया ने सीतारमण की राजकोषीय नीतियों की दक्षता और समझ पर संदेह जताते हुए सवाल किया कि क्या वह वित्त मंत्रालय को प्रभावी ढंग से प्रबंधित करने में सक्षम हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कर्नाटक की जनता भाजपा को इन कार्यों के लिए जवाबदेह ठहराएगी।

चुनाव बाद सरकार गिरने के भाजपा के दावों को किया खारिज

कोलार। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दारमैया ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के दावों को रविवार को खारिज कर दिया कि लोकसभा चुनाव के बाद राज्य सरकार गिर जाएगी। सिद्दारमैया ने कहा कि सरकार को पांच साल के लिए जनादेश मिला है और उन्होंने विश्वास जताया कि उनकी योजनाएं निर्बाध रूप से जारी रहेंगी। उन्होंने पिछले चुनावों में कांग्रेस के चुनावी प्रदर्शन पर जोर देते हुए कहा कि उन्होंने महत्वपूर्ण वोट शेयर हासिल किया और काफी संख्या में सीटें जीतीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमने 136 सीटें जीतीं, जो वोट शेयर का 43 प्रतिशत है। भाजपा को केवल 36 प्रतिशत मिला। हम उनकी तुलना में सात प्रतिशत आगे हैं। उनके पास केवल 64 सीटें हैं जबकि उनके सहयोगी जनतादल-सेक्युलर (जद-एस) के पास 19 विधायक हैं और कई जल्द ही कांग्रेस में शामिल होंगे। लोगों ने हमें पांच साल दिए हैं और हमारी योजनाएं बिना किसी बाधा के पांच साल तक जारी रहेंगी।

कांग्रेस के घोषणा पत्र को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाया जाए : गुलाम मीर

रांची, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमेटी के मीडिया विभाग के पदाधिकारीयों, वार रूम के पदाधिकारीयों, सोशल मीडिया पदाधिकारियों, अग्रणी संगठन मोर्चा के अध्यक्षों की बैठक प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राजेश ठाकुर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में प्रदेश प्रभारी गुलाम अहमद मीर उपस्थित थे।

बैठक में मीर ने पूरे मीडिया विभागों के कार्यों का विवेचना किया और आवश्यक दिशा-निर्देश भी दिया। इस क्रम में उन्होंने निर्देश दिया की पांच न्याय 25 गारंटी तथा कांग्रेस के मेनिफेस्टो को समाज के सभी वर्गों तक पहुंचाने के लिए झारखंड में बोली और लिखे जाने वाली सभी भाषाओं में अनुवाद कर लोगों तक पहुंचने के लिए आवश्यक तैयारी करने की जरूरत पर बल दिया। उन्होंने निर्देश दिया कि चुनाव के

■ झारखंड के प्रदेश प्रभारी ने बैठक मे दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

दौरान विभिन्न लोकसभा क्षेत्रों मे व्यापक प्रचार प्रसार के लिए प्रदेश स्तर के प्रवक्ताओं की नियुक्ति प्रभारी के रूप में जिला एवं लोकसभा स्तर पर किया जाए ताकि वह जिला और लोकसभा स्तर के प्रवक्ताओं से समन्वय स्थापित कर सके। इस क्रम में उन्होंने कहा कि वर्तमान चुनाव अत्यंत महत्वपूर्ण है मीडिया विभाग के सदस्यों की भूमिका चुनाव के दौरान तो महत्वपूर्ण है लेकिन चुनाव के पहले की तैयारी मीडिया विभाग

मोदी सरकार की करगुजारियों से लोकतंत्र का हर स्तंभ हो रहा है परेशान : ठाकुर

प्रदेश अध्यक्ष राजेश ठाकुर ने कहा कि मोदी सरकार की करगुजारियों से न सिर्फ जनता बल्कि लोकतंत्र का हर स्तंभ परेशान है और नाराज है और शायद यही वजह है कि भाजपा आने वाले चुनाव के परिणामों को लेकर सशंकित है। चुनावी जंग का मैदान तैयार है जंग जीतने के लिए हर हथियार का इस्तेमाल किया जाता है परंतु लोकतंत्र में जनता की आवाज को हुकूमत तक पहुंचाने का बेहतरीन और सशक्त हथियार मीडिया ही है।

से जुड़े नेताओं पर ही होती है। आज के दौर में अपनी बातों को जनता तक पहुंचाने का सशक्त माध्यम मीडिया ही है।

आर्य समाज वसंत विहार ने धूमधाम से मनाया 150वां आर्य समाज स्थापना दिवस

नई दिल्ली 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आर्य समाज वसंत विहार ने 150वें आर्य समाज स्थापना दिवस की स्मृति में शनिवार, 6 अप्रैल, 2024 को एक विशेष कार्यक्रम, नूतन वर्ष अभिनंदन समारोह का आयोजन किया, जो हर साल 9 अप्रैल को मनाया जाता है। आर्य समाज वसंत विहार की अध्यक्ष श्रीमती संतोष कपूर ने इस दिन के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने कहा, 'आर्य समाज स्थापना दिवस स्वामी दयानंद सरस्वती जी के विजन को याद करने और वेदों में निहित आदर्शों के प्रति पुन: प्रतिबद्ध होने के लिए मनाया जाता है।' इस पावन अवसर पर बोलते हुए उपाध्यक्ष श्री नरेन्द्र स्वरूप ने उनकी भावनाओं को दोहराया और बताया कि किस प्रकार स्वामी दयानंद जी की सामाजिक सुधार और आत्मनिर्भरता की शिक्षाएं उन्हें प्रेरित करती रहती हैं। आर्य समाज वसंत विहार प्रबंध समिति के अन्य सदस्यों ने उत्तम मेजबान की भूमिका निभाई। श्रीमती अंजू पुरी, श्रीमती कुसुम दुग्गल, श्रीमती सुनीता नैयर, डॉ. सुधांशु कंसल, श्रीमती प्रिया सूरी, श्रीमती पूजा कपूर, श्री दीपक दीवान और विनोद कुमार पांडे ने इस अवसर को और भी यादगार बना दिया।

ओडिशा में भाजपा की वरिष्ठ नेता बीजद में शामिल

भुवनेश्वर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। ओडिशा में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की वरिष्ठ नेता एवं पार्टी उपाध्यक्ष लेखाश्री सामंतसिंघर ने रविवार को पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया और बीजू जनता दल (बीजद) का दामन थाम लिया। सामंतसिंघर ने इस्तीफा देने के बाद कहा,'' मैंने पिछले 10 वर्षों से भाजपा के लिए पूरी ईमानदारी और प्रतिबद्धता के साथ काम किया, लेकिन कड़ी मेहनत के बावजूद मैं पार्टी नेतृत्व का विश्वास नहीं जीत सकीं। उन्होंने कहा कि उन्हें एहसास हुआ कि पार्टी में उनकी कोई जगह नहीं है और उन्होंने सुबह इस्तीफा दे दिया और कुछ घंटों बाद वह बीजद में शामिल हो गईं। शनिवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व मंत्री रघुनाथ मोहंती ने भाजपा से इस्तीफा दे दिया।

मोहंती ने वर्ष 2019 में विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए पार्टी का टिकट नहीं मिलने के बाद बीजद से इस्तीफा दे दिया था और भाजपा में शामिल हो गए थे। उन्होंने भाजपा के टिकट पर बस्ता विधानसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ा लेकिन चुनाव हार गए। मोहंती 1990 से 2009 तक लगातार पांच बार बस्ता विधानसभा क्षेत्र से चुने गए। अपने लंबे राजनीतिक जीवन के दौरान, उन्होंने पंचायती राज, कानून, उद्योग और खान जैसे कई महत्वपूर्ण मंत्री पद संभाले।

तैयारी *लोकसभा चुनाव की तैयारियों पर बोले अरुणाचल प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी*

अरुणाचल में मतदान के लिए ईवीएम चालू करने का काम जारी

ईटानगर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा और अरुणाचल प्रदेश की 11वीं राज्य विधानसभा के 19 अप्रैल को एक साथ होने वाले चुनावों के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच इलेक्ट्रॉनिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) और वोटर वेरिफिएबल पेपर ऑडिट ट्रेल्स (वीवीपीएटी) को चालू करने की प्रक्रिया सभी जिलों में शुरू हो गई है। अरुणाचल प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी।

पवन कुमार सेन ने रविवार को कहा कि शनिवार को शुरू हुआ यह अभ्यास अगले दो दिनों तक जारी रहेगा, जिसके दौरान ईवीएम और वीवीपैट 19 अप्रैल के चुनाव के लिए पूरी तरह से तैयार हो जाएंगे। सीईओ ने बताया कि परमाणु ऊर्जा विभाग के तहत एक सार्वजनिक उपक्रम, इलेक्ट्रॉनिक्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के कुल 180 इंजीनियर राज्य में आ चुके हैं और उन्हें ईवीएम और

वीवीपीएटी के कमीशनिंग के लिए राज्य के 25 जिलों को आबंटित किया गया है।

पवन कुमार सेन ने कहा कि चुनाव आयोग (ईसीआई) द्वारा नियुक्त पर्यवेक्षक ईवीएम की कमीशनिंग की निगरानी कर रहे हैं। प्रवर्तन एजेंसियों ने फ्रिस्किंग, मेटल डिटेक्टर और गैजेट-मुक्त कमीशनिंग हॉल जैसे आवश्यक उपाय किए हैं तथा कमीशनिंग कड़ी सुरक्षा के तहत हो रही है जिसमें मशीनें 19 अप्रैल के मतदान के लिए पूरी तरह से तैयार होंगी। उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्रों के रिटर्निंग अधिकारी और संसदीय क्षेत्रों के सहायक रिटर्निंग अधिकारी ईवीएम को चालू करने की पूरी प्रक्रिया की निगरानी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईवीएम कमीशनिंग के माध्यम से, चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों के नाम मतपत्र इकाइयों के साथ जुड़े हुए हैं। वीवीपैट मशीनों में, प्रतीक अपलोड किए जाते हैं, और उम्मीदवारों की सेटिंग नियंत्रण इकाई (सीयू) में की जाती है। ईवीएम और वीवीपैट की 24 गुणा 7 सीसीटीवी कैमरों की निगरानी में प्रतिनियुक्त ईसीआईएल इंजीनियरों द्वारा पूरी तरह से जांच और परीक्षण किया जाता है। सीईओ ने कहा कि पूरी प्रक्रिया को देखने के लिए चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों, उनके चुनाव एजेंटों या अधिकृत प्रतिनिधियों को भी आमंत्रित किया गया है। सीईओ ने बताया कि इस बार मतदान के लिए एम-3 मॉडल की ईवीएम का इस्तेमाल किया जाएगा। इस बीच, एक चुनाव अधिकारी ने कहा कि एक साथ चुनाव के मद्देनजर, मतदाता विधानसभा और लोकसभा चुनाव के लिए वोट डालेंगे तथा इसलिए प्रत्येक मतदान केंद्र पर दो ईवीएम तैनात की जाएंगी।

- **19 अप्रैल के मतदान को पूरी तरह तैयार होंगी ईवीएम मशीनें : पवन**
- **ईवीएम को चालू करने की पूरी प्रक्रिया की की जा रही निगरानी**

उन्होंने कहा कि रिजर्व ईवीएम और वीवीपैट को पी-3 और पी-2 मतदान टीमों के साथ तैनात किया जाएगा, जिनके साथ पोर्टर भी होंगे।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

दोस्त- तेरी बीवी ने तुझे घर से क्यों निकाला?
पप्पू- तेरे ही कहने पर उसे चेन गिफ्ट की थी, इसलिए निकाला।
दोस्त- चेन चांदी की थी क्या?
पप्पू- नहीं साइकिल की !!!

मंत्री गोपाल राय ने भाजपा को दी चुनौती, बोले

हिम्मत है तो दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाकर दिखाओ

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आम आदमी पार्टी के नेताओं ने रविवार को जंतर-मंतर पर एक दिन का सामूहिक भूख हड़ताल किया। मंत्री गोपाल राय ने इस दौरान सभा को संबोधित किया। उन्होंने बीजेपी को चुनौती देते हुए कहा कि यदि हिम्मत है तो दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाकर दिखाओ। हम तुम्हें नेस्तनाबूद कर देंगे। गोपाल राय ने कहा कि केजरीवाल कल भी जनता के लिए लड़ाई लड़ रहे थे और आज भी जनता के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और यह लड़ाई जारी रहेगी। केंद्र की भाजपा सरकार ने हर वर्ग को परेशान किया गया है। विश्वविद्यालयों के छात्रों को परेशान किया है। उन्होंने कहा कि किसानों को परेशान किया है। वे दिल्ली नहीं पहुंच सकें, इसलिए सड़कों पर कीलें गड़वा दी गईं। कहा था कि फसल की एमएसपी दी जाएगी, मगर अब दो साल बाद भी उन्हें फसलों की एमएसपी नहीं मिली है। अब

केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में 'आप' ने की सामूहिक भूख हड़ताल

आप कार्यकर्ता यही दुआ कर रहे हैं कि तुम केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को हिम्मत देना : गोपाल राय

फिर कीलों से उनका स्वागत किया गया है।

मंत्री गोपाल राय कहा कि हमें आज फक्र है कि इसी जंतर-मंतर आज हम उपवास पर बैठे हैं। इसी जंतर-मंतर पर पार्टी के गठन के समय पर एक आंदोलन को बल मिला था। इसी जंतर-मंतर पर लोगों की आवाज बुलंद होती रही है। आज पूरे भारत में उपवास हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज आप कार्यकर्ता यही दुआ कर रहे हैं कि तुम अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया को हिम्मत देना। भाजपा के नेता विदेश में जाते हैं तो इवेन्ट मैनेजमेंट के जरिए अपना प्रचार कराते हैं। मगर अरविंद केजरीवाल को किसी प्रचार की जरूरत नहीं है। आज विदेश में भी जनता केजरीवाल के साथ आ रही है।

केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर भाजपा का विरोध प्रदर्शन

सीएम के बंगले में मरम्मत कार्य में अनियमितता का लगाया आरोप

नई दिल्ली। दिल्ली भाजपा के नेताओं और कार्यकर्ताओं ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) द्वारा गिरफ्तार किए गए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के इस्तीफे की मांग को लेकर रविवार को सेंट्रल दिल्ली के कनॉट प्लेस में विरोध-प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने दिल्ली के मुख्यमंत्री के मरम्मत किए गए सरकारी बंगले की एक कथित प्रतिकृति भी रखी थी। उन्होंने इसे शीशमहल करार देते हुए मरम्मत कार्य में अनियमितता का आरोप लगाया। भाजपा ने प्रदर्शन स्थल पर शराब से शीश महल तक नाम से एक सेल्फी प्वाइंट भी स्थापित की जहां पर कथित आबकारी घोटाले में आरोपी आप नेताओं की शराब की बोतल के आकार के कटआउट लगाए गए थे। प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा सहित दिल्ली भाजपा के वरिष्ठ नेता, राष्ट्रीय राजधानी से लोकसभा चुनाव के लिए घोषित किए पार्टी उम्मीदवार, विधायक और पार्षद इस विरोध-प्रदर्शन में शामिल हुए।

उन्होंने केजरीवाल के खिलाफ नारे लगाए उनके इस्तीफे की मांग की। ईडी ने कथित आबकारी घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में 21 मार्च को दिल्ली के मुख्यमंत्री को गिरफ्तार किया था। वह 15 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में हैं। दूसरी ओर, आम आदमी पार्टी के बड़े नेता अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ दिल्ली के जंतर-मंतर पर एक दिन का अनशन करने के लिए एकत्रित हुए।

विश्व होम्योपैथी दिवस पर संगोष्ठी 2024 की घोषणा

कोट : नई दिल्ली, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। आयुष मंत्रालय ने केंद्रीय होम्योपैथी अनुसंधान परिषद, राष्ट्रीय होम्योपैथी आयोग (एनसीएच) और राष्ट्रीय होम्योपैथी संस्थान (एनआईएच) के सहयोग से विश्व होम्योपैथी दिवस संगोष्ठी 2024 के आयोजन की घोषणा की है। यह महत्वपूर्ण आयोजन होम्योपैथी के संस्थापक डॉ. सैमुअल हैनिमैन की 269वीं जयंती पर आयोजित किया जाएगा। 10 और 11 अप्रैल, 2024 को दिल्ली के द्वारका स्थित यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में आयोजित होने वाली इस संगोष्ठी में दुनिया के कई प्रतिष्ठित विद्वान् सम्मिलित होंगे। इस प्रतिष्ठित कार्यक्रम की मुख्य अतिथि भारत की माननीय राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू रहेंगी। बहुमुखी उद्देश्य के साथ, यह संगोष्ठी डॉ. हैनिमैन की विरासत को एक सम्मान देने का प्रयास करती है, साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में होम्योपैथिक अनुसंधान में हुई प्रगति पर भी प्रकाश डालेगी है। साथ ही यह चिकित्सा, अनुसंधान, रसायन विज्ञान, भौतिकी, सूक्ष्म जीव विज्ञान और फार्माकोलॉजी सहित विभिन्न क्षेत्रों के बीच सहयोग को बढ़ावा देने के प्रति प्रेरित हैं। यहां मुख्य चर्चाएं राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल परिदृश्य में होम्योपैथी के निर्बाध एकीकरण और आबादी की बढ़ती स्वास्थ्य आवश्यकताओं को पूरा करने की इसकी क्षमता के इर्द-गिर्द होंगी। आयोजन के बारे में सेंट्रल काउंसिल फॉर रिसर्च इन होम्योपैथी के महानिदेशक डॉ. सुभाष कौशिक ने कहा कि विश्व होम्योपैथी दिवस संगोष्ठी 2024 ज्ञान और सहयोग का प्रतीक है। हमारा लक्ष्य राष्ट्रीय स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली में होम्योपैथी के निर्बाध एकीकरण की सुविधा प्रदान करते हुए होम्योपैथिक चिकित्सकों को अनुसंधान-आधारित दृष्टिकोण के साथ सशक्त बनाना है।

विश्व होम्योपैथी दिवस संगोष्ठी 2024 ज्ञान और सहयोग का प्रतीक है : डॉ. सुभाष कौशिक

सार संक्षेप

ग्लोबल स्टडी लिंक आयोजित करेगा दूसरा एजुकेशन एक्सपो

नई दिल्ली। एजुकेशन कन्सलटेन्सी सेक्टर में प्रमुख संगठन ग्लोबल स्टडी लिंक ने विदेश में पढ़ाई के लिए अपने आगामी दूसरे एजुकेशन एक्सपो की घोषण की है। एक्सपो का आयोजन 14 अप्रैल 2024 को दोपहर 11 बजे से शाम 5 बजे तक नई दिल्ली के डिस्ट्रिक्ट सेंटर में स्थित प्रतिष्ठित आईएचजी होटल- क्राउन प्लाज़ा में किया जाएगा। यह एक्सपो उन छात्रों के लिए व्यापक मंच की भूमिका निभाएगा जो विदेश में पढ़ाई करना चाहते हैं। छात्रों को पढ़ाई के विभिन्न अवसर उपलब्ध कराने के लिए इस आयोजन में दुनिया भर से जानी-मानी युनिवर्सिटियों एवं शैक्षणिक संस्थानों के प्रतिनिधि हिस्सा लेंगे। प्रोग्राम के दौरान उपस्थितगणों को अंडरग्रेजुएट से लेकर पोस्टग्रेजुएट प्रोग्रामों तक विभिन्न विषयों, छात्रवृत्तियों एवं पढ़ाई के विभिन्न गंतव्यों के बारे में जानने का मौका मिलेगा। रेजुलेश वट्टाप्पाराम्बिल, मैनेजिंग डायरेक्टर, ग्लोबल स्टडी लिंक ने कहा कि हमें खुशी है कि हम विदेश में पढ़ाई के इच्छुक छात्रों के लिए एजुकेशन एक्सपो का आयोजन कर रहे हैं, यह एक्सपो छात्रों को ऐसा मंच उपलब्ध कराएगा। जहां उन्हें दुनिया के विभिन्न गंतव्यों में पढ़ाई के अवसरों के बारे में जानने का अवसर मिलेगा। यह आयोजन महत्वाकांक्षी छात्रों को ज़रूरी संसाधन एवं रूझान उपलब्ध कराने और उन्हें सशक्त बनाने की हमारी प्रतिबद्धता को दर्शाता है, ताकि वे सोच-समझ कर अपने अकादमिक भविष्य के बारे में फैसला ले सकें।

सफदरजंग में मनाया गया विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस

नई दिल्ली। ऑटिज्म स्पेक्ट्रम डिसऑर्डर (एएसडी) के मरीजों में समझ को बढ़ाने के लिए सफदरजंग अस्पताल में विश्व ऑटिज्म जागरूकता दिवस का आयोजन किया गया। इसमें रोग से पीड़ित व्यक्तियों की समझ बढ़ाई गई। कार्यक्रम के दौरान सफदरजंग अस्पताल में फिजिकल मेडिसिन एंड रिहैबिलिटेशन (पीएमआर) विभाग के प्रमुख डॉ. अजय गुप्ता ने कहा कि इस रोग से पीड़ित मरीजों के लिए चिकित्सा समुदाय बेहतर काम कर रहा है। कार्यक्रम के दौरान पेंटिंग प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया। इसमें ऑटिज्म स्पेक्ट्रम पर 20 बच्चों ने जीवंत कलाकृति बनाई। ऑटिज्म एक आजीवन न्यूरोलॉजिकल स्थिति है। इसकी शुरूआत बचपन में हो सकती है। यह किसी को भी प्रभावित कर सकती है। पूरी दुनिया में इस रोग की दर तेजी से बढ़ रही है। यह चिंता का विषय है। लोगों में इसे प्रति जागरूकता बढ़ाकर रोग की दर को कम किया जा सकता है। कार्यक्रम में सुशक्ति चैरिटेबल ट्रस्ट से विजय कुमार झा ने कहा कि इस रोग से पीड़ित लोगों के लिए बड़े स्तर पर काम करने की जरूरत है। उनकी आवाज को सशक्त बनाना होगा। साथ ही हमें ऐसे समाज को बढ़ावा देना होगा जो तंत्रिका विविधता को अपनाता है और हर व्यक्ति को आगे बढ़ने की अनुमति देता है।

माचिस देने से मना करने पर युवक की चाकू मारकर हत्या

नई दिल्ली। उत्तरी दिल्ली के तिमारपुर इलाके में माचिस देने से मना करने पर दो किशोरों ने एक युवक की चाकू मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने बताया कि आरोपी किशोरों को पकड़ लिया गया है। चाकूबाजी की यह घटना शनिवार की है। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने पाया कि एक ऑटो-रिक्शा और उसके आसपास काफी खून था। दिल्ली पुलिस के उपायुक्त (उत्तर) एम.के.मीना ने कहा कि पता चला कि घायल को हिंदू राव अस्पताल में स्थानांतरित कर दिया गया था। इसके बाद, पुलिस हिंदू राव अस्पताल पहुंची और मेडिको-लीगल केस (एमएलसी) रिपोर्ट एकत्र की। डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

लोस चुनाव : दिल्ली में 13,500 पोलिंग स्टेशनों पर होगी अतिरिक्त पुलिस की तैनाती

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में लोकसभा चुनाव को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं। दिल्ली में लोकसभा चुनाव में 1.47 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। शहर में पुलिस की सामान्य तैनाती के अलावा हर एक महत्वपूर्ण परिसर में दो हेड कांस्टेबल और केंद्रीय अर्ध-सैन्य बलों की अतिरिक्त तैनाती होगी।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने रविवार को कहा कि चुनाव प्रक्रिया सुचारू रूप से संपन्न हो, इसके लिए पुलिस ने भी तैयारी शुरू कर दी हैं। पुलिस हर जिले में शराब, ड्रग्स और हथियार माफियाओं के खिलाफ कार्रवाई कर रही है।

दिल्ली पुलिस के सूत्रों ने बताया कि उन्होंने विभिन्न पोलिंग स्टेशनों की

■ पोलिंग स्टेशनों की एक लिस्ट चुनाव आयोग को भेज दी

एक लिस्ट चुनाव आयोग को भेज दी है। पूरी दिल्ली में 2,700 स्थानों पर करीब 13 हजार 500 पोलिंग बूथ बनाए जाने की उम्मीद है।

विभिन्न पुलिस जिलों से डेटा इकट्ठा किया। इसमें पता चला कि नई दिल्ली जिले में सबसे कम गंभीर पोलिंग बूथ हैं, इनकी संख्या पांच से भी कम है। इसके विपरीत, दक्षिण-पूर्वी जिले में 53 गंभीर पोलिंग स्टेशनों की पहचान हुई है।

शाहदरा और उत्तर पश्चिम दोनों जिलों ने 146-146 गंभीर बूथों की सूची सौंपी है। इसके अतिरिक्त, बाहरी उत्तर जिले में लगभग 38 गंभीर बूथ होने का अनुमान है। पूर्वोत्तर जिले में लगभग 255 पोलिंग स्टेशन हैं, इनमें से 55 गंभीर श्रेणी में आते हैं।

द्वारका जिले में 250 परिसरों में लगभग 1,200 पोलिंग बूथ स्थापित होने की उम्मीद है, इनमें 50 से अधिक को गंभीर के रूप में चिह्नित किया गया है। गौरतलब है कि ये आंकड़े अस्थाई हैं और अंतिम निर्णय संबंधित जिले के रिटर्निंग अधिकारी लेंगे।

■ 'आप' समर्थकों ने सामूहिक उपवास के दौरान केजरीवाल को जेल में दर्शाती तख्तियां लेकर किया प्रदर्शन।

फोटो इम्तियाज खान

आत्मनिर्भर भारत का लक्ष्य हासिल करने को लाल किले में बनी प्रयोगशाला : राय

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय कला केन्द्र (आईजीएनसीए) के अध्यक्ष रामबहादुर राय ने कहा है कि यहां लालकिले में एक प्रयोगशाला बनी है और वह आत्मनिर्भर भारत और उन्नत भारत तथा प्रधामनंत्री के सपनों का भारत बनेगा, तो यह उसकी एक प्रयोगशाला होगी।

राय ने यह बात केन्द्र के आत्मनिर्भर भारत सेंटर फॉर डिजाइन (एबीसीडी) द्वारा लाल किला परिसर में आयोजित दो दिवसीय 'क्राफ्ट एंड डिजाइन एक्सचेंज फोरम' के समापन सत्र में कही। समापन सत्र के मुख्य अतिथि देश के प्रसिद्ध मूर्तिकार 'पद्मश्री' बिमान बिहारी दास थे। इस अवसर पर आईजीएनसीए के सदस्य सचिव डॉ. सच्चिदानंद जोशी और निदेशक (प्रशासन) डॉ. प्रियंका मिश्रा भी मौजूद थे। गौरतलब है कि एबीसीडी परियोजना का शुभारम्भ प्रधानमंत्री ने दिसंबर, 2023 में किया था।

राय ने अपने सम्बोधन में आगे कहा कि आयोजन स्थल से लाल किले का जितना मनोरम दृश्य दिख रहा है, आत्मनिर्भर भारत का दृश्य भी उतना ही मनोरम होगा। उन्होंने कहा, आत्मनिर्भर भारत के रास्ते में रुकावटें बहुत हैं, लेकिन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक सपना जगाया है और मेरी दृष्टि में सपने का पैदा होना ही जरूरी है। इस संदर्भ में उन्होंने अमेरिका के मार्टिन लूथर किंग जूनियर का उदाहरण दिया, जिन्होंने कहा था- मेरा एक सपना है (आई हैव अ ड्रीम) और यह वाक्य अमेरिका में अफ्रीकी-अमेरिकी नागरिक अधिकारों के संघर्ष का घोष वाक्य बन गया।

उन्होंने कहा, 17वीं-18वीं शताब्दी में भारत की कला बहुत समृद्ध थी। अगर हम ढाका के मलमल को याद करें, तो उसे ढाका के कारीगर बनाते थे और ऐसी हजारों चीजें थीं, जिसे हमारे यहां के कारीगर बनाते थे। उनके लिए दुनिया का बाजार उपलब्ध था। आज परिस्थियां पलट गई हैं। दुनिया के बाजार का माल भारत में खप रहा है और उसका इस्तेमाल हो रहा है।

केजरीवाल ने दिल्ली वालों की खुशी के लिए सबकुछ दांव पर लगाया : आप

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री व आप के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने दिल्लीवालों की खुशी के लिए अपना सबकुछ दांव पर लगा दिया, अब उनके एहसानों और कामों का कर्ज चुकाने की बारी है।

आप के वरिष्ठ नेता डॉ. संदीप पाठक ने केजरीवाल की गिरफ्तारी के खिलाफ यहां जंतर मंतर पर आयोजित सामूहिक उपवास के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए कहा कि अरविंद केजरीवाल ने दिल्ली के एक-एक परिवार का ध्यान रखा है। उन्होंने परिवार में एक अच्छे बेटे और भाई की जिम्मेदारी निभाते हुए आपके बच्चों को अच्छी शिक्षा और आपके अच्छे इलाज की व्यवस्था की। उन्होंने आपके परिवार को सुखी रखने के लिए हर कोशिश की और अपना सबकुछ दांव पर लगा दिया। आज

आपके नेता अरविंद केजरीवाल को इन्होंने जेल में रखा है। आज उनके सारे अहसानों और कामों को कर्ज चुकाने की बारी है। हम सब मिलकर लड़ेंगे और अपनी जिम्मेदारियों का पूरी ईमानदारी के साथ निभाएंगे।

डॉ. पाठक ने एक तरफ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और उनके सारे संसाधन हैं, तो दूसरी तरफ साधारण से कपड़ों और चप्पल पहनें हमारे नेता अरविंद केजरीवाल हैं। हमें किसी संसाधन की जरूरत नहीं है। हम सच्चाई के साथ हैं। हम इस संघर्ष को आगे भी जारी रखेंगे। अगर हिम्मत है तो दिल्ली में राष्ट्रपति शासन लगाकर दिखाएं।

आप के वरिष्ठ नेता और दिल्ली सरकार में कैबिनेट मंत्री सौरभ भारद्वाज ने कहा कि संजय सिंह दिन-रात काम करते हैं। संजय सिंह जब से जेल से बाहर आएं हैं, वापस से काम में लग गए हैं। पहली रात आते ही पार्टी ऑफिस में लंबा-चौड़ा भाषण दिए। दूसरे दिन विभिन्न मीडिया चैनल पर बाइट दी। तीसरे दिन और चौथे दिन मीडिया को इंटरव्यू दिया और आज सामूहिक उपवास में शामिल हुए हैं।

दिल्ली नगर निगम की महापौर डॉ. शैली ओबेरॉय ने कहा कि जिस तरह रावण को अपनी शक्तियों का अहंकार था, उसी तरह केंद्र में बैठी भाजपा को भी यह समझना होगा कि कुर्सी किसी के पास हमेशा के लिए नहीं रहती है। जनता इस तानाशाही का जवाब देगी।

कार्यक्रम *ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज ने की कार्यक्रम की मेजबानी*

चुनौतियों को स्वीकार करने के लिए किया प्रोत्साहित

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। ट्रिनिटी इंस्टीट्यूट ऑफ प्रोफेशनल स्टडीज, द्वारका ने टिप्स परिसर में एक प्रबंधन कार्यक्रम यूआरजेए 2024 की मेजबानी की। इस अवसर पर प्रियंका गोयल, एसडीएम, पश्चिमी दिल्ली उपस्थित थीं। समारोह की शुरुआत अंधेरे पर ज्ञान की विजय के प्रतीक पारंपरिक दीप-प्रज्वलन समारोह के साथ हुई, जिसके बाद मां सरस्वती के आशीर्वाद का आह्वान करते हुए सरस्वती वंदना हुई।

अध्यक्ष, डॉ आर. और सहयोग एवं विकास के हर अवसर का लाभ उठाना। मुख्य अतिथि पश्चिमी दिल्ली की एसडीएम प्रियंका गोयल ने भी प्रेरणादायक भाषण दिए, अपनी बहुमूल्य अंतर्दृष्टि साझा की और चुनौतियों को खुले हाथों से स्वीकार करने के लिए प्रोत्साहित किया। क्योंकि वे महानता की ओर कदम बढ़ाने वाले पत्थर हैं। इस प्रबंधन कार्यक्रम के उद्घाटन में श्रीमती सहित विशिष्ट हस्तियां उपस्थित थीं। प्रियंका गोयल, एसडीएम, पश्चिमी दिल्ली, डॉ. अनुज वक्षा, विकसित भारत प्रतिनिधि,

जीजीएसआईपीयू व और काजल चानना, सीईओ, महिला उद्यमी समूह द्वारका एमओएमएस डॉ. आरके टंडन, चेयरमैन टिप्स की उपस्थिति में।

प्रोफेसर डॉ. आशुतोष अग्रवाल-निदेशक टिप्स, प्रोफेसर डॉ. शशि बाला प्रिंसिपल लॉ टिप्स, प्रोफेसर डॉ. दीपाली सलूजा और डॉ. दीपक त्रिवेदी संयोजक ऊर्जा, और डॉ. सौम्या सिंघल, डॉ. शिखा और डॉ. नेहा अरोड़ा कार्यक्रम संयोजक ऊर्जा 2024। ऊर्जा 2024 में सेक्टर 9 ट्रिनिटी द्वारका परिसर में ऊर्जा के 20 से अधिक कॉलेजों के 100 से अधिक छात्रों की उत्साही भागीदारी देखी गई। इन छात्रों ने इनसाइट इन्वेस्टिगेटर, स्केच आउट, क्वेस्टमास्टर चैलेंज, डिबेटिंग डायनमो, क्रेजी क्रिएटिव हंगामा, फाइनेंशियल फ्रंटियर, सस्टेनेबल प्रोडक्ट डेवलपमेंट, इनोवेंचर ब्लूप्रिंट और जब्बैट सहित विभिन्न विविध प्रतियोगिताओं में प्रतिस्पर्धी भावना के साथ भाग लिया। ऊर्जा के सभी आयोजनों का मूल्यांकन उद्योग जगत के गणमान्य व्यक्तियों द्वारा किया गया।

ईद-उल-फितर पर बंद रहेगी शराब की दुकानें

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। ईद-उल-फितर के दिन दिल्ली की सभी शराब की दुकानें बंद रहेंगी। दिल्ली सरकार ने अप्रैल से जून माह के दौरान शुष्क दिवस की घोषणा की है। इसके अलावा दिल्ली में मतदान के 48 घंटे पहले व मतगणना के दिन शुष्क दिवस मनाया जाएगा।

उत्पाद शुल्क विभाग के एक आदेश में मुताबिक दिल्ली में शराब की दुकानें ईद-उल-फितर (11 अप्रैल), राम नवमी (17 अप्रैल), महावीर जयंती (21 अप्रैल), बुद्ध पूर्णिमा (23 मई) और ईद-उल-जुहा (17 जून) को बंद रहेंगी।

एक अलग अधिसूचना में उत्पाद शुल्क विभाग ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र दिल्ली में विभिन्न प्रकार की शराब की दुकानें और अन्य लाइसेंस प्राप्त परिसर 23 मई की शाम 6 बजे से 25 मई की शाम

तिमाही के लिए जारी हुए ड्राई डे

6 बजे तक (मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले) बंद रहेंगे। इसके अलावा मतगणना के दिन शहर में शराब की दुकानें 4 जून (पूरे दिन) को भी बंद रहेंगी।

हाल ही में जारी एक अधिसूचना में विभाग ने कहा कि बागपत, गाजियाबाद और गौतमबुद्धनगर में लोकसभा चुनाव के कारण 24 अप्रैल की शाम 6 बजे से 26 अप्रैल की शाम 6 बजे तक (मतदान समाप्ति के 48 घंटे पहले) शुष्क दिवस मनाया जाएगा।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

गिरफ्तार अपराधियों में हर्षित चिकारा निवासी ग्राम खानपुर थाना जॉनी जनपद मेरठ व रोहित चौधरी निवासी हरिकुन्ज कालोनी तिवड़ा रोड कस्बा व थाना मोदीनगर जनपद गाजियाबाद हैं। दोनों ही हत्या, लूट जैसे संगीन मामले में शामिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूछताछ में हर्षित चिकारा ने बताया कि वह 10वीं पास है। फिलहाल वह बालाजी एन्कलेव में रहता है।

सच्चिदाननद, एडीसीपी

फर्जी लाइसेंस बनाकर बार संचालित करने वाले मैनेजर समेत चार आरोपी गिरफ्तार

- **आरोपियों के कब्जे से फर्जी लाइसेंस की प्रति व शराब की बोतलें बरामद**
- **आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम समेत कुल चार धाराओं में दर्ज हुआ मुकदमा**

नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। सेक्टर-132 स्थित रेस्तरां के अंदर बार फर्जी लाइसेंस बनाकर बार संचालित कर रहे मैनेजर समेत चार आरोपियों को आबकारी और सेक्टर-126 पुलिस की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार कर लिया। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर संयुक्त कार्रवाई करते हुए टीमों ने छापेमारी की। आरोपियों के कब्जे से कूटरचित फर्जी लाइसेंस, 51 बीयर की बोतल और चार शराब की बोतल बरामद हुई है। बरामद फर्जी ऑकेजनल बार लाइसेंस हूबहू असली जैसा था। इसके बाद जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से रात में ही मिलान होने पर यह जानकारी सामने आई कि ऐसा कोई लाइसेंस जारी नहीं हुआ है। फिर यूपी आबकारी विभाग की साइट पर भी फर्जी बार लाइसेंस का वेरिफिकेशन नहीं हो पाया। आबकारी निरीक्षक शिखा ठाकुर ने सेक्टर-126 पुलिस को दी शिकायत में बताया कि शनिवार रात को वह आबकारी विभाग के अन्य निरीक्षकों और सिपाहियों के साथ जनपद के अलग-अलग हिस्से में भ्रमणशील रहीं। इसी दौरान सेक्टर-132 पुलिस चौकी के पास अन्य पुलिसकर्मी मिले और अवैध शराब की बिक्री की रोकथाम पर चर्चा होने लगी। बातचीत के दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि सेक्टर-132 स्थित बुरांश रेस्टोरेंट में बिना एफएल 11 ऑकेजनल बार लाइसेंस के अवैध रूप से लोगों को शराब परोसी जा रही है। सूचना पर विश्वास करके पुलिस और आबकारी विभाग की टीम संबंधित रेस्टोरेंट के पास पहुंची और योजना के तहत छापेमारी की। जिस समय टीमें अंदर पहुंची रेस्टोरेंट के अंदर बने बार में कई लोग शराब का सेवन कर रहे थे। रेस्टोरेंट का संचालन कर रहे व्यक्ति से जब ऑकेजनल लाइसेंस मांगा गया तो उसने अपना नाम धर्मवीर कुमार बताते हुए लाइसेंस की एक प्रति दिखाई। जब टीम ने जिला आबकारी अधिकारी कार्यालय से लाइसेंस के प्रति की जांच कराई तो सामने आया है कि विभाग की तरफ से ऐसा कोई लाइसेंस जारी नहीं हुआ है। इस लाइसेंस पर लाइसेंसधारी का नाम प्रणव निवासी सेक्टर-39 अंकित था। आगे आबकारी व पुलिस की पूछताछ में धर्मवीर ने बताया कि रेस्तरां के मैनेजर आलोक झा के कहने पर ही बार लाइसेंस के लिए आवेदन किया जाता है। कई बार पैसे बचाने के लिए वह लाइसेंस में छेड़छाड़ कर बगैर फीस जमा किए फर्जी लाइसेंस बनाता है। उन्होंने अपना नाम सोनू निवासी बदरपुर दिल्ली दूसरे ने अपना नाम थांगला नहाऊ चोंगलोई निवासी मणिपुर बताया। फिर पुलिस ने रेस्तरां मैनेजर आलोक झा, धर्मवीर, सोनू, थांगलेनहाऊ को गिरफ्तार किया। बरामद शराब व बीयर के सैंपल के लिए आबकारी विभाग ने नमूने भी लिए। अब तक शहर में बगैर लाइसेंस के रेस्तरां में शराब परोसे जाने के प्रकरण सामने आ रहे थे। फर्जी लाइसेंस तैयार कर बार चलाए जाने का पहला प्रकरण सामने आया है। इसके बाद आबकारी विभाग भी हैरान है।

सभी बार की होगी नियमित जांच

आबकारी निरीक्षक शिखा ठाकुर ने कहा कि इस प्रकार का फर्जीवाड़ा रोकने के लिए नियमित अंतराल पर आबकारी और पुलिस की टीमें छापेमारी करती हैं। अब प्रतिदिन शहर में संचालित बार की जांच होगी। आशंका है कि इस प्रकार का फर्जीवाड़ा व्यापक स्तर पर किया जा रहा है। मुखबिर को भी सक्रिय कर दिया है कि बिना लाइसेंस के चल रहे बार की जानकारी एकत्र करें ताकि संचालकों समेत अन्य पर कार्रवाई की जा सके। गिरफ्त में आए आरोपी बार में शराब को तीन गुना कीमत पर बेचकर मुनाफा कमाते थे। आरोपियों के खिलाफ आबकारी अधिनियम समेत कुल चार धाराओं में केस दर्ज किया गया है।

रविवार से शुरू हुई एलिवेटेड रोड की रिसर्फेसिंग

- **90 दिन में पूरा करना है काम**
- **रिसर्फेसिंग के दौरान यातायात डायवर्ट**

नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। शहर में बने सबसे बड़े और पहली एलिवेटेड रोड की रिसर्फेसिंग का काम रविवार से शुरू हो गया है। ये काम 90 दिनों में पूरा किया जाएगा।

45 दिन में एक तरफ की रिसर्फेसिंग की जाएगी। पहले फेज में सेक्टर 28 से सेक्टर 61 जाने वाले भाग पर रिसर्फेसिंग शुरू हो गई है। इसके दृष्टिगत उक्त अवधि में उक्त एलिवेटेड मार्ग पर समुचित ट्रैफिक संचालन हेतु पुलिस यातायात विभाग द्वारा एडवाइजरी जारी कर दी गई है। यहां सड़क पर लेयर को उतारकर मलबे में बिटुमिन मिलाकर अधिक तापमान करके दोबारा से बिछाया जाएगा। इस तकनीकी को हॉट एंड मिक्स नाम दिया गया है। इससे सड़क की लाइफ बढ़ेगी साथ ही मजबूती भी आएगी। इस काम में 13 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। रिसर्फेसिंग का काम दिन और रात दोनों समय किया जाएगा। ट्रैफिक विभाग के अधिकारियों ने डायवर्जन प्लान जारी कर दिया है। वर्तमान में इस रोड पर कई जगह उखड़ चुकी है। कई जगह एक्सपेंशन ज्वाइंट की स्थित भी खराब है। एलिवेटेड प्रोजेक्ट की बात करें तो विश्व भारती पब्लिक स्कूल से शॉप्रिक्स मॉल सेक्टर-61 तक यह 4.8 किलोमीटर की दूरी में बना है। करीब 480 करोड़ रुपये का भुगतान प्राधिकरण से हुआ है। निर्माण 15 अक्टूबर 2014 को शुरू हुआ था, लेकिन 14 अक्टूबर 2017 डेडलाइन थी। साल 2017-18 में यह एलिवेटेड रोड ट्रैफिक के लिए खोला गया।

साल 2020 में एलिवेटेड रोड के ज्वाइंट एक्सपेंशन में दरार आने पर सेक्टर 31-25 चौराहे के पास से चढ़ने वाले लूप को कई महीने तक बंद रखा गया था। बीते 2 साल में इस सड़क की हालत और खराब हो गई। ऐसे में प्राधिकरण इसकी रिसर्फेसिंग कर रहा है।

सार संक्षेप

बीच सड़क पर कबाड़ से भरे ट्रक में लगी आग

नोएडा। थाना सेक्टर-39 क्षेत्र के अंतर्गत सिटी सेंटर मेट्रो स्टेशन से कुछ दूरी पर रविवार दोपहर को एक हादसा हो गया। कबाड़ से भरा हुआ ट्रक कबाड़ को लेकर जा रहा था, लेकिन जैसे ही वह ट्रक सिटी सेंटर के पास पहुंचा तो अचानक से कबाड़ में आग लग गई। कुछ ही देर में उस कबाड़ में लगी आग में विकराल रूप ले लिया। इतनी देर में चालक ने ट्रक को भी सड़क पर ही छोड़ दिया और जैसे-तैसे कूदकर अपनी जान बचाई। सूचना मिलते ही दमकल विभाग की एक गाड़ी और स्थानीय पुलिस मौके में पहुंच गई और आग पर काबू पाया गया। बीच सड़क पर ट्रक में आग लगने की वजह से चारों तरफ अफरा-तफरी का माहौल हो गया और जाम की स्थिति बन गई। इस दौरान मौके पर लोगों की भारी भीड़ भी जमा हो गई। हालांकि समय रहते दमकल कर्मियों ने आग पर काबू पाया। इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई है हालांकि ट्रक में रखा हुआ कबाड़ जलकर राख हो गया। आग लगने की वजह अभी तक स्पष्ट नहीं हो पाई है।

बैंक कर्मी को दी जान से मारने की धमकी

नोएडा। पत्नी के चचेरे भाई समेत तीन पर करियर बर्बाद करने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए एक व्यक्ति ने एक्सप्रेस वे थाने में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने शिकायतकर्ता की पत्नी समेत तीन आरोपियों को नामजद किया है। शिकायत में मूलरूप से झांसी के रहने वाले सुलभ सोनी ने बताया कि वर्तमान में वह छपरौली गांव में रहकर एयरटेल पेमेंट्स बैंक में काम करता है। शिकायतकर्ता की पत्नी गरिमा सिंह औरैया में सरकारी टीचर है। पांच अप्रैल को रात साढ़े नौ बजे के करीब गरिमा के चचेरे भाई राजेश वर्मा ने शिकायतकर्ता के पास कॉल की और गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी। राजेश ने पूरा परिवार बर्बाद करने की भी धमकी दी। कॉल आने के बाद शिकायतकर्ता का परिवार डर गया। यहीं नहीं शनिवार को गरिमा के पिता सत्यप्रकाश के मोबाइल से पत्नी द्वारा आत्महत्या का असफल प्रयास करने का स्क्रीनशॉट भी शिकायतकर्ता के पास भेजा गया। पुलिस ने राजेश वर्मा, सत्यप्रकाश और गरिमा सिंह के खिलाफ संबंधित धाराओं में केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

अवैध हथियार के साथ शातिर अपराधी गिरफ्तार

नोएडा। लूट, हत्या के साथ ही अन्य संगीन मामले में वांछित चल रहे एक शातिर अपराधी को सेक्टर 20 थाना पुलिस ने रविवार को चेकिंग के दौरान गिरफ्तार किया है। गिरफ्त में आए आरोपी के पास से पुलिस ने एक अवैध तमंचा और जिंदा कारतूस को बरामद किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस की टीम थाना क्षेत्र में गस्त कर रही थी। इस दौरान मिली एक सूचना पर सेक्टर 31 से कादिर निवासी मसूरी गाजियाबाद को गिरफ्तार किया है। थाना प्रभारी ने बताया कि गिरफ्त में आया आरोपी शातिर किस्म का अपराधी है। जो किसी वारदात को अंजाम देने की फिराक में घूम रहा था। गिरफ्त में आए आरोपी के नाम लूट और हत्या सहित कई अन्य संगीन अपराधों के 16 मामले दर्ज पाए गए हैं। गिरफ्त में आया आरोपी कई बार जेल जा चुका है।

छह साल का अनुबंध खत्म होने के बाद भी चल रहा था विज्ञापन

गाजियाबाद, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। छह साल का अनुबंध खत्म होने के बाद भीएक फर्म एडवरटाइजमेंट का काम कर रही थी। मामला संज्ञान में आने पर नगर निगम की विज्ञापन प्रभारी पल्लवी सिंह ने करवाई की है। निगम ने फर्म को ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम को सौंपने के लिए 24 घंटे का समय दिया है। शिव शक्ति नामक इस फर्म को ट्रैफिक कंट्रोल सिस्टम निर्धारित समय के भीतर नहीं सौंपने पर करवाई करने की चेतावनी दी है। हाई कोर्ट की आदेश के क्रम में अवैध विज्ञापन होर्डिंग भी हटा दिए गए।

OFFICE OF GHAZIABAD MUNICIPAL CORPORATION

नोएडा के बायोडायवर्सिटी पार्क को डियर पार्क में बदलने पर किया जा रहा विचार

नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। नोएडा के बायोडायवर्सिटी पार्क का लुक बदलने वाला है। अगर सबकुछ ठीक रहा तो जल्द ही सेक्टर-91 बायोडायवर्सिटी पार्क में आप हिरणों की उछल-कूद देख सकेंगे। यही नहीं हिरणों का पूरा कुनबा यहां होगा। कानपुर जू समेत अन्य जगहों से यह हिरण लाए जाएंगे। नोएडा प्राधिकरण ने बायोडायवर्सिटी पार्क के एक हिस्से में डियर पार्क बनाने पर मंथन शुरू किया है। डियर पार्क किस तरह विकसित किया जा सकता है, इसको लेकर अधिकारियों ने दो पूर्व चीफ फॉरेस्ट कंजरवेटर से राय भी ली है। इसके लिए कितनी जगह चाहिए और किस तरह हिरणों को प्राकृतिक माहौल दिया जा सकता है, यह जानकारी भी ली गई है। नोएडा प्राधिकरण ने सेक्टर-91 में 110 एकड़ में बायोडायवर्सिटी पार्क विकसित किया है। पार्क चार प्राकृतिक भागों के अलावा बायोम में बांटा गया है। इनमें कोही, बांगर, खादर और डाबर हैं। यहां 100 से अधिक प्रजाति के देसी पौधे, 120 से अधिक प्रजाति की जड़ी-बूटी व अन्य प्रकार के पौधे लगाए गए हैं। साथ ही 9 गृह वाटिका और नक्षत्रशालाएं भी बनाई गई हैं।

इसमें गृह और नक्षत्र के हिसाब से पौधे लगाए गए हैं। इसके निर्माण में करीब 37 करोड़ रुपए की लागत आई है। इसके साथ ही पार्क के बराबर में बड़े क्षेत्रफल की जगह भी खाली पड़ी हुई है। डियर पार्क को करीब 35 एकड़ में आकार दिया जा सकता है। इसकी योजना पर विचार शुरू कर दिया गया है। नोएडा प्राधिकरण शहरवासियों को घूमने के लिए एक परफेक्ट लोकेशन तैयार करने की नीति पर काम कर रहा है।

नोएडा प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने की बैठक

नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। नोएडा फेडरेशन ऑफ रेजिडेंट वेलफेयर एसोसिएशन (फोनरवा) ने आरडब्ल्यूए की समस्याओं के समाधान के लिए हॉर्टिकल्चर विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की। इस बैठक में हॉर्टिकल्चर डायरेक्टर महेंद्र प्रकाश, डिप्टी डायरेक्टर (हॉर्टिकल्चर) आनंद मोहन, ज्ञानेंद्र कुमार विभाग के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। बैठक में 30 से अधिक आरडब्ल्यूए के पदाधिकारियों ने भाग लिया ज्यादातर पदाधिकारियों ने पेड़ों में कीड़े लगना, पेड़ों की प्रूनिंग, पार्कों में नए झूले लगाने, जिम लगाने पार्कों एवं ग्रीन बेल्ट में पानी की समस्या आदि की शिकायत की। आनंद मोहन ने हॉर्टिकल्चर विभाग के द्वारा विभिन्न सेक्टरों में किए जा रहे कार्यों कि जानकारी सदस्यों को दी। उन्होंने बताया कि नोएडा प्राधिकरण द्वारा चार टैंकर के द्वारा पेड़ों पर लगे कीड़ों पर विभिन्न सेक्टर में दवा डाली जा रही है। उन्होंने कहा कि जिस आरडब्ल्यूए को उनके सेक्टर में पेड़ों पर कीड़े की समस्या है वह जगत सिंह 7017850526 पर शिकायत दर्ज करें।

उन्होंने आश्वासन दिया की आरडब्ल्यू से प्राप्त संबंधित समस्या जल्दी से जल्दी कार्रवाई की जाएगी। फोनरवा अध्यक्ष एवं योगेन्द्र शर्मा और महासचिव के के जैन ने सभी अधिकारियों से निवेदन किया की आरडब्ल्यूए की समस्याओं का निवासियों के हित में जल्दी-जल्दी समाधान किया जाए।

11 मरीजों के कानों के पर्दे मुफ्त में बनाएंगे डॉ. बीपी त्यागी

गाजियाबाद, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। आरडीसी स्थित हर्ष ईएनटी हॉस्पिटल का 26वां स्थापना दिवस मनाया। आज ही वर्ल्ड हेल्थ डे है जिसका थीम है मेरा स्वास्थ्य मेरा अधिकार। आज से 17 अप्रैल तक 111 कान के पर्दे फ्री में बनाए जाएंगे। डॉ. बी पी त्यागी अपने 8 वे वर्ल्ड रिकॉर्ड की और बढ़ रहे है।

डॉ. बीपी त्यागी ने बताया कि मरीज नेपाल, बंगलादेश व भारत के सभी राज्यो से आएंगे। कुछ मरीज जो दूर से आये हैं उनको कान की हड्डी गलने की बीमारी भी मिली है। ऐसे मरिजो को सुनने वाली हड्डी लगाने के लिए छह महीने बाद फिर बुलाया जाएगा। दिन की शुरूवात हवन से की गई। हवन में डॉ. बी पी त्यागी के बड़े भाई बृजभूषण त्यागी, मिथलेश त्यागी (भाभी), राकेश त्यागी (भाई) व आशा त्यागी (भाभी) व हर्ष ईएनटी परिवार शामिल हुआ। इस सर्जिकल कैम्प में देश के विभिन्न क्षेत्रों से डॉ. भी डॉ. बी पी त्यागी की तकनीक को सीखने पहुंचे। इनमें डॉ. अर्जुन सेनी (वर्धा), डॉ. नितिन चौधरी (गुजरात), डॉ. सागर (वर्धा), डॉ. तन्मय (बिलासपुर), डॉ. राजेश (बिलासपुर), डॉ. एकता (मेरठ) से आये है। कैम्प में सभी मरिजो के ऑपरेशन की तकनीक अलग अलग है। सभी मरिजो के कान के पर्दे दूरबीन विधि से बिना चीरे बनाये जाएंगे।

मुठभेड़ में दो अपराधी गिरफ्तार

गाजियाबाद, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। क्राईम ब्रॉन्च पुलिस ने रविवार को मुठभेड़ में दो शातिर अपराधियों को गिरफ्तार किया है। जिनके कब्जे से अवैध 1 पिस्टल .32 बोर मय जिन्दा व खोखा कारतूस .32 बोर व 1 तमंचा .315 बोर नाजायज मय जिन्दा कारतूस .315 बोर बरामद हुए है। एडीसीपी सच्चिदाननद ने बताया कि गिरफ्तार अपराधियों में हर्षित चिकारा निवासी ग्राम खानपुर थाना जॉनी जनपद मेरठ व रोहित चौधरी निवासी हरिकुन्ज कालोनी तिवड़ा रोड कस्बा व थाना मोदीनगर जनपद गाजियाबाद हैं। दोनों ही हत्या, लूट जैसे संगीन मामले में शामिल रहे हैं। उन्होंने बताया कि पूछताछ में हर्षित चिकारा ने बताया कि वह 10वीं पास है। फिलहाल वह बालाजी एन्कलेव में रहता है। वह नोएडा में मोटर साइकिल के पार्टस बनाने वाली एक कंपनी में सुपरवाइजर के पद पर काम करता था। वर्ष 2019 में उसके खिलाफ थाना मोदीनगर में बलात्कार का मुकदमा लिखा था। जिस मुकदमे में वह वर्ष 2019 में जेल गया था और करीब ढाई वर्ष जेल में रहा था। जेल में उसकी मुलाकात कुख्यात अपराधी अंकुश उर्फ अंकुर पुत्र धर्मेन्द्र निवासी ग्राम मुकिमपुर की मंढिया थाना भोजपुर जनपद गाजियाबाद से हुई थी। जिसके विरूद्ध हत्या, हत्या के प्रयास, लूट आदि के करीब दो दर्जन अभियोग पंजीकृत हैं। अंकुश वर्तमान समय में अपने ही गांव के नरेश के मर्डर में जेल में हैं। जिसमें उसकी गवाही चल रही थी, अंकुश के आपराधिक कृत्यो को देखते हुए उसे डासना जेल गाजियाबाद से सन्तकबीर नगर की जेल में भेज दिया गया था। मेरे जेल से बाहर आने के बाद भी जब भी अंकुश कोर्ट में पेशी पर आता था तो मैं व मेरा साथी रोहित चौधरी कचहरी में अंकुश से मुलाकात करने जाते थे। अंकुश ने हमको बताया था कि हत्या के मकदमें में गवाही उसके खिलाफ हो चुकी हैं जिनमें उसको सजा होने वाली हैं। उसने हम दोनो को उसकी अगली पेशी पर उसे पुलिस कस्टडी से फरार कराने की योजना बनाकर आना के लिए कहा था और अभी 3 दिन पहले वह गाजियाबाद कोर्ट में पेशी पर आया था हम दोनो उससे कोर्ट में मिलने गए थे और अगली पेशी में उसे फरार करवाने की बात कही थी। हम लोगो ने हमसे बरामद हथियारो को भी इसी योजना के लिए इकट्ठा किया था।

भारी मात्रा में हथियार बरामद

फर्नीचर कारोबारी के 40 लाख हड़पने के मामले में दो पर मामला दर्ज

नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। फर्नीचर कारोबारी के 40 लाख रुपए हड़पने के मामले में दो आरोपियों के खिलाफ सेक्टर-24 थाने में केस दर्ज हुआ है। केस पुलिस कमिश्नर के आदेश पर दर्ज हुआ है। दिल्ली के सरोजनी नगर निवासी सुरजीत कुमार ने बताया कि वह मोरना गांव में टेंट एवं फर्नीचर का कार्य कर रहे हैं। सेक्टर-61 स्थित मानसरोवर अपार्टमेंट निवासी हरवीर यादव ने वर्ष 2013 में सर्फाबाद गांव में जमीन खरीदकर फ्लैट बनाने शुरू किए। उस दौरान हरवीर यादव ने फ्लैट बनाने के लिए रुपए उधार मांगे। शिकायतकर्ता का दावा है कि उन्होंने विश्वास होने के चलते वर्ष 2014 में 40 लाख रुपए उधार दे दिए। तय समय पर जब हरवीर ने पैसे वापस नहीं किए तो शिकायतकर्ता ने इसके लिए टोकना शुरू कर दिया। कई बार टरकाने के बाद जब शिकायतकर्ता ने मामले की शिकायत पुलिस से करने को कहा तो हरवीर यादव ने एक फ्लैट खरीदने का प्रस्ताव रख दिया। उसकी बातों में आकर शिकायतकर्ता ने 2021 में एक फ्लैट 18 लाख रुपए में खरीद लिया और जिसकी रजिस्ट्री हरवीर यादव ने कर दी। हरवीर ने बाकी के 22 लाख रुपए भी जल्द देने का झांसा दिया। कुछ दिन बाद जांच के दौरान शिकायतकर्ता को पता चला कि हरवीर यादव ने उसके फ्लैट की रजिस्ट्री धोखाधड़ी से फर्जी दस्तावेज तैयार कर दिल्ली कोंडली के यूसुफ को कर दी है। पीड़ित ने पुलिस में शिकायत की तो आरोपी ने 5-5 लाख रुपए के आठ चेक दिए। सभी चेक बैंक में बाउंस हो गए। इसका विरोध करने पर आरोपी ने शिकायतकर्ता को जान से मारने की धमकी दी।

चुनाव आचार संहिता में व्यापारियों का न हो उत्पीड़न : कुच्छल

नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। चुनाव में आचार संहिता लगता है। यह अच्छी बात है। पर, यह उतना ही जरूरी है कि व्यापार जिस तरीके से चलता है, वह प्रभावित न हो, चलता रहे। वैसे, व्यापार दिन-रात बारह महीने चलते रहता है। ऐसे में चुनाव के बीच व्यापारियों द्वारा भेजे गए माल की जांच- पड़ताल के नाम पर उन्हें उत्पीड़न नहीं करना चाहिए। उपरोक्त बातें उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल, नोएडा के अध्यक्ष नरेश कुच्छल ने एक वक्तव्य में कही है।

व्यापारियों के निजी वाहन चुनाव में न हो इस्तेमाल

उन्होंने कहा कि शहर के व्यापारी शहर से बाहर विभिन्न क्षेत्रों, गांवों, देहातों अथवा आदिवासी इलाकों की दुकानों में माल भेजते रहते हैं। समय-समय पर अपने पैसे की वसूली भी करते हैं। इससे काफी बड़ी रकम उनके पास जमा रहती है। इसी प्रकार सोना-चांदी के व्यापारी व अन्य सामानों के व्यापारी अपनी गाड़ियों में माल भरकर गांव-गांव बेचते हैं। सामान के पैसे जमा करते हैं। इस तरह से व्यापारियों के पास बहुत सारा पैसा और सोना-चांदी आभूषण आदि व्यापार संबंधित रहते हैं। इसी के साथ ग्रामीण क्षेत्र से बहुत से लोग नकद पैसे लेकर शहर में खरीदारी करने आते हैं। चुनाव में भ्रष्टाचार ना हो, पैसे से चुनाव प्रभावित न हो, इन सभी बातों को ध्यान में रखते हुए चुनाव आयोग दिशा-निर्देश देता रहता है। लेकिन अर्थव्यवस्था चलाने के लिए व्यापारियों को नकद, सोने चांदी के आभूषण आदि लेकर यात्रा करना अनिवार्य है, तो दूसरी तरफ पैसे का चुनाव में दुरुपयोग ना हो यह भी सुनिश्चित करना जरूरी है।

कुच्छल ने कहा कि कैश ट्रांजैक्शन के मामले में सिर्फ राजनीतिक से संबंधित व्यक्तियों के ही धन की जांच की जाए, व्यापारिक गतिविधियों में इस्तेमाल होने वाले धन को इससे मुक्त रखा जाए। साथ ही व्यापारियों के निजी वाहनों को चुनाव में इस्तेमाल के लिए ना बुलाया जाए, क्योंकि व्यापारी अपने व्यापार व परिवार के इस्तेमाल के लिए गाड़ी रखता है। उन्होंने कहा कि अधिकांश व्यापारियों के पास ड्राइवर नहीं है। अधिकांश तौर पर अकेला व्यक्ति काम करने वाला है। दुकान या उद्योग बंद कर कर चुनाव लड़ाने नहीं जा सकता। अधिकांश व्यापारियों के घर में बीमार हुए बुजुर्ग व्यक्ति मौजूद है जिनकी देखभाल में भाग दौड़ के लिए गाड़ी का घर में होना आवश्यक है।

वाटर पार्क आए दिल्ली के युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत

नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। सेक्टर-38ए स्थित वाटर पार्क में रविवार दोपहर दोस्तों संग आए दिल्ली के एक युवक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। मौत के कारणों को जानने के लिए पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मृतक युवक के परिजनों को भी हादसे की जानकारी दे दी गई है। पुलिस वाटर पार्क प्रबंधन से युवक की मौत को लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस के मुताबिक दिल्ली के आदर्शनगर का 25 वर्षीय धनंजय माहेश्वरी रविवार सुबह अपने दोस्तों अंशुल गुप्ता, राघव गुप्ता, सागर गुप्ता और पीयूष लांबा के साथ जीआईपी स्थित एंटरटेनमेंट सिटी वाटर पार्क में आया था। वह घर से 11 बजे के करीब निकला और साढ़े 12 बजे नोएडा पहुंचा। वाटर पार्क में धनंजय और उसके चार अन्य साथी कॉस्टयूम लेने के बाद सीधे स्लाइडिंग पर पहुंचे। पांचों ने एक-एक करके स्लाइडिंग शुरू कर दी। जैसे ही धनंजय स्लाइडिंग करके नीचे आया उसे सांस लेने में परेशानी होने लगी। वाटर पार्क में लगे सुरक्षाकर्मियों के द्वारा इसकी सूचना अपने उच्च अधिकारियों को दी गई। मामले की गंभीरता को देखते हुए जीआईपी माल प्रबंधन ने एंबुलेंस से धनंजय माहेश्वरी को नजदीक के अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों ने युवक को देखते ही मृत घोषित कर दिया। घटनास्थल पर मौजूद लोगों ने बताया कि सांस में दिक्कत होने पर धनंजय जमीन पर आकर बैठ गया। यह देख दोस्तों के हाथ-पैर फूल गए। किसी तरह दोस्त उसे अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां चिकित्सकों उसे मृत घोषित कर दिया।

क्षत्रिय समाज की अनदेखी करने वालों पर होगी वोट की चोट : अशोक चौहान

नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। राजपूत पृथ्वीराज चौहान भवन सेक्टर-62 नोएडा के राजपूत समाज के द्वारा एक मीटिंग का आयोजन किया गया। जिसमें समाज ने मिलकर एक तरफा वोट करने का निश्चय किया और आने वाली 14 अप्रैल दिन रविवार को क्षत्रिय महापंचायत करने का निर्णय लिया गया है। जिसमें समस्त राजपूत बड़ा फैसला लेकर सरकार को अपनी ताकत का एहसास कराएगा। जिसमें आज श्री राजपूत करणी सेना प्रदेश महासचिव ने खुलकर साफ शब्दो में कहा अबकी बार नोएडा का परिणाम बदल कर ही मानेंगे। वहीं किसान नेता अशोक चौहान ने कहा इस बार राजपूत समाज को अनदेखा किया गया उसका जबाब वोट की चोट करके दिया जाएगा। आशीष चौहान किसान नेता ने कहा रोजगार पर बात नहीं शिक्षा पर कोई बात नहीं महंगाई पर कोई बात नहीं किसानों के साथ अन्याय हो रहा है। इस बार विकास करने वाले व जनता से संवाद करने वाले प्रत्याशी और राजनीतिक दल को वोट करेंगे।

इस मीटिंग में जगुराज चौहान, प्रताप चौहान, किसान नेता सुधीर चौहान, मुक्ता सिंह, सुरेंद्र प्रधान, पी एस भाटी, पी एस सोलंकी, मास्टर राजेंद्र चौहान, अनिल चौहान, धीरज ठाकुर प्रदेश अध्यक्ष करणी सेना मौजूद रहे।

कैपिटल ज़ोन

उवाच

विद्यार्थी अपने जीवन का लक्ष्य अपनी योग्यता के अनुसार तय करें न कि इच्छा के अनुसार, अपने जीवन में दोस्त, माता पिता, गुरु के रुप में किसी न किसी को अपना मार्गदर्शक बनायें जो आपके अंदर चल रही चिंता एवं द्वंद की स्थिति में आपको सुझाव दे सके।

डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, संस्थान चेयरमैन

ग्रेनो वेस्ट की समस्याओं को लेकर विभिन्न सोसाइटी के निवासी हुए एकजुट

- प्राधिकरण के सामने रखेंगे लोगों की समस्याएं
- शिक्षण संस्थानों में बढ़ती फीस व गिरते शिक्षा के स्तर पर हुई चर्चा

ग्रेटर नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। नेफोवा कार्यालय पर स्थानीय निवासियों की बैठक हुई, जिसमें रजिस्ट्री, मेट्रो, सफाई, नाली, स्ट्रीट लाइट समेत तमाम मुद्दों पर चर्चा हुई और समाधान के लिए उपलब्ध संसाधन के साथ आगे बढ़ाने का निर्णय लिया गया। इसके साथ ही बढ़ती स्कूल फीस और गिरते शिक्षा स्तर पर भी विभिन्न अधिकारियों से मिलने का निर्णय लिया गया। नेफोवा अध्यक्ष अभिषेक कुमार ने सदस्यों से

आह्वान किया कि वह आज पास की सड़क, बिजली, नाली, स्ट्रीट लाइट हॉर्टिकल्चर इत्यादि समस्याओं की तस्वीर लेकर नियमित रूप से प्राधिकरण अधिकारियों को भेजें। जिम्मेदार अधिकारियों से भी नियमित मिलने का निर्णय लिया गया। बढ़ते यातायात की समस्या को लेकर भी जल्द यातायात प्रभारी से मिलकर समाधान पर चर्चा की जाएगी। स्कूल फीस सहित अभिभावकों द्वारा उठाए गए अन्य मुद्दे जैसे यूनिफॉर्म, किताब, स्कूल में बच्चों की सुरक्षा इत्यादि विषयों पर जिला शिक्षा अधिकारी और बेसिक शिक्षा अधिकारी से मिलकर समाधान पर बात करने का निर्णय हुआ। बैठक में आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और उनकी बढ़ती आक्रामकता पर चिंता व्यक्त करते हुए इसके समाधान हेतु संभावनाएं तलाशने के लिए एक कमिटी बनने का निर्णय लिया गया। रजिस्ट्री और पजेशन के मुद्दे पर हालिया समाचारों और प्राधिकरण के रवैये के बाद, हर सोसायटी में जाकर नेफोवा टीम घर खरीदारों को जागरूक करने के साथ उन्हें बल प्रदान करने की कोशिश करेगी। साथ ही संगठित होकर इस जटिल मुद्दे को सुलझाने में और भी उपलब्ध रास्ते तलाश कर सुलझाने की कोशिश करेगी। बैठक में सौरभ शुक्ला, जोगिंदर सिंह, चंदन सिन्हा, रोहित मिश्रा, अमित सिंह, आए सी भट्ट, सी वी सिंह, पवन चौधरी, नीरज श्रीवास्तव, डी. के. सिन्हा, अनुराग सिंह सहित कई गणमान्य निवासी अजनारा होम्स, इको विलेज 1,2,3, निराला एस्टेट इत्यादि सोसायटियों से उपस्थित रहे।

कोरोना काल में ली गई फीस के 15 प्रतिशत वापसी को लेकर भटक रहे हैं अभिभावक

- अभिभावकों ने जिलाधिकारी से 15 प्रतिशत फीस मुद्दे पर मुलाकात कर दिया ज्ञापन

ग्रेटर नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। कोरोना काल में बहुत से अभिभावक बच्चों का बहुत ही परेशानी में जमा किया था, अभिभावकों की समस्या को देखते हुए इलाहाबाद हाईकोर्ट ने यूपी सरकार ने कोरोना काल (2020-21) में ली गई फीस का 15 प्रतिशत लौटाने या समायोजित करने का आदेश जारी किया था। सुखपाल सिंह तूर, शिक्षा कार्यकर्ता व अभिभावक ने बताया के जिले के ज्यादातर स्कूल अभी भी 15 प्रतिशत फीस के मुद्दे पर अपनी मनमानी कर रहे है। इस पर हजारों की संख्या में जिलाधिकारी, डीआईओएस व जनप्रतिनिधियों को टैग करके ट्वीट किए गए। प्रदर्शन भी किया गया, लेकिन इसके बावजूद स्कूल कोई न कोई बहाना बना कर टालमटोल कर रहें है। जिले के अभिभावक स्कूलों के ऐसे उदासीन रविये और अधिकारियों व जनप्रतिनिधियों की चुप्पी से अपने आप को लावारिस महसूस कर रहे है। अभिष्ट गुप्ता, समाजसेवी व अभिभावक ने बताया के इसके लिए प्राइवेट स्कूल सुप्रीम कोर्ट भी गए थे, लेकिन वहां पर भी कोई राहत नहीं मिली थी। मात्र फीस वापसी मुद्दे पर अंतरिम राहत मिली हुई है।

जिलाधिकारी कार्यालय ने इसी संदर्भ में 100 स्कूलों पर 1-1 लाख का जुर्माना लगाया था। इसके बाद सीबीएसई को पत्र लिखा गया। यहां तक के एनओसी, मान्यता रद्द करने की बात की गई, लेकिन स्कूल अपनी मनमानी करने के इरादों से टस से मस नहीं हुए। आम धारणा ये बनी हुई है कि डीआईओएस कार्यालय, नोटिस नोटिस का खेल कर महज खानापूर्ति कर रहे हैं। एक अनुमान मुताबिक प्राइवेट स्कूलों को लगभग 200 करोड़ की फीस वापस या समयोजित करनी है। जिलाधिकारी ने आश्वासन दिया के इसपर जल्दी ठोस कार्रवाई होगी। उन्होंने तुरंत डीआईओएस को आदेश दिया कि इस पर जल्दी स्कूलों व शिकायतकर्ता अभिभावकों के साथ बैठक करके 15 प्रतिशत फीस समायोजित करवाई जाए। अभिष्ट गुप्ता, सुखपाल तूर, सचिन गुप्ता, सुभाष खट्टर व सोनू यादव इस बैठक में मौजूद रहे।

स्कूलों में फीस वृद्धि व किताबों के बढ़ते दाम के खिलाफ आंदोलन करेगा सामाजिक संगठन

ग्रेटर नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। सामाजिक संगठन करप्शन फ्री इंडिया संगठन की बैठक कासना स्थित कुलबीर भाटी के कार्यालय पर हुई, जिसमें संगठन का विस्तार व स्कूलों में फीस वृद्धि व किताबो के बढ़ते मूल्यों के खिलाफ आंदोलन की रणनीति तैयार की गई। करप्शन फ्री इंडिया संगठन के संस्थापक चौधरी प्रवीण भारतीय व मास्टर दिनेश नागर ने बताया कि स्कूलों में नया सत्र शुरू होते ही शासन के आदेश के बावजूद भी प्राइवेट स्कूलों ने फीस व किताबों में बहुत ज्यादा वृद्धि की जिससे अभिभावकों में रोष व्याप्त है। जिसके लिए करप्शन फ्री इंडिया संगठन अभिभावकों की लड़ाई लड़ेगा। प्रवीण भारतीय ने बताया कि फीस वृद्धि से आम लोगों को भारी समस्याओं का सामना करना पड़ रहा है, जिसके लिए जिलाधिकारी कार्यालय पर करप्शन फ्री इंडिया संगठन बड़ा आंदोलन अगले सप्ताह करेगा, जिसमें जिलाधिकारी मनीष वर्मा से स्कूलों की मनमानी के खिलाफ कार्रवाई तथा फीस वृद्धि को वापस लेने की मांग करेगा। दिनेश नागर ने बताया कि संगठन रविवार को संगठन का विस्तार करते हुए तालड़ा गांव निवासी रोहित नागर, मोहित नागर तथा दीक्षांत सहित दर्जनों लोगों को संगठन की सदस्यता दिलाई गई। इस दौरान दिनेश मास्टर, प्रेम प्रधान, श्रीचंद भाटी, राकेश नागर, कुलबीर भाटी, गौरव भाटी, यतेंद्र नागर, हरीश भाटी, श्रवण नागर, पिंटू मास्टर, रोहतास नागर, पवन आदि लोग उपस्थित रहे।

नववर्ष उत्सव में हनुमंत कथा के साथ चित्रकला व मेंहदी प्रतियोगिता आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। भारत नवनिर्माण ट्रस्ट के अन्तर्गत, भारतीय पर्व आयोजन समिति के तत्वावधान में नव वर्ष उत्सव उमंग 2081 के दूसरे दिन कथा व्यास अरविंद भाई ओझा ने हनुमंत कथा के शुभारंभ के साथ चित्रकला व मेंहदी प्रतियोगिता हुई। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में पहुंचे जे.पी. तिवारी जेलर जिला कारागार गौतमबुधनगर ने व्यासपीठ से आशीर्वाद प्राप्त किया। व्यासपीठ ने हनुमंत कथा का बहुत ही सुंदर वर्णन किया। उन्होंने हनुमानजी की महिला को बताते हुए उनके अतुलित बल का व्याख्यान किया। भारतीय नव वर्ष उत्सव की जानकारी देते हुए विवेक कुमार ने बताया दूसरे दिन चित्रकला व मेंहदी प्रतियोगिता में लगभग 80 बच्चों ने भाग लिया। चित्रकला में नैना वर्मा प्रथम स्थान, गोरमा बांचू द्वितीय स्थान व अर्शिया महाजन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। मेंहदी प्रतियोगिता में आरती गुप्ता प्रथम स्थान, प्रियांशी अग्रवाल द्वितीय स्थान व किरण तृतीय स्थान पर रही। कार्यक्रम में नरेश गुप्ता, सत्यप्रकाश अग्रवाल, विवेक कुमार, सौरभ बंसल, मुकुल गोयल, विवेक अरोड़ा, संजीव सालवान, बीरपाल, जे.एस. त्यागी, ब्रिगेडियर भूटानी, राजेंद्र गुरवार, शुभम् मांगलिक, मीनाक्षी माहेश्वरी, वंदना सिंह, किरण मिश्रा, सीमा सिंह, माया, सरोज अरोरा, संतोष, सिमरन, दुर्गेश्वरी, गुड्डी तोमर, संगीता सक्सेना, बीना अरोरा, विनीता शर्मा, ज्योति सिंह, रीना गुप्ता, कांतिपाल, नेहा आदि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

उधारी के रुपए मांगने पर डंडों से पीटकर किया घायल, चार पर मुकदमा दर्ज

दनकौर, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। दनकौर रेलवे स्टेशन के पास उधारी के रुपए मांगने पर एक युवक को चार लोगों ने डंडों से पीटकर घायल कर दिया। जिसका पास के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है। इस संबंध में पीड़ित ने आरोपियों को नामजद करते हुए कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। कासना कोतवाली क्षेत्र के जमालपुर गांव निवासी मुकुल मावी ने पुलिस को दी शिकायत में कहा है कि दनकौर क्षेत्र के देवटा गांव निवासी राहुल नाम के युवक ने उनसे कुछ महीने पहले उधारी के रुपए लिए थे। पीड़ित का कहना है कि आरोपी उनको नहीं दे रहा था। शनिवार को जब पीड़ित ने आरोपी से रुपए मांगे तो उसने धोखे से उसको देने के बहाने रेलवे स्टेशन के पास बुला लिया। इस दौरान आरोपी ने अपने तीन अन्य साथियों के साथ पीड़ित को डंडों से पीटकर घायल कर दिया। बाद में आसपास के लोगों को आता देख आरोपी पीड़ित को जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गया। घायल अवस्था में पीड़ित को परिवार के लोगों ने अस्पताल में भर्ती कराया। इस मामले में पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी राहुल, विशाल, मनीष और अंकित के खिलाफकेस दर्ज किया है। कोतवाली प्रभारी दनकौर संजय सिंह का कहना है फरार आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जाएगा।

पुराछात्र मिलन कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने अनुभव किया साझा

ग्रेटर नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। जीएनआईओटी एमबीए संस्थान द्वारा एलुमनाई मीट 'अनुबंध-2024' का आयोजन किया गया, जहां सौ से अधिक पूर्व छात्रों ने कार्यक्रम में शिरकत की, जिसमें शामिल हुए पुराने छात्रों ने अपनी यादें ताजा की। रेडिसन ब्लू होटल, नौएडा में आयोजित इस कार्यक्रम का उद्घाटन संस्थान के अध्यक्ष डॉ. राजेश कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष गौरव गुप्ता, सीईओ स्वदेश कुमार सिंह तथा संस्थान के निदेशक डॉ. अंशुल शर्मा ने मां सरस्वती की प्रतिमा पर फूल माला अर्पित कर किया। इस दौरान पूरातन छात्रों ने अपने पुराने दिनों को याद करते हुए अपनी कामयाबी की कहानी सुनाई तथा कुछ मनोरंजक खेलों का आनन्द लिए एवं गीत-संगीत, शेरो शायरी और किस्सों में हंसी के ठहाके लगाए। संस्थान के निदेशक, डॉ. अंशुल शर्मा ने सभी का स्वागत किया और कहा कि नवोदय की दुनिया और बाहर की दुनिया में बहुत अंतर है, जीवन मे संघर्ष लाजिमी है। संस्थान के चेयरमैन डॉ. राजेश कुमार गुप्ता ने अपने सम्बोधन में कहा कि विद्यार्थी अपने जीवन का लक्ष्य अपनी योग्यता के अनुसार तय करें न कि इच्छा के अनुसार, अपने जीवन में दोस्त, माता पिता, गुरु के रुप में किसी न किसी को अपना मार्गदर्शक बनायें जो आपके अंदर चल रही चिंता एवं द्वंद की स्थिति में आपको सुझाव दे सके। इस अवसर पर जीएनआईओटी ग्रुप के विभिन्न संस्थानों के निदेशक, डीन, विभागाध्यक्ष एवं सभी शिक्षकगण उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री के नेतृत्व में देश आगे बढ़ रहा, हमारी विचारधारा राष्ट्रवादी : चौ. भूपेन्द्र

ग्रेटर नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। गौतमबुद्ध नगर लोकसभा के दादरी विधानसभा में भारतीय जनता पार्टी का बूथ सम्मेलन आर. वी. नॉर्थलैंड इंटरनेशनल स्कूल चिट्ठेडा में हुआ, जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह शामिल हुए।

इस अवसर पर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेन्द्र सिंह ने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता बूथ अध्यक्ष बूथ पर टोली बनाकर प्रचार करे पार्टी प्रत्याशी डॉक्टर महेश शर्मा को पहले से और अधिक मतों से विजयी बनाने का संकल्प लेते हुए अपने बूथ को जितना है तीन दिन विशेष बूथ जीत अभियान चलाकर घर घर मतदान पर्ची बाटना सरकार की उपलब्धियों को बताना है। उन्होंने कहा कि आज देश का सम्मान विदेशों में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में बढ़ा और कहा कि हमारी पार्टी की विचारधारा राष्ट्रवादी विचारधारा है, हमारी विचारधारा 1925 में आयी और उसको गति 1950 को मिली और हमारे संकल्प राष्ट्र हित, धारा 370 हटाना, अयोध्या में राम मंदिर बने, आज देश धारा 370 हटी अयोध्या में भव्य भगवान राम मंदिर का निर्माण हुआ है ये सब जनता के वोट की ताकत से सम्भव हो पाया है हमारे भाजपा के प्रेरणा श्रोत महापुरषों ने देश के हर वर्ग के साथ देश का उत्थान हो उसका सपना देखा आज हमारी सरकारों में अंतिम पायदान के व्यक्ति तक विकास कार्य हो रहें है। आज देश में प्रत्येक सेक्टर में विकास हो रहा है।

आज शिक्षा के क्षेत्र में विश्वविद्यालय बन रहे हैं, आज प्रदेश सरकार प्रत्येक जिले में विश्व विद्यालय बना रही है। आज देश में जगह जगह एयरपोर्ट, एम्स हॉस्पिटल बन रहे आज भारत आत्मनिर्भर भारत बनकर विकसित भारत और विश्व गुरु बनने की और आगे बढ़ रहा है। भाजपा प्रत्याशी पूर्व केंद्रीय मंत्री सांसद डॉक्टर महेश शर्मा ने कहा कि देवतुल्य जनता जनार्दन का आशीर्वाद और देवतुल्य कार्यकर्ता के बल एक बार फिर मोदी सरकार बनेगी। इस अवसर पर क्षेत्रीय अध्यक्ष सत्येन्द्र शिसोदिया, दादरी विधायक तेजपाल नागर, एमएलसी नरेन्द्र भाटी सहित भाजपा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन

जेवर। कस्बे के टप्पल रोड स्थित साईं फार्म हाउस में रविवार को भाजपा ने बूथ अध्यक्ष सम्मेलन का आयोजन किया। जिसमें मुख्य अतिथि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी रहे। उन्होंने कार्यकर्ताओं व सभी बूथ अध्यक्षो से लोकसभा प्रत्याशी डॉ. महेश शर्मा को प्रत्येक बूथ स्तर पर भारी बहुमत से जीतने के लिए कड़ी मेहनत करने की अपील की तथा आगामी कार्यक्रम की रुपरेखा भी बताई। विधायक धीरेंद्र सिंह ने कार्यकर्ताओ को संबोधित करते हुए कहा कि डॉ. महेश शर्मा को भारी मतो से जिताने की अपील की। इस मौके पर लोकसभा प्रभारी प्रणीत भाटी, विधानसभा प्रभारी सतीश शर्मा, अरविंद ठाकुर, कुलभूषण शर्मा, संजय रावत, अशोक शर्मा, रोहित ठाकुर, देवेंद्र भारद्वाज, विकास चौधरी, सरफराज अली, योगेश चौधरी, संजीव शर्मा, धर्मेंद्र अग्रवाल, सतपाल तालान, रवेंद्र शर्मा उर्फबॉबी, जैकी, भास्कर, ललित, मनोज, अशोक वर्मा आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे।

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उत्तर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा
कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/
नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

किशोरी को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप, रिपोर्ट दर्ज

जेवर, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने अपनी नाबालिक पुत्री को बहला फुसलाकर ले जाने का आरोप लगाते हुए पुलिस से शिकायत की है। पीड़ित की शिकायत पर पुलिस ने आरोपित के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी की तलाश शुरू कर दी है।

पीड़ित व्यक्ति ने पुलिस से शिकायत करते हुए बताया कि 27 मार्च 2024 को उसकी 15वर्षीय नाबालिक पुत्री अचानक ही गायब हो गई। रिश्तेदारी व अन्य स्थानों पर काफी तलाश करने पर भी उसका कोई सुराग नहीं लगा। उसके बाद पीड़ित पिता को जानकारी हुई की उसकी पुत्री को अलीगढ़ जिला के टप्पल थाना क्षेत्र के गांव हजियापुर डेरी का रहने वाला सत्यपाल बहला फुसलाकर ले गया है। पीडिता की शिकायत पर पुलिस ने शनिवार को रिपोर्ट दर्ज कर किशोरी व आरोपित की तलाश शुरू कर दी है।

मतदाताओं को जागरुक करने लिए चला अभियान

- नुक्कड़ नाटक के साथ ग्रामीण महिलाओं ने जागरुकता अभियान में बढ़ाया उत्साह

ग्रेटर नोएडा, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। स्वीप कार्यक्रम के प्रभारी अधिकारी मुख्य विकास अधिकारी जनार्दन सिंह व सहायक प्रभारी अधिकारी जिला समाज कल्याण अधिकारी शैलेंद्र बहादुर सिंह एवं उनकी टीम ने मतदाताओं को जागरूक करने के विधानसभा नोएडा एवं दादरी में विभिन्न जागरूकता अभियान चलाया। स्वीप कार्यक्रम के तहत रविवार को गौर सिटी मॉल ग्रेटर नोएडा वेस्ट दादरी में सफायर इंटरनेशनल स्कूल के थिएटर आर्टिस्ट एवं स्कूल के 70 बच्चों के द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आगामी लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को वोट देने के लिए जागरूक किया गया।

इस अवसर पर जिला स्वीप कोऑर्डिनेटर डॉ. शालिनी सिंह, वंदना यादव, गीता भाटी, अर्चना शिरोमणि, इंदु गुर्जर, रति एवं हिमांशु उपस्थिति रहे। कैलाशपुर गांव दादरी में स्वीप कॉर्डिनेटर वन्दना यादव, शालिनी सिंह व गीता भाटी के नेतृत्व में महिलाओं द्वारा समाज में अपनी वोट की ताकत को पहचान कर इस संदेश के साथ रैली निकाली गई कि सभी को एकजुट होकर मतदान का प्रयोग अवश्य करना चाहिए। उन्होंने महिला शक्ति जिंदाबाद, मिलकर करें सभी मतदान एवं नर हो या नारी सभी को देश के हित के लिए वोट अवश्य देना चाहिए आदि स्लोगन के माध्यम से महिलाओं को मतदान के प्रेरित किया। स्वीप कॉर्डिनेटर गीता भाटी ने नारी शक्ति जिंदाबाद, वोट करना हमारा अधिकार' के माध्यम से ग्राम बागपुर दादरी में महिला नारी शक्ति का आगाज देते हुए ढोल नगाड़ों के साथ पूरे जोश उत्साह के साथ सभी महिलाओं को वोट के अधिकार व वोट की महत्वता को समझाते हुए उन्हें वोट देने के लिए जागरूक किया एवं यूनीटेक हैबिटेट सोसाइटी दादरी में आर डब्लू ए मीटिंग के दौरान लोगों को स्टीकर बांटे गये एवं मतदान करने के लिए शपथ दिलाई गई। डीएलएफ मॉल नोएडा में थिएटर आर्टिस्ट एवं बच्चों के द्वारा नुक्कड़ नाटक के माध्यम से आगामी लोकसभा चुनाव में मतदाताओं को वोट देने देने के लिए जागरूक किया गया।

जिम्स के चिकित्सकों के लिए आर्ट ऑफ लिविंग की तरफ से कार्यशाला आयोजित

ग्रेटर नोएडा, 7 मार्च (देशबन्धु)। आर्ट ऑफ लिविंग ने गवर्नमेंट इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज (जिम्स) ग्रेटर नोएडा में एमबीबीएस, नर्सिंग और पैरामेडिकल के सभी छात्रों के लिए विशेष रूप से एक परिवर्तनकारी चार दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया। कार्यशाला में जिसमें बड़ी संख्या में छात्र शामिल हुए जो खुशी खोजने और समाज में प्रेम और दयालुता फैलाने की कला में रुचि रखते थे। संपूर्ण कार्यक्रम निदेशक ब्रिगेडियर डॉ. राकेश गुप्ता के नेतृत्व में आयोजित किया गया। सभी सत्रों का संचालन मास्टर्स श्रुति पटेल, और दक्ष मिनोचा, ज्योति कौरव द्वारा किया गया। कार्यशाला सकारात्मक मानसिकता विकसित करने, जीवन में खुशी के कारणों को खोजने और समुदाय में दयालुता के कार्यों को बढ़ावा देने पर केंद्रित थी। कार्यशाला में सक्रिय रूप से शामिल हुए और मानसिक कल्याण में गहरी रुचि प्रदर्शित की। आर्ट ऑफ लिविंग ऑर्गनाइजेशन ने मानसिक स्वच्छता को संबोधित करने के लिए विविध प्रकार की गतिविधियों को शामिल किया है। इनमें दयालु भाव, सूर्य नमस्कार, सुदर्शन क्रिया और ध्यान सत्र शामिल थे, जो छात्रों को समग्र अनुभव प्रदान करते थे। प्रेरक सत्ररू छात्रों को नकारात्मक ऊर्जा से प्रभावी ढंग से निपटने और जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के लिए प्रेरित करने के लिए प्रेरणादायक वार्ता और इंटरैक्टिव सत्र आयोजित किए गए।

संपादकीय

नई दिल्ली, सोमवार 8 अप्रैल 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. माया राम सुरजन

न्याय पत्र : कल्याणकारी राज्य का दस्तावेज़

18वीं लोकसभा के लिये कांग्रेस का घोषणा पत्र, जिसे न्याय पत्र नाम दिया गया है, वह कल्याणकारी राज्य की अवधारणा पर आधारित है। यह न्याय पत्र उसी कहानी को आगे बढ़ाता है जो 2014 में संयुक्त प्रगतिशील मोर्चा (यूपीए) की दूसरी कार्यकाल वाली सरकार (साल 2009-2014) के परास्त होने के बाद खत्म हो गई थी। न्याय पत्र बताता है कि पिछले 10 वर्षों में दो लोकसभा चुनावों में मिली पराजयों के बावजूद कांग्रेस अपनी उन नीतियों से नहीं हटी है जो नागरिकों को हर तरह के अधिकारों से लैस करने की पक्षधर है; और अधिकार देने का अर्थ ही न्याय पाने के रास्तों का निर्माण करना होता है। वैसे भी पिछले दस वर्षों के नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार के काम के तरीके पर विचार करें तो उसने लोगों पर अन्याय ही किया है। इनमें राजनैतिक, सामाजिक एवं आर्थिक तीनों ही तरह के अन्याय हैं। 5 न्याय एवं 25 गारंटियों वाले न्याय पत्र में मोदी के उन्हीं अन्यायों की काट है जिसे कांग्रेस के प्रमुख नेताओं ने शुक्रवार को पार्टी में मुख्यालय जारी में किया।

कुछेक मुद्दों को छोड़ दिया तो नागरिक जीवन के लगभग सभी अंगों का स्पर्श करने वाले सभी मसले इसमें शामिल हैं जो बताते हैं कि सत्ता में आने पर कांग्रेस कौन से निर्णय लेगी जिनसे जनसामान्य को न्याय मिलेगा। न्याय के बिंदु सुपरिभाषित हैं और कांग्रेस की अपनी राजनैतिक पहचान व प्रवृत्ति के अनुरूप हैं। साथ ही, आजादी के बाद से उसकी जितनी बार व जिनके भी नेतृत्व में सरकारें चली हैं, उन सभी ने इसी मार्ग पर देश को अग्रसर किया है। स्वतंत्रता जब मिली थी तो अंग्रेज एक ऐसा भारत छोड़ गये थे जो बदहाल था, अविकसित था। पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से लेकर सभी परवर्ती प्रधानमंत्री इसी राह पर चले थे। यहां तक कि गैर कांग्रेस सरकारों ने भी उसी मार्ग पर चलने की ठानी। नरेंद्र मोदी के अविर्भाव के एक दशक पूर्व आई खुद भारतीय जनता पार्टी की अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व वाली सरकार ने विकास के नाम पर सरकार चलाई तथा 'शाइनिंग इंडिया' के नाम पर ही 2004 का चुनाव लड़ा था। हिन्दुत्व और राष्ट्रवाद जैसे मुद्दे उन्होंने (वाजपेयी) कालीन के नीचे सरका दिये थे। हो सकता है कि वाजपेयी के पास स्पष्ट बहुमत होता और अपने दम चलती हुई सरकार होती तो वे भी ऐसा ही करते जो आज नरेंद्र मोदी कर रहे हैं।

अलबत्ता नरेंद्र मोदी ने अलग राह पकड़ी क्योंकि वे पहली बार (2014 में) अच्छा बहुमत लेकर तो आये ही थे, 2019 में उनके पास खुद का साफ बहुमत था। भारत के सामने दिक्कतों का दौर वहीं से शुरू हुआ जब मोदी-भाजपा ने विकास की बजाये साम्प्रदायिकता व राष्ट्रवाद के एजेंडे को आगे बढ़ाया। यह विमर्श सारे मुद्दों को अपने भीतर छिपा और समेट लेता है। यह इतिहास के सभी दौर और उन सभी देशों में हुआ है जब तानाशाही प्रवृत्ति का कोई शासक बड़े जनसमर्थन के साथ सत्ता सम्भालता है। वह समाज में एक वर्ग को ऐसे ही किसी नफ़रत से भरता है व जनता का भावनात्मक दोहन करता है। उसके प्रति लोगों का अनुराग व श्रद्धा इस कदर होती है कि जनता सच-झूठ और सही-गलत में भेद नहीं कर पाती। अपने खिलाफ उठने वाली हर आवाज़ को वह या तो दबाता जाता है या फिर जनता ही उसके लिये यह काम करती है। ऐसे ही शासन के हर अंग उसकी सत्ता को बचाने का काम करते हैं। उसके खिलाफ कोई भी फैसला देश को कमजोर करने वाला माना जाता है और उसकी आलोचना को देश की बुराई करना मान लिया जाता है। जनता यह भी समझती है कि उनका प्रिय राजा कोई गलत निर्णय ले ही नहीं सकता। वह जो कर रहा है सही है और देश के भले के लिये है। संक्षेप में कहें तो जो भारत में हो रहा है, बस वही।

यहां से विपक्ष की राह बहुत दुरुह हो जाती है। विपक्ष ही क्यों, हर उन व्यक्तियों, संगठनों की जो लोकतंत्र में भरोसा करते हैं। यहां तक कि खुद सरकार की बनाई तमाम संवैधानिक व स्वायत्त संस्थाएं भी ऐसा कोई निर्णय नहीं करतीं जिससे शासक कमजोर हो। ऐसे में अगर अपनी राख से कांग्रेस उठ खड़ी होती है तथा अपने साथ दो दर्जन से अधिक सियासी दलों को अपने साथ लेकर भाजपा की सत्ता को चुनौती देती है, तो बौखलाहट में प्रधानमंत्री मोदी अगर 'कांग्रेस के न्याय पत्र पर मुस्लिम लीग की छाया' देखते हैं तो कोई आश्चर्य नहीं होना चाहिये। आज कांग्रेस जिस भी हालत में हो, उसने देश पर लम्बे समय तक शासन किया है और उसकी उपलब्धियों को मोदी व भाजपा को छोड़कर कोई नहीं नकारता। अगर ऐसा दल चुनावी वादे, गारंटी, घोषणापत्र जैसे नाम न देकर 'न्याय पत्र' के हवाले से मैदान में उतरा है तो मोदी को चाहिये वे साबित करें कि उनके कार्यकाल में जनता के साथ अन्याय नहीं हुआ है। इसके विपरीत अगर वे कुतर्क द्वारा उसे मुस्लिम लीग से जोड़ रहे हैं तो वे भूलते हैं कि स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान मुस्लिम लीग और हिन्दू महासभा एक ही सिक्के के दो पहलू थे जो महात्मा गांधी की लड़ाई में उनका विरोध कर रहे थे। साफ है कि अभूतपूर्व विकास का दावा करने वाले मोदी का आज भी साम्प्रदायिकता के अलावा कोई आधार नहीं है जिसके बल पर वे तीसरी बार प्रधानमंत्री बनना चाहते हैं। इस तथ्य को जनता को ध्यान में रखते हुए मतदान केन्द्रों का रुख करना चाहिये।

कांग्रेस के न्याय पत्र का प्रचार करते मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र पर मुस्लिम लीग का प्रभाव! टीवी पर डिबेट हो गई। अखबारों में फर्स्ट लीड बन गई। कांग्रेस ने जवाब दे दिया। मगर प्रभाव क्या? यह तो मोदी ने बोला ही नहीं। बताया ही नहीं!

यही आज के जमाने का पोस्ट ट्रूथ (सत्य से परे, जो सत्य नहीं होता मगर लोग विश्वास करते हैं) है जिसे मोदी जी ने दस साल से अपना रखा है। कुछ भी कह दो। चल जाएगा। और सत्य दब जाएगा।

लड़ाई मुश्किल है। मगर दुनिया भर में लड़ी जा रही है। भारत में भी लड़ना होगी। नहीं तो इसी तरह सत्य दफन होता रहेगा और झूठ अट्टहास करता रहेगा।

पोस्ट ट्रूथ किसी देश को मजबूत बनाने के लिए नहीं है। बल्कि झूठ को मजबूत बनाने के लिए है। वह बोलना जो चल जाए। लोग जो सुनना चाहते हैं। उस पर विश्वास कर लें। यह नया ही सिद्धांत है और राजनीति में पिछले कुछ सालों से इसका उपयोग शुरू हुआ है।

अगर आप जानकारी करने की कोशिश करें तो आपको मालूम होगा कि दुनिया में केवल दो ही नेताओं का नाम इसका सर्वाधिक उपयोग करने में आता है। एक डोनाल्ड ट्रंप और दूसरे हमारे प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी।

ट्रंप का ही चुनाव प्रचार करने नरेन्द्र मोदी अमेरिका गए थे। वहीं उन्होंने नारा लगाया 'अबकी बार ट्रंप सरकार!' मगर ट्रंप हार गए। लेकिन उन्होंने हार मानने से इनकार कर दिया। यही पोस्ट ट्रूथ है! सत्य को मानने से इनकार। जनता को झूठ समझाते-समझाते खुद भी उस पर यकीन करने लगते हैं। मैं हार ही नहीं सकता। मैं अमर हूं। आपको मालूम है ट्रंप कहते हैं मैं दो सौ साल जिऊंगा!

मगर वह अमेरिका था। दुनिया सबसे पुराना लोकतांत्रिक देश। उसने चार साल में ट्रंप को उठाकर फेंक दिया। आज बाइडन जिन्होंने ट्रंप को हराया था कह रहे हैं कि वे जहां भी विदेशों में जाते हैं, उनसे एक ही बात कही जाती है कि ट्रंप को अब मत आने देना। ट्रंप दुनिया भर के लिए एक खतरे के रूप में देखे जा रहे हैं। हालांकि वे फिर अगले साल होने वाले अमरीकी राष्ट्रपति के चुनाव में उम्मीदवार हैं। और यह देखना इस साल हमारे यहां और फिर अगले साल अमेरिका में दिलचस्प होगा कि पोस्ट ट्रूथ के इन दोनों सबसे बड़े उपयोगकर्ताओं के साथ जनता क्या करती है।

पोस्ट ट्रूथ जनता को ही भरमाने के लिए है। और यह देखना मजेदार होगा कि जनता कितना भ्रमित होती है, या नहीं। अमेरिका में तो समय है। मगर हमारे यहां तो कुछ ही हफ्तों में 4 जून को स्पष्ट हो जाएगा कि यह झूठ का खेल अभी और चलेगा या इस पर पूर्णविराम लग जाएगा।

चुनाव रफ्तार पकड़ चुका है। मोदी जी रोज नए नए भाषण दे रहे हैं। मगर इन सब में एक चीज पुरानी है कि वे यह नहीं बता रहे कि उन्होंने दस सालों में क्या किया? विपक्ष पर आरोप पर आरोप लगा रहे हैं। जैसे भाजपा विपक्षी पार्टी हो और कांग्रेस सरकार में हो। विपक्ष पूछता है सरकार से कि आपने पांच साल में क्या किया? यहां तो उल्टा दस साल सत्ता में रहकर, तमाम राज्यों में डबल इंजन सरकार चलाकर मोदी जी उल्टा कांग्रेस से कह रहे हैं कि आपने क्या किया?

अपने दस साल तो वह ऐसे देख रहे हैं जैसे दस दिन हों! कभी-कभी को लगता है केवल दस मिनट! जी हां। वे कह तो ऐसे ही रहे हैं। पहले कहा यह तो ट्रेलर है। मतलब दस साल में कुछ नहीं किया। फिर अगले दिन कहते हैं। यह तो स्टार्टर है।

स्टार्टर शब्द उन्हें मध्यम वर्ग और उच्च मध्यमवर्ग के लिए दिया गया। जो भी उनके भाषण लिखता है। क्योंकि स्टार्टर मोदी जी का फेमिलियर (जाना-पहचाना, अक्सर इस्तेमाल किया जाने वाला) शब्द नहीं है। खैर जो भी हो तो मोदी जी कहते हैं यह दस साल तो स्टार्टर थे। पूरी थाली तो अभी बाकी है!

मगर भाषण लिखने वाला यह भूल गया कि पिछले दस साल की महंगाई में मिडिल क्लास और हायर मिडिल क्लास भी स्टार्टर छोड़ चुका। पहली बात तो बाहर आना-जाना बंद हो गया। और कभी जाता भी है तो सीधा मेन कोर्स ही मंगाता है। स्टार्टर और एपिटाइजर तो वह भूल गया। यह सब तो दस साल पहले जब मंहगाई कंट्रोल में थी और उसकी तनख्वाहें बढ़ी हुई थी तब वह आर्डर करता था।

शकील अख्तर

> राजनीति में सही जवाब यह होता है कि भाजपा अपने घोषणा पत्र में जो अभी नहीं आया है बता दे कि उसने तो इतने करोड़ नौकरियां युवाओं को दे रखी हैं। उनका डिटेल दे दे। और कहें कि कोई युवा बेरोजगार ही नहीं है। कांग्रेस नौकरी देगी किसको? आखिर दो करोड़ नौकरी प्रति वर्ष देने का वादा किया था। दस साल में बीस करोड़ हो जाती हैं। मगर वह बताएगी या नहीं पता नहीं।

अगर आप स्थानीय अख़बार देखें तो वह हर शहर के होटल रेस्टोरेंट की इन खबरों से भरे होंगे कि लोगों का आना-जाना कम हुआ है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी इस पर सर्वे हुआ है। और ग्लोबल कंज्यूमर इनसाइट्स पल्स सर्वे ने कहा है कि दस में से छह भारतीय यानि 63 प्रतिशत लोगों ने बाहर खाने जाना बंद कर दिया है या कम कर दिया है और इसके दो प्रमुख कारण हैं। एक आय में कमी। दूसरे महंगाई की वजह से होटलों के महंगे हुए मीनू कार्ड।

होटल के लिए सबसे अच्छा समय 2004 के बाद शुरू हुआ था। जब लोगों की आमदनी बढ़ रही थी। और उनके पास काम के बहुत सारे विकल्प हुआ करते थे और तभी मध्यम वर्ग कई कोर्सों में खाना खाता था। परिवार के साथ। अब आप खुद से पूछ लीजिए कि कितना बाहर खाने जाते हैं। और जब जाते हैं तो पहले के मुकाबले कितना कम आर्डर करते हैं। और खाने के बाद की आइसक्रीम के लिए कहते हैं बाहर चल कर खाएंगे। खुली हवा में ज्यादा मजा आता है!

लेकिन आज आप कुछ भी बोल दो चलेगा। प्रधानमंत्री ने कहा स्टार्टर है मान लिया। मगर सच में यह दस साल पानी का ग्लास भी नहीं है। दस साल कम नहीं होते। मगर प्रधानमंत्री के पास बताने के लिए कुछ भी नहीं है। वे अभी भी कह रहे हैं कि कांग्रेस लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं से कट गई है।

है ना मजेदार चीज! दस दिन बाद पहले चरण का मतदान होना है। प्रधानमंत्री देश भर में घूम रहे हैं। रोज नई-नई बातें कर रहे हैं। मगर देश की सबसे बड़ी समस्या बेरोजगारी और महंगाई पर एक शब्द भी नहीं बोल रहे। जबकि कांग्रेस ने अपना घोषणापत्र जिसे वह न्यायपत्र कह रही है रोजगार पर ही केंद्रित किया है। युवा न्याय नाम के चेप्टर में वह कहती है कि हमारा युवा राष्ट्र है। जिसकी औसत आयु केवल 28 वर्ष है। कांग्रेस का घोषणा पत्र जिसका जिक्र कांग्रेस के नेताओं से ज्यादा प्रधानमंत्री कर रहे हैं कहते हैं कि 'आज भारत के युवाओं को बेरोजगारी के साथ-साथ निराशा का भी सामना करना पड़ रहा है' और घोषणा पत्र केवल समस्या नहीं बताता। समाधान भी बताते हुए कहता है कि सरकार बनते ही 30 लाख खाली पड़ी सरकारी नौकरियां तुरंत युवाओं को दी जाएंगी।

यही बात है कि प्रधानमंत्री को कांग्रेस के घोषणा पत्र पर रिएक्ट करना पड़ता है। वैसे तो राजनीति में सही जवाब यह होता है कि भाजपा अपने घोषणा पत्र में जो अभी नहीं आया है बता दे कि उसने तो इतने करोड़ नौकरियां युवाओं को दे रखी हैं। उनका डिटेल दे दे। और कहें कि कोई युवा बेरोजगार ही नहीं है। कांग्रेस नौकरी देगी किसको? आखिर दो करोड़ नौकरी प्रति वर्ष देने का वादा किया था। दस साल में बीस करोड़ हो जाती हैं। मगर वह बताएगी या नहीं पता नहीं। फिलहाल तो मोदी जी, भाजपा और उनका प्रिय मीडिया कांग्रेस के घोषणा पत्र में क्या है और क्या नहीं है यह बताकर कांग्रेस के न्याय पत्र को भरपूर प्रचार देने में लगे हैं।

(लेखक वरिष्ठ पत्रकार है)

यूरोपीय संघ और अमरीकी चुनाव तय करेंगे नाटो का भविष्य

■ **सात्यकी चक्रवर्ती**

उत्तरी अटलांटिक संधि संगठन (नेटो) इस वर्ष 4 अप्रैल को 75 वर्ष का हो गया, जिसने शीत युद्ध और सोवियत काल के बाद के दौर में कई उतार-चढ़ाव वाली यात्रा को चिह्नित किया। जब 1949 में नाटो का गठन हुआ, तो इसके शीत युद्ध समर्थकों ने दावा किया कि इसका मिशन 'सोवियत आक्रामकता' को पीछे हटाना होगा, जो कि साम्यवाद-विरोधी झूठ है। यूरोप में तब और अब की तरह वास्तविक विस्तारवादी ताकत अमेरिका थी, जिसने सोवियत संघ को घेरने की अपनी नीति के तहत नेटो की शुरुआत की थी। नेटो का वास्तविक उद्देश्य यूएसएसआर को नष्ट करना था- एक जुनून जिसमें यूएसएसआर हमला करे उससे पहले ही परमाणु युद्ध की योजना भी शामिल थी।

नेटो का दूसरा कार्य अपने यूरोपीय 'सहयोगियों' पर अमेरिकी सैन्य और राजनीतिक आधिपत्य सुनिश्चित करना था। नेटो का सुप्रीम अलाइड कमांडर हमेशा एक अमेरिकी रहा है, और सुप्रीम अलाइड कमांड-यूरोप नॉरफ़ॉक, वर्जीनिया में स्थित है, भले ही आधिकारिक 'मुख्यालय' महाद्वीप पर है। यूरोपीय नेटो सदस्य हमेशा एक निष्ठ भागीदार रहे हैं, वे पेंटागन से अपने आदेश लेते रहे हैं।

> इस तरह, 2024 के घटनाक्रम वर्ष 2025 और उसके बाद नेटो के भविष्य के बारे में बहुत सारी अनिश्चितताएं लाते हैं। नेटो में अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी शक्तियों का फोकस वही है लेकिन भू-राजनीति बदल गई है। विस्तारित नेटो को जमीनी हकीकतों को ध्यान में रखते हुए अपनी भूमिका को फिर से बनाना होगा। मौजूदा दौर में सिर्फ विस्तार से संगठन को कोई मदद नहीं मिल रही है।

1949 से 1960 के दशक तक, ज्यादातर ध्यान सोवियत संघ और पूर्वी यूरोप पर था। पूर्वी जर्मनी जिसे जर्मन डेमोक्रेटिक रिपब्लिक कहा जाता था, नेटो के रडार पर था। अमेरिका और उसके यूरोपीय साझेदार पूर्वी भाग में साम्यवादी प्रभुत्व वाले जर्मनी के अस्तित्व से सहमत नहीं थे। 1960 के दशक की शुरुआत में सोवियत संघ और चीन के बीच दरार का नेटो ने आगे दो दशकों तक फायदा उठाया। पूर्वी यूरोप की कम्युनिस्ट पार्टियों के आंतरिक विरोधाभासों ने नेटो को इन देशों में सेना के एक वर्ग के साथ अपने संबंध बनाने में मदद की। 1990 के अंत में, पूर्वी यूरोप में साम्यवादी शासन के विघटन की प्रक्रिया शुरू करते हुए पूर्वी जर्मन सरकार का पतन हो गया।

नेटो ने अपना प्राथमिक उद्देश्य तब हासिल किया जब पूर्वी यूरोप में समाजवाद नष्ट हो गया और 1991 में सोवियत संघ अलग हो गया। बेशक, इसका मतलब यह नहीं था कि अमेरिका ने विराम ले लिया या नेटो ने अपनी भूमिका कम कर दी। शीत युद्ध समाप्त होने पर पश्चिमी नेताओं ने सोवियत नेता मिखाइल गोर्बाचोव से जो प्रतिज्ञा की थी कि नेटो पूर्व की ओर विस्तार नहीं करेगा, वह जल्द ही टूट गई।

बाद के वर्षों में, चेक गणराज्य, पोलैंड, हंगरी, रोमानिया, स्लोवाकिया और अन्य पूर्व वारसॉ संधि देशों को निगल लिया गया। बाद में, यूएसएसआर के पूर्व गणराज्यों-लिथुएनिया, लैटविया और एस्टोनिया को भी समझौते में लाया गया।

रूस के कमजोर होने के साथ, नेटो ने भी सीधे सशस्त्र आक्रमण में शामिल होना शुरू कर दिया, जिसकी शुरुआत 1990 के दशक में बाल्कन युद्धों और यूगोस्लाविया के अनुभागीय विघटन से हुई। 11 सितंबर 2001 के आतंकवादी हमलों के बाद, गठबंधन के सदस्य अफगानिस्तान में अमेरिका के नेतृत्व वाले युद्ध में शामिल हो गये और इराक में सैनिकों को तैनात किया। बाद में, नेटो विमानों ने लीबिया पर बमबारी में भाग लिया जिससे लीबिया एक गृहयुद्ध में बदल गया।

नये लक्ष्यों की ओर अपना जाल फैलाने के बावजूद, रूस के साथ टकराव से ध्यान कभी नहीं हटा। 2002 से, नेटो ने खुले तौर पर यूक्रेन को अपने मास्को विरोधी गठबंधन में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। हालांकि, पूर्व राष्ट्रपति विक्टरयानुकोविच द्वारा झिड़की के बावजूद, यूक्रेन में 2014 के तख्ता पलट ने एक दक्षिणपंथी सरकार को सत्ता में ला दिया, जो खुद को वाशिंगटन में शामिल करने के लिए उत्सुक थी। यह अमेरिका ही था, जिसने उसे उसी सरकार को सत्ता में लाने में मदद की थी।

नेटो द्वारा आपूर्ति किये गये हथियारों ने पूर्व में यूक्रेनी गृह युद्ध में कीव के अभियान को बढ़ावा दिया, हमेशा देश को रूस के साथ सहयोग से अलग करने और अंततः नेटो सदस्यता के लिए मार्ग खोलने के लक्ष्य के साथ। यह नेटो-गठबंधन वाले यूक्रेन में अमेरिकी-नियंत्रित सैनिकों और हथियारों को तैनात करने का खतरा था, एक ऐसा देश जो सोवियत गढ़ का हिस्सा था, जिसने 2022 के रूसी आक्रमण के बाद भड़के युद्ध को भड़काने में प्रमुख भूमिका निभाई थी।

यूरोप, अफगानिस्तान, मध्य पूर्व, उत्तरी अफ्रीका, और यूक्रेन- इनमें से कोई भी नेटो का नेतृत्व करने वालों के लिए पर्याप्त साबित नहीं हुआ है। हाल के वर्षों में, उन्होंने प्रशांत क्षेत्र पर भी अपनी नजरें गड़ा दी हैं। गठबंधन के महासचिव जेन्सस्टोलटेनबर्ग ने हाल ही में चीन को 'सुरक्षा और लोकतंत्र के लिए खतरा' घोषित किया है। जैसा कि उन्होंने पहले किया था, यूरोपीय शक्तियां एक और शीत युद्ध में शामिल हो रही हैं।

75वें वर्ष में, नेटो विस्तार की होड़ में है और इस बार, ध्यान रूस और चीन दोनों पर है। हालांकि नेटो का तत्काल ध्यान यूक्रेन को पूरे दिल से समर्थन देकर रूस को कमजोर करने पर है, इसके जनरल इन दिनों रूसी और चीनी राष्ट्रपतियों के बीच घनिष्ठ सहयोग से चिंतित हैं। नेटो जानता है कि चीन एक शीर्ष सैन्य शक्ति है और नेटो के साथ किसी भी टकराव में रूस का समर्थन करना पश्चिमी सैन्य गठबंधन के लिए महंगा पड़ेगा।

नेटो ने रूस के लिए सुरक्षा खतरा पैदा करते हुए फिनलैंड को सदस्यता दे दी है। यूरोप में इन दिनों चुनाव के नतीजों में दक्षिणपंथी बदलाव देखने को मिल रहा है। इससे नेटो को तसल्ली भी है और चिंता भी। राष्ट्रवादी उभार है और कुछ पार्टियां जो यूरोपीय संघ के चुनावों में जीत सकती हैं, वे नेटो की परवाह किये बिना अपने देश में एक स्वतंत्र रक्षा और सुरक्षा नीति का समर्थन करना पसंद कर सकती हैं।

लेकिन वर्ष 2024 में नेटो के लिए सबसे गंभीर चिंता है नवंबर में संयुक्त राज्य अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव का परिणाम। यदि डोनाल्ड ट्रम्प चुनाव जीतते हैं, तो नेटो के प्रति पूरी अमेरिकी नीति फिर से बदल जायेगी। अपने पिछले कार्यकाल में ट्रम्प ने इस प्रक्रिया की शुरुआत की थी लेकिन इस बार उन्होंने घोषणा की है कि अमेरिका नेटो पर अपने खर्च में भारी कटौती करेगा। दूसरे देशों को खर्च का उचित बंटवारा करना होगा। इसके अलावा, निर्वाचित ट्रम्प नेटो की परवाह किए बिना रूस और चीन के साथ अलग-अलग सौदे कर सकते हैं।

इस तरह, 2024 के घटनाक्रम वर्ष 2025 और उसके बाद नेटो के भविष्य के बारे में बहुत सारी अनिश्चितताएं लाते हैं। नेटो में अमेरिका के नेतृत्व वाली पश्चिमी शक्तियों का फोकस वही है लेकिन भू-राजनीति बदल गई है। विस्तारित नेटो को जमीनी हकीकतों को ध्यान में रखते हुए अपनी भूमिका को फिर से बनाना होगा। मौजूदा दौर में सिर्फ विस्तार से संगठन को कोई मदद नहीं मिल रही है।

गुरवाणी विचार

हलत सुख पलत सुख सिमरनो सदा नाम हरि का लीजै

कोई गावै को सुने, कोई करे विचार,
के उपदेसे को दरिड़े, तिसका होय उधार।
किलतिख काटे होय निरमल जनम जनम मल जाय,
हलत पलत मुख उजला नहि पावे तिस माय।
सो सुरता सो बैसनो, सो गियानी धनवंत
सो सूरा लवंत सोय, जिन भजिया भगवंत।
खतरी ब्राम्हण सूद बैस, उधरै सिमर चंडाल,
जिन जानियो प्रभु आपना-नानक तिसै खाल।।

गुरदेव मानव मन को समझाइश देते हुए फरमा रहे हैं कि प्रभु परमात्मा का सिमरन चाहे किसी रूप में भी किया जाए उसका लाभ अवश्य होगा ही। कुछ लोग प्रभु का सिमरन गा-गा कर करते हैं अर्थात प्रभु संकीर्तन कर प्रभु को प्रसन्न करते हैं। कोई साध संगत में जाकर प्रभु संकीर्तन सुन-सुन कर और उस पर मनन कर ही प्रभु परमात्मा को पा सकता है। कोई प्रभु की कथा बांचकर ही प्रभु को याद करता है आर्थात जिस तरह भी प्रभु सिमरन कथा बंदगी की है, सुनी है उस पर मनन किया है उसका उद्धार होना ही है। परन्तु यह संभव तभी है जब हम एकचित्त होकर दृढ़तापूर्वक उस पर अमल करें और प्रभु संकीर्तन में मन को रमा लेवें। गुरवाणी में लिखा भी है-

गुरु नानक जिन सुणियां पेखिया से फिर गरभास न परियारे। तथा
हलत सुख पलत सुख सिमरनो सदा नाम हरि का लीजै।

अर्थात जिस जिसने भी प्रभु परमात्मा के चरणों का ध्यान लगाया है प्रभु की कथा कीर्तन श्रवण कर उस पर मनन किया है वह फिर कभी गर्भयोनि में नहीं पड़ा है। उसे यहां तो सुखपूर्वक जीवन व्यतीत करने को मिला ही है परलोक में भी हर प्रकार के सुखों की प्राप्ति हुई है। फिर आप फरमाते हैं कि प्रभु परमात्मा के सिमरन करने से इंसान के जीवन में जो जन्म जनमांतरों की पाप रूपी मैल जमी हुई है वह साफ हो जाती है और उसका मन निर्मल हो जाता है उसके मन में शांति आ जाती है और वह इस संसार सागर से अपनी यात्रा पूरी कर प्रभु परमात्मा के दरबार में उजले मुख से जा सकते हैं उसे फिर किसी प्रकार की मोह, माया का जाल फंसा नहीं सकता। पांचों भयानक ठग काम, क्रोध, लोभ, मोह, अहंकार उसे परेशान नहीं कर सकते। विषय विकार उसे तंग नहीं करते। संसार में रहकर भी वह ऐसा रहता है जैसे जल में कमल खिलता है। पूरा कीचड़ में फंसने के बाद भी उसका कीचड़ कुछ नहीं बिगाड़ सकता।

आप फरमाते हैं कि वही मनुष्य ब्रह्म ज्ञानी है, सुरवीर है जिसने प्रभु सिमरन कर पापों, ठगों पर विजय प्राप्त कर ली है और उसने प्रभु भक्ति, भजन बंदगी को ही अपने जीवन का मुख्य उद्देश्य बना लिया है। यह शरीर एक कुटिया है। आत्मा इसकी कुटी में निवास करती है। आंखें, कान, मुख इत्यादि मानो इसके रोशनदान और खिड़कियां अथवा दरवाजे हैं। आज मनुष्य के शरीर में कुछ दम तो है नहीं पर वह बातें बड़ी-बड़ी करता है इसीलिए हर वक्त दुखी एवं चिंताग्रस्त रहता है और वह अहंकार इतना करता है कि पूछो मत। सिर पर उसके हर वक्त विकर्मों का बोझ चढ़ा हुआ है। फिर भी सारा दिन किसी की निंदा किसी की चुगली, किसी की ग्लानि, किसी से अकारण क्रोध, किसी से विरोध किसी के साथ अभिमान तो ऐसा करता है जैसे उसकी मीटर भर की जुबान हो। कहा गया है कि-

जस केले की पात. पात में पात.
तस ज्ञानी की बात, बात में बात।।

इसलिए हमें चौथे अभिमान क्रोध से बचकर ब्रह्म ज्ञानी सरीखे जीवनयापन करना है और प्रभु सिमरन में अपना ध्यान लगाना है। किसी की कड़वी बात सहन कर लेने से प्रायः झगड़ा समाप्त हो जाता है अथवा हलका हो जाता है और उलझनें मिट जाती हैं। यह जरूरी नहीं है कि प्रभु भक्ति सिमरन क्षत्री, ब्राह्मण या वैश्य ही कर सकते है शूद्र और चांडाल भी पभु की भक्ति कर इस असार संसार से मुक्ति पा सकता है।

तुम करो दया मेरे साईं।
ऐसी बुध करो परगासा सदा सदा तुध धियाई।।

इंदर सिंह आहुजा

आपके पत्र

शुरू होनी चाहिए पर्यावरणीय मुद्दों को मुख्यधारा में लाने की चुनावी प्रथाएं

संयुक्त राष्ट्र के विश्व मौसम विज्ञान संगठन (डब्ल्यूएमओ) द्वारा हाल ही में जारी वैश्विक जलवायु स्थिति रिपोर्ट ने चिंता पैदा कर दी है। रिपोर्ट के अनुसार, 2023 को आधिकारिक तौर पर ग्रह के इतिहास में सबसे गर्म वर्ष के रूप में पहचाना गया है। राजनीतिक अभियानों में जलवायु परिवर्तन कार्य योजनाओं को शामिल करके, राजनीतिक नेता मतदाताओं के बीच मुद्दे की गंभीरता और निर्णायक कार्रवाई की अनिवार्यता के बारे में जागरूकता बढ़ा सकते हैं। यह सार्वजनिक चर्चा को जलवायु कार्रवाई को प्राथमिकता देने की दिशा में स्थानांतरित करने और नीति निर्माताओं और जनता के बीच तात्कालिकता की भावना को बढ़ावा देने में मदद कर सकता है। जलवायु परिवर्तन को राजनीतिक अभियानों में एकीकृत करना राजनीतिक दलों को सतत विकास और वैश्विक नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करता है।

डब्ल्यू.एम.ओ. रिपोर्ट सामूहिक सार्वजनिक कार्रवाई शुरू करने को अनिवार्य बनाती है - कुछ-कुछ वैसा ही जैसा कि कोविड-19 महामारी के दौरान हुआ था। इस चुनावी मौसम में, डब्लूएमओ रिपोर्ट का परिणाम न केवल पूरी मानवता के लिए, बल्कि विशेष रूप से सभी राजनीतिक दलों के लिए जागृत होना चाहिए। डब्ल्यूएमओ, संयुक्त राष्ट्र और वैज्ञानिक बिरादरी द्वारा व्यक्त की गई जलवायु परिवर्तन पर चिंता को राजनीतिक दलों को अपनी कार्य योजनाओं को स्पष्ट करने के लिए प्रेरित करना चाहिए।

ऊर्जा आवश्यकताओं के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर निर्भरता का जलवायु पर भारी प्रभाव पड़ा है। जीवाश्म ईंधन के उपयोग से ग्रीन हाउस गैसों का बड़े पैमाने पर उत्सर्जन हुआ है, जिससे सीधे वैश्विक तापमान में वृद्धि हुई है। भारत को ग्रीन हाउस गैस उत्सर्जन में कटौती करने और नवीकरणीय ऊर्जा स्रोतों की ओर बढ़ने के लिए अपनी प्रतिबद्धता प्रदर्शित करनी चाहिए क्योंकि देश पेरिस समझौते में उल्लिखित लक्ष्यों तक पहुंचने के लिए काम कर रहे हैं। राजनीतिक दल अपने मंचों पर विशिष्ट नीतियों और कार्यों की रूपरेखा तैयार करके जलवायु परिवर्तन और इसके प्रभावों को संबोधित कर सकते हैं। इसके अलावा, भारत में चुनावी मौसम जलवायु परिवर्तन पर चर्चा को बढ़ाने और राजनीतिक दलों को पर्यावरणीय मुद्दों पर उनके रुख के लिए जवाबदेह बनाने का एक अनूठा अवसर प्रस्तुत करता है। मतदाताओं का अनुमान है कि जलवायु परिवर्तन के बारे में उनकी चिंताएं बढ़ने पर राजनीतिक नेता अपने नीतिगत एजेंडे में स्थायी समाधानों को सर्वोच्च प्राथमिकता देंगे। राजनीतिक अभियान महत्वपूर्ण पर्यावरणीय चिंताओं पर लोगों के साथ बातचीत कर सकते हैं और जलवायु परिवर्तन कार्य योजनाओं को शामिल करके उन्हें हल करने के लिए अपनी प्रतिबद्धता दिखा सकते हैं।

जैसा कि भारत वैश्विक मंच पर अपनी सही जगह का दावा करना चाहता है और 'अमृत काल' में एक दुर्जेय विश्व शक्ति के रूप में उभरना चाहता है, जलवायु परिवर्तन को संबोधित करने में इसके नेतृत्व की प्रभावशीलता पर बारीकी से नजर रखी जाएगी। राजनीतिक स्पेक्ट्रम के पार, पार्टियां भारत की आर्थिक समृद्धि को आगे बढ़ाने और इसकी आबादी की भलाई में सुधार लाने के उद्देश्य से पहल को प्राथमिकता दे रही हैं। हालांकि, कार्रवाई योग्य योजनाओं के माध्यम से जलवायु परिवर्तन की केंद्रीय चुनौती से निपटने के ठोस प्रयास के बिना राष्ट्रीय प्रगति के लिए कोई भी व्यापक एजेंडा अपर्याप्त होगा।

-प्रियंका सौरभ

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, रफी मार्ग, नई दिल्ली से प्रकाशित एवं बीएफएल इंफोटेक लि., सी 9, सेक्टर-3, नोएडा से मुद्रित। सम्पादक : राजीव रंजन श्रीवास्तव, (पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार)। आर.एन.आई. नं. DELHIN/2008/24216. दिल्ली कार्यालय :फोनः 011-23718195,23357784, फैक्सः 011-43581404, नोएडा कार्यालयः फोनः 0120-4114404 फैक्सः 0120-4273770 ई-मेलः deshbandhudelhi@gmail.com वेबः www.deshbandhu.co.in

देश विदेश

ब्रिटेन में तूफान कैथलीन के चलते दर्जनों उड़ानें रद्द

लंदन, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। तूफान कैथलीन यूनाइटेड किंगडम में कहर बरपा रहा है। इसके चलते ब्रिटेन की दर्जनों उड़ानें रद्द कर दी गईं। एडिनबर्ग, बेलफास्ट, मैनचेस्टर और बर्मिंघम में हज़ारों यात्री फंस गए। मौसम कार्यालय ने इंग्लैंड के अलावा आयरलैंड, स्कॉटलैंड और वेल्स के कुछ हिस्सों के लिए चेतावनी जारी की है। बताया गया है कि खराब मौसम के चलते ब्रिटेन के हवाई अड्डों पर प्रस्थान करने वाली और पहुंचने वाली 130 से अधिक उड़ानें रद्द कर दी गईं। तूफान के कारण पूरे ब्रिटेन में तापमान भी बढ़ गया।

गुटेरेस क्विटो में मेक्सिको दूतावास पर इक्वाडोर पुलिस के हमले से चिंतित

इक्वाडोर व मैक्सिको से शांतिपूर्ण साधनों के माध्यम से मतभेदों को हल करने का आह्वान

न्यूयॉर्क, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। संयुक्त राष्ट्र (संरा) के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि संरा महासचिव एंटोनियो गुटेरेस क्विटो में मैक्सिकन दूतावास पर इक्वाडोर पुलिस के हमले से चिंतित हैं। गुटेरेस ने कहा कि राजनयिक और दूतावास परिसरों और कर्मियों की अनुल्लंघनीयता के सिद्धांत का सम्मान किया जाना चाहिए।

दुजारिक ने शनिवार को प्रकाशित एक बयान में कहा कि महासचिव क्विटो में मैक्सिकन दूतावास परिसर में इक्वाडोर के सुरक्षा बलों के जबरन प्रवेश से चिंतित हैं। वह राजनयिक और दूतावास परिसरों और कर्मियों की अनुल्लंघनीयता के मौलिक सिद्धांत की पुष्टि करते हैं, इस बात पर बल देते हैं कि इस सिद्धांत का सभी मामलों में अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुसार सम्मान किया जाना चाहिए।

मीडिया रिपोर्टों में कहा गया कि शनिवार रात इक्वाडोर पुलिस ने क्विटो स्थित मेक्सिकन दूतावास पर सशस्त्र वाहनों का उपयोग कर इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति जॉर्ज ग्लास को गिरफ्तार कर लिया, जो राजनयिक मिशन में शरण लिए हुए थे।

■ राजनयिक व दूतावास परिसरों व कर्मियों की अनुल्लंघनीयता के सिद्धांत का सम्मान किया जाना चाहिए : गुटेरेस

सीईएलएसी मैक्सिकन दूतावास हमले पर तत्काल बैठक करेंगे

तेगुसिगाल्पा। होंडुरास की राष्ट्रपति शियोमारा कास्त्रो ने कहा कि लैटिन अमेरिकी एवं कैरेबियाई राज्यों का समुदाय (सीईएलएसी) इक्वाडोर में मैक्सिकन दूतावास पर हुए हमले पर चर्चा करने के लिए संगठन के शासी निकाय और सदस्य देशों के विदेश मंत्रियों के साथ विशेष बैठकें आयोजित करेगा। शनिवार रात इक्वाडोर पुलिस ने क्विटो स्थित मैक्सिकन दूतावास पर सशस्त्र वाहनों का उपयोग कर इक्वाडोर के पूर्व उपराष्ट्रपति जॉर्ज ग्लास को गिरफ्तार कर लिया, जो राजनयिक मिशन में शरण लिए हुए थे। मेक्सिको सिटी ने क्विटो के साथ राजनयिक संबंधों को निलंबित करते हुए कहा कि इस कार्रवाई में मैक्सिकन राजनयिकों को चोटें आई हैं।

कास्त्रो ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर कहा कि क्विटो में मैक्सिकन दूतावास में जबरन प्रवेश कर इक्वाडोर सरकार ने शरण पर अमेरिकी कन्वेंशन और राजनयिक संबंधों पर वियना कन्वेंशन का स्पष्ट उल्लंघन किया है जिसे देखते हुए, मैं तत्काल इस सोमवार, आठ अप्रैल को सीईएलएसी ट्रोइका और मंगलवार, नौ अप्रैल को विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाता हूं। राष्ट्रपतियों की एक बैठक उसके बाद निर्धारित की जाएगी। ग्लास ने 2022 के अंत में अपनी रिहाई से पहले रिश्वत एवं आपराधिक साजिश के लिए पांच वर्ष जेल की सजा काटी थी।

इजरायल कुछ फिलिस्तीनियों को उत्तरी गाजा लौटने की अनुमति दे : अमेरिका

वाशिंगटन, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिणी गाजा शहर राफा में आगामी इजरायली सैन्य अभियान की चिंताओं के बीच, बिडेन प्रशासन कुछ विस्थापित गाजा नागरिकों को एन्क्लेव के उत्तरी हिस्से में लौटने की अनुमति देने के लिए इजरायल पर दबाव बना रहा है। यह जानकारी वॉल स्ट्रीट जर्नल ने अधिकारियों के हवाले से दी।

शनिवार को जारी रिपोर्ट में कहा गया कि इजरायली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के साथ हाल ही में आधे घंटे की बातचीत में अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन ने इस मुद्दे पर काम करने की मांग की। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने इजरायली नेता से एन्क्लेव में तत्काल युद्धविराम के लिए सहमति व्यक्त करने के साथ-साथ वार्ता करने वाली टीमों को इस मामले पर एक समझौते तक पहुंचने की अनुमति देने का भी आह्वान किया।

रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति ने गाजा में नागरिकों के खतरे को समाप्त करने और सहायता कर्मियों की सुरक्षा के जोखिमों को कम करने के लिए यहूदी राज्य द्वारा तत्काल कदम उठाने की आवश्यकता पर भी बल दिया। बाइडेन ने स्पष्ट किया कि भविष्य में गाजा पर वाशिंगटन की नीति इन मुद्दों पर इजरायली कार्रवाइयों से निर्धारित होगी। नेतन्याहू ने 22 मार्च को कहा था कि वह अभी भी राफा में प्रवेश करने के लिए दृढ़ हैं क्योंकि शेष हमास बलों को हराने का कोई अन्य तरीका नहीं है ।

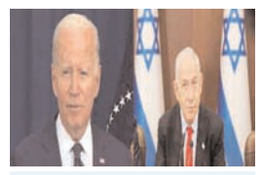

■ नेतन्याहू के साथ बातचीत में बाइडेन ने की इस मुद्दे पर काम करने की मांग

सुडोकू 6518

6		9						8
	4		2		9	1		
				7			9	
5				2	7			
3								6
			6	1				7
	9			8				
		1	5		6		3	
4						7		9

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

वर्ग पहेली 6518

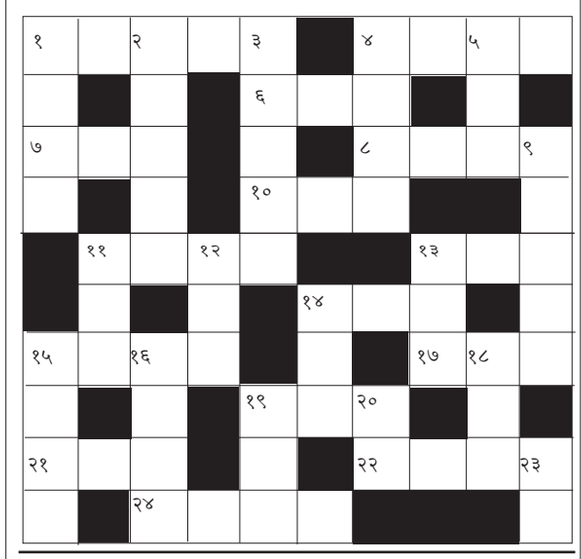

बायें से दायें:-

१. अपहरण, भगा ले जाना
४. दोपहर
६. लहू पीने वाला
७. वस्त्र
८. दूसरा समय
१०. उपस्थित (उर्दू)
११. हरा-भरा, वाटिका, उद्यान (उर्दू)
१३. विघ्न डालने वाला
१४. बधिर
१५. अधिक अच्छा (उर्दू)
१७. बह सकने के गुण वाले पदार्थ
१९. धन, संपत्ति (उर्दू)
२०. जिसकी ईश्वर पर आस्था न हो
२२. रस्सीला
२४. ओस (उर्दू)

ऊपर से नीचे:-

१. जो बार-बार न हो, जो एक ही बार दिया जाए (अनुदान आदि)
२. आंसू
३. सामूहिक हत्या, कत्लेआम
४. बुराई, अहित
५. चैन, आराम (उर्दू)
९. किसी व्यक्ति, वस्तु, इमारत के देखरेख के लिए तैनात व्यक्तियों का दल
११. दोष, अपराध (उर्दू)
१२. प्रकट (उर्दू)
१३. वरयात्रा
१४. प्रचुर, अधिक
१५. निर्दोष, निरपराध (उर्दू)
१६. तूणिर, बाण रखने का चोगा
१८. दया, कृपा (उर्दू)
१९. चक्कर, दौरा, भाग्य, हेरफेर (उर्दू)
२०. गीला, भीगा हुआ (उर्दू)
२३. अगर

वर्ग पहेली-6517

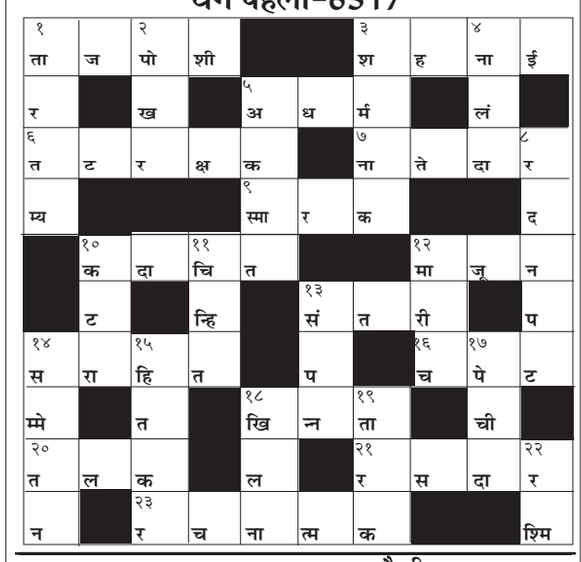

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ बेजान दारूवाला

ग्रह स्थिति : सोमवार 8 अप्रैल, 2024 चैत कृष्ण पक्ष 15

राशिफल

मेष - आज का दिन अत्यंत सावधानीपूर्वक व्यतीत करने की सलाह दी जाती है। सर्दी, कफ और बुखार के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। स्वजनों से वियोग हो सकता है।

वृषभ - आज आपकी आय और व्यापार में वृद्धि होने के योग हैं। व्यापार में नए लाभदायक संपर्क होंगे। परिजनों और मित्रों के साथ हंसी-खुशी के पल बिताने का अवसर मिलेगा। प्रवास ङ्क पर्यटन के योग हैं।

मिथुन - शारीरिक और मानसिक रूप से आज दिनभर प्रसन्न रहेंगे। व्यवसायिक क्षेत्र में काम की प्रशंसा होने से उत्साह भी बढ़ेगा। सहकर्मियों का भी सहयोग प्राप्त होगा। सामाजिक क्षेत्र में भी मान-सम्मान मिलेगा।

कर्क - आज का दिन आप धर्म, ध्यान तथा देवदर्शन में व्यतीत करेंगे। किसी तीर्थ स्थान पर जा सकते हैं। शारीरिक और मानसिक रूप से खुश रहेंगे। भाग्यवृद्धि के अवसर मिलेंगे। परिवार में भाई-बहनों के साथ आनंदपूर्वक समय गुजरेगा।

सिंह - आज का दिन थोड़ी सी प्रतिकूलताओं रहेगा। स्वास्थ्य के संबंध में आपको विशेष ध्यान रखना होगा। बाहर खाने- पीने से बचें। बीमारी के पीछे धन खर्च होगा। नकारात्मक विचार मन पर हावी होंगे।

कन्या - सामाजिक और सार्वजनिक क्षेत्र में लाभ मिलेगा। मित्रों से विशेष लाभ होगा। दांपत्यजीवन में परमसुख के पलों का अनुभव होगा। नए वस्त्र और आभूषणों की खरीदारी तथा पहनने का अवसर मिलेगा।

तुला - आज नौकरीपेशा लोगों के लिए अत्यंत लाभदायक दिन है। नौकरीवालों को उनके काम में यश और सफलता मिलेगी। पारिवारिक वातावरण अच्छा रहेगा। विरोधियों के समक्ष विजय मिलेगी।

वृश्चिक - साहित्यिक गतिविधियों के लिए आज का दिन शुभ फलदायक है। आप कोई कहानी-कविता लिखने के लिए योजना बना सकते हैं। आज किसी सामाजिक या राजनीतिक चर्चा में भाग ले सकते हैं।

धनु - आज आप में शारीरिक और मानसिक स्फूर्ति और ताजगी का अभाव रहेगा। परिवार में क्लेश कलह का वातावरण रहने से आपका मन उदास रहेगा। अनिद्रा सताएगी। माता के स्वास्थ्य को लेकर सावधानी बरतें।

मकर - आपका आज का पूरा दिन सुखमय गुजरेगा। अनुकूल परिस्थिति निर्मित होने पर आप सभी काम आज सरलतापूर्वक पूरा कर सकेंगे। मन में प्रसन्नता रहेगी। व्यापार- धंधे में आर्थिक लाभ प्राप्त कर सकेंगे। भागीदारी में लाभ होगा।

कुंभ - मन की दुविधाओं से आप में निर्णयशक्ति का अभाव होगा। परिणाम स्वरूप उलझन का अनुभव होगा। तबीयत थोड़ी नरम-गरम रहेगी। वाणी पर संयम बरतें, अन्यथा वाद-विवाद के कारण स्वजनों के साथ मनमुटाव होगा।

मीन - आज आप आनंद, उत्साह और प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। नए काम की शुरुआत लाभदायक साबित होगी। मित्रों, स्वजनों के साथ भोजन का आनंद उठाने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा के योग हैं।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

आज का इतिहास

1801 - रोमानिया की राजधानी बुखारेस्ट में हुई हिंसा में 128 यहूदियों की मौत।
1820 - दुनिय की सबसे मशहूर मूर्तियों में से एक 'वीनस डि मेलो' को ग्रीस में एजिम सागर के पास खोजा गया।
1831 - प्रसिद्ध समाज सुधारक राजा राम मोहन राय इंग्लैंड पहुंचे।
1857 - प्रथम स्वतन्त्रता संग्राम के दौरान अंग्रेज़ों पर पहली गोली चलाने वाले मंगल पांडेय को फांसी दी गयी।
1859 - जर्मन फिलॉस्फर एडमंड हुसेरेल का जन्म, उन्हें फिनॉमलॉजी का जनक माना जाता है।
1894 - प्रसिद्ध बंगला कवि और बंदे मातरम के रचयिता बंकिम चन्द्र चटर्जी का कलकत्ता में निधन।
1912 - नील नदी में जहाजों के आपसी भिड़ंत में 200 से ज्यादा लोगों की डूबकर मौत।
1929 - भगत सिंह और बटुकेश्वर दत्त ने दिल्ली के सेंट्रल असेंबली हॉल में बम फेंके।
1938 - संयुक्त राष्ट्र के पूर्व महासचिव कोफी अन्नान का जन्म।
1947 - अमेरिकी उद्योगपति हेनरी फोर्ड का 83 वर्ष की उम्र में निधन।
1950 - भारत और पाकिस्तान के बीच लियाकत-नेहरू समझौता।
1961 - ब्रिटिश जहाज दारा का फारस की खाड़ी में गिरने से 236 लोगों की मौत।
1965 - भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा युद्ध शुरू। इसे कश्मीर के दूसरे युद्ध के नाम से भी जाना जाता है।
1973 - स्पेन के चित्रकार पाब्लो पिकासो का निधन।
1988 - जनरल वेंग शांग कुन चीन के राष्ट्रपति निर्वाचित।
2000 - गुटनिरपेक्ष देशों के विदेश मंत्रियों का 13वां सम्मेलन कोलंबिया के कार्टिजेना शहर में प्रारम्भ।
2005 - पोप जॉन पॉल द्वितीय के निधन के छह दिन बाद वेटिकन में उनका अंतिम संस्कार हुआ।

पाकिस्तान में 10 आतंकवादी ढेर

इस्लामाबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान में सुरक्षा बलों ने दो अलग-अलग ऑपरेशनों में कम से कम 10 आतंकवादियों को मार गिराया। मीडिया ने शनिवार को अधिकारियों के हवाले से यह जानकारी दी।

पाकिस्तानी सेना की मीडिया विंग के मुताबिक, सुरक्षा बलों ने खैबर पख्तूनख्वा के डेरा इस्माइल खान और उत्तरी वजीरिस्तान जिलों में खुफिया जानकारी के आधार पर ऑपरेशन चलाया।

समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) ने एक बयान में कहा कि पहले ऑपरेशन में धुआंधार गोलीबारी के बाद आठ आतंकवादी मारे गए। उन्होंने कहा कि ये आतंकवादी गतिविधियों के साथ-साथ निर्दोष नागरिकों की हत्या में भी सक्रिय रूप से शामिल थे।

प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने की सफल ऑपरेशन के लिए सुरक्षा बलों की सराहना

इजराइल ने हमास के वरिष्ठ अधिकारी को उतारा मौत के घाट : अद्राई

गाजा। इजराइली सेना ने घोषणा की है कि गाजा पट्टी पर उसके हवाई हमलों में हमास का एक वरिष्ठ सुरक्षा अधिकारी मारा गया है। आईडीएफ के प्रवक्ता अविचाई अद्राई ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि इजराइली रक्षा बलों और शिन बेट सुरक्षा सेवा ने गाजा और इजराइली क्षेत्रों पर हमले की योजना बना रहे हमास के अधिकारी को मार डाला। उन्होंने बताया कि मारा गया अकरम अब्दुल रहमान हुसैन सलामा हमास में कई उच्च पदों पर था। बयान में कहा गया है कि सेना और इजराइली क्षेत्रों पर बड़े हमलों की योजना बनाने और उन्हें अंजाम देने के लिए उसकी तलाश की जा रही थी।

हॉस्पिटल बिल के लिए बीआईएस मानक बनाने के पक्ष में 74 प्रतिशत भारतीय : रिपोर्ट

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। देश में ज्यादातर लोग (74 प्रतिशत) सरकार द्वारा अस्पताल के बिलों में अनिवार्य बीआईएस मानक (भारतीय मानक ब्यूरो) बनाने के पक्ष में हैं। रविवार को जारी एक नई रिपोर्ट में ये बात कही गई है। सोशल कम्युनिटी प्लेटफॉर्म लोकलसर्कल्स के अनुसार अधिकांश लोग बिलिंग फॉर्मेट और अस्पताल के बिलों में विवरण की कमी से खुश नहीं थे। रिपोर्ट में भारत के 305 जिलों में स्थित लगभग 23,000 नागरिकों का सर्वे किया गया, जिसमें 67 प्रतिशत पुरुष थे।

ग्रीस के जंगल में 2024 में लगी पहली बड़ी आग, तीन घायल

एथेंस, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिणी ग्रीस के क्रेते द्वीप के जंगलों में इस वर्ष लगी पहली बड़ी आग में तीन लोग घायल हो गए। यह जानकारी अग्निशामक अधिकारियों ने दी। आग द्वीप के दक्षिणपूर्वी हिस्से में इरापेट्रा सिटी के बाहरी क्षेत्र के एक जंगली इलाके में लगी। एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, आग की लपटों पर काबू पाने के लिए 169 अग्निशामकों को तैनात किया गया। इसके लिए पानी की बौछार करनेवाले चार हेलीकॉप्टरों का भी उपयोग किया गया। एक बुजुर्ग व्यक्ति को गंभीर हालत में अस्पताल में भर्ती किया गया, जबकि पास की बस्ती में रहने वाली एक महिला और एक दमकलकर्मी मामूली रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने एहतियात के तौर पर आपातकालीन अलर्ट जारी कर चार गांवों के लगभग 300 निवासियों को अपने घरों को खाली करने के लिए कहा। जलवायु संकट एवं नागरिक सुरक्षा मंत्रालय के अनुसार, शनिवार को पूरे देश में कुल 71 जंगल में आग लगी। उच्च तापमान, जलवायु परिवर्तन से जुड़ी हीटवेव और आगजनी के कारण ग्रीस में प्रत्येक वर्ष गर्मियों में कई जंगलों में आग लग जाती है। 2023 में जंगल में आग लगने से 20 लोगों की मौत हुई थी।

ऑस्ट्रेलिया के एनएसडब्ल्यू में भारी बारिश, बाढ़ से राज्य में काफी नुकसान

सिडनी, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के न्यू साउथ वेल्स राज्य (एनएसडब्ल्यू) में भारी बारिश और उसके बाद आई बाढ़ से राज्य में आवासों को बहुत नुकसान पहुंचा है।एनएसडब्ल्यू राज्य आपातकालीन सेवा (एसईएस) ने रविवार सुबह एक बयान में कहा कि वह एनएसडब्ल्यू के दक्षिण-पूर्व में एक तटीय क्षेत्र इलवारा और उत्तरी सिडनी के समुद्र तटों में क्षति का आकलन कर रहा है और पाया है कि 20 संपत्तियां क्षतिग्रस्त हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार, भारी बारिश के बाद कुछ आवास के छत क्षतिग्रस्त हो गए हैं। एसईएस, एनएसडब्ल्यू के एक शहर पेनरिथ के पश्चिम में और फिर हॉक्सबरी नेपियन नदी के साथ अन्य क्षेत्रों में नुकसान का भी आकलन करेगा। वक्तव्य के अनुसार,हॉक्सबरी नेपियन नदी प्रणाली के साथ नदी में बाढ़ आई है, एनएसडब्ल्यू के एक शहर नॉर्थ रिचमंड में भी बाढ़ आई है।

■ भारी बारिश से ग्रेटर सिडनी जल आपूर्ति बांधों में से कई टूट रहे

एसईएस ने रविवार को स्थानीय समयानुसार सुबह पांच बजे तक 1,877 घटनाएं दर्ज की थीं और पिछले 24 घंटों में 146 लोगों का बाढ़ से बचाव किया है।

इसके अलावा, एनएसडब्ल्यू के सरकारी स्वामित्व वाले एक निगम, वॉटरएनएसडब्ल्यू ने शनिवार को कहा कि सिडनी के जल आपूर्ति जलग्रहण में भारी बारिश के बाद, ग्रेटर सिडनी जल आपूर्ति बांधों में से कई बांध टूट रहे हैं।

बाढ़ में फंसे करीब 800 लोगों को सुरक्षित निकाला

बीजिंग। चीन के दक्षिणी गुआंग्डोंग प्रांत के किंगयुआन जिले के यिंगदे काउंटी में बाढ़ के कारण खतरे में फंसे 832 लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया है। सरकारी चाइना सेंट्रल टेलीविजन ब्रॉडकास्टर ने रविवार को यह जानकारी दी। ब्रॉडकास्टर ने बताया कि आज सुबह तक यिंगडे स्टेशन पर पानी का स्तर 30.07 मीटर (98.6 फुट) तक पहुंच गया और खतरे के गंभीर निशान को पार कर गया। रिपोर्ट में कहा गया है कि जलाशयों के किनारे स्थित घरों और व्यावसायिक इमारतों में पानी भर गया है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि अधिकारियों ने हालांकि संबंधित निकायों को बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में स्कूलों और उद्यमों के संचालन को निलंबित करने का निर्देश नहीं दिया है।

तैयारी *पाक-ईरान गैस पाइपलाइन के 80 किमी खंड को पूरा करने का काम शुरू*

अमेरिका की चेतावनी के बीच हो रहा विकास कार्य

इस्लामाबाद, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान ने ग्वादर से पाक-ईरान गैस पाइपलाइन के 80 किलोमीटर लंबे खंड के निर्माण का काम शुरू कर दिया है। यह निर्माण ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी द्वारा 22 अप्रैल को पाकिस्तान की संभावित यात्रा के मद्देनजर किया जा रहा है, जिससे इसको परियोजना के ईरानी खंड से जोड़ा जा सके। यह जानकारी जिओ न्यूज ने रविवार को दी। जिओ न्यूज ने ऊर्जा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी के हवाले से यह कहा है ।

उन्होंने कहा कि आईएसजीएस ने पहले ही बहुप्रतीक्षित सलाहकारों द्वारा सर्वेक्षण और फ्रंट-एंड इंजीनियरिंग डिजाइन (एफईईडी) के पुन: सत्यापन की निविदाएं जारी कर दी हैं।

द्विपक्षीय परियोजना के लिए यह विकास अमेरिका के स्पष्ट विरोध और संभावित प्रतिबंधों की चेतावनी के बीच हो रहा है, जिसमें लगभग एक दशक की देरी हुई है क्योंकि इसे दिसंबर 2014 में पूरा होना था और उसके बाद जनवरी 2015 में संचालित करना था।

वर्षों से, पाकिस्तान कहता रहा है कि ईरान पर लगाए गए अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण वह अपने क्षेत्र में इस परियोजना को अमल में नहीं ला सकता है, एक ऐसा दृष्टिकोण जिसे ईरानी अधिकारियों ने कभी स्वीकार नहीं किया क्योंकि उनका मानना है कि अमेरिकी प्रतिबंध अनुचित है। ईरान ने हालांकि, जनवरी में, इस्लामाबाद को कहा कि वह फरवरी-मार्च 2024 तक पाइपलाइन के अपने हिस्से को पूरा कर ले या 781 किलोमीटर की परियोजना के गैस बिक्री खरीद समझौते (जीएसपीए) के अंतर्गत दंड के रूप में 18 अरब डॉलर के जुर्माने का सामना करने के लिए तैयार रहे। अधिकारी के अनुसार, पाइपलाइन के 80 किलोमीटर खंड का निर्माण फ्रांस में मध्यस्थता से बचने के लिए आवश्यक है क्योंकि पाकिस्तान पर उपरोक्त जुर्माना लगाया जा सकता है। इसके अलावा, उन्होंने यह भी कहा कि प्रारंभिक सर्वेक्षण और एफईईडी का पुन: सत्यापन बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि 80 किलोमीटर के खंड में दो संपीडक हैं, एक सीमा पर और दूसरा ग्वादर में। एक बार प्रक्रिया पूरी होने के बाद, अधिकारी भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया शुरू करेंगे, जिसके बाद ईपीसी अनुबंध दिया जाएगा। ऊर्जा मंत्रालय के अधिकारी ने कहा कि 44 अरब रुपए की लागत से 24 महीने में पूरी होने वाली इस परियोजना के लिए, वित्त मंत्रालय द्वारा जीआईडीसी के मद से आवश्यक धनराशि उपलब्ध कराने में अपेक्षित असमर्थता के बीच पेट्रोलियम डिवीजन बजट में पीएसडीपी से परियोजना के लिए पर्याप्त राशि की मांग करेगा।

■ परियोजना को दिसंबर 2014 में होना था पूरा

दुनिया को जानें

'फूल अर्थव्यवस्था' का विकास जारी रखता है सान्या गुलाब संस्कृति दिवस

बीजिंग, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दक्षिण चीन के हाईनान प्रांत के सान्या के खूबसूरत यालुंगवान क्षेत्र में 9 से 13 अप्रैल तक सान्या गुलाब संस्कृति दिवस 2024 का आयोजन होगा। यह रोमांचक कार्यक्रम विभिन्न प्रकार की गतिविधियों की पेशकश करेगा, जिनमें से कुछ पूरे महीने जारी रहेंगी। इस साल गुलाब संस्कृति दिवस की थीम 'फूलों से समृद्ध मुक्त व्यापार बंदरगाह' है, जो कि सान्या के आकर्षण और अंतरराष्ट्रीय तत्वों को प्रदर्शित करेगा। उपस्थित लोग विभिन्न रोमांचक कार्यक्रमों का इंतजार कर सकते हैं, जिनमें उद्घाटन समारोह, एक हलचल भरा फूल बाजार, ट्रॉपिकल गुलाब बैठक, फूल उद्योग मंच, कला परेड और समापन समारोह आदि शामिल हैं। विशिष्ट अतिथि, जैसे चीन में विभिन्न देशों के राजदूत और सान्या के अंतरराष्ट्रीय सहयोगी शहरों के प्रतिनिधि, उद्घाटन समारोह और ट्रॉपिकल गुलाब बैठक में भाग लेंगे। इस साल के गुलाब संस्कृति दिवस के तीन लक्ष्य हैं। पहला, अप्रैल में सान्या के पर्यटन बाजार को बढ़ावा देना, दूसरा, चीन और विदेशों में मैत्रीपूर्ण शहरों के साथ सहयोग को बढ़ावा देकर संस्कृति और पर्यटन के संयोजन का एक नया मॉडल बनाना।

प्रादेशिकी

तंवर के आवास पर आशीर्वाद देने पहुंचे गणेशीलाल

सिरसा। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने अपने दौरे के दौरान भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार डॉ. अशोक तंवर के अभियान को टॉप गियर में ला दिया। वहीं रविवार को ओडिशा के पूर्व राज्यपाल भी श्री तंवर के आवास पर जाकर उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं की नाराजगियों को दूर करते हुए श्री खट्टर ने जिस तरह से डॉ. अशोक तंवर के लिए आशाओं की किरणों को जिंदा किया, उससे हर पार्टी कार्यकर्ता उत्साहित है। वहीं ओडिशा के पूर्व राज्यपाल प्रो. गणेशीलाल रविवार को हुडा सैक्टर स्थित डा. अशोक तंवर के निवास पर पहुंचे और उन्हें अपना आशीर्वाद दिया।

मुख्यमंत्री सुक्खू आज से अपने गृह जिला में बैठकर चुनावी रणनीति पर मंथन करेंगे

शिमला, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू आज से अपने गृह जिला में बैठ कर चुनावी रणनीति पर मंथन करेंगे। मुख्यमंत्री नदौन , हमीरपुर व अन्य क्षेत्रों के कांग्रेस पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं के साथ बैक कर न सिर्फ लोक सभा, बल्कि हमीरपुर, सुजानपुर व बड़सर विधान सभा क्षेत्रों की उप चुनाव की रणनीति व प्रत्याशियों को लेकर पार्टी पदाधिकारियों के साथ चर्चा करेंगे।

मुख्यमंत्री का फोकस बागी होकर भाजपा में शामिल हुए इंद्र दत्त लखनपाल व राजेंद्र राणा दोनों को उनके चुनावी हलकों में घेरने के साथ निर्दलीय आशीष शर्मा को हमीरपुर में पटखनी देने पर होगा। हालांकि आशीष शर्मा के चुनाव क्षेत्र हमीरपुर में अभी उप चुनाव की घोषणा नहीं हुई , मगर उनके त्याग पत्र के बाद देर सबेर चुनाव होना तय है। लिहाजा मुख्यमंत्री ने दिल्ली से सीधे हमीरपुर पहुंचने की योजना बनाई है।

मुख्यमंत्री सुखविन्द्र सिंह सुक्खू

सोमवार 8 अप्रैल को दिल्ली से सीधे कांगड़ा आएंगे। यहां गग्गल एयरपोर्ट से वह नादौन के लिए रवाना होंगे। उनका सुबह 11 बजे नादौन पहुंचने का कार्यक्रम है। यहां आकर वह स्थानीय बैठकों में शामिल होंगे और रात्रि विश्राम यहीं पर रहेगा। 9 अप्रैल को सीएम सुबह हमीरपुर जाएंगे। हमीरपुर में बागी आशीष शर्मा भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। कांग्रेस को हमीरपुर के साथ साथ राजेंद्र राणा व लखनपाल को पटखनी देने के लिए सुजानपुर व बड़सर में दमदार उम्मीदवारों की तलाश है। सूत्रों का कहना है कि तीनों ही हलकों से उप मुख्यमंत्री के हमीरपुर प्रवास के केंद्र में लोक सभा चुनाव भी होगा। कांग्रेस ने अभी हमीरपुर से अधिकारिक तौर पर उम्मीदवार की घोषणा नहीं की है। मगर मुख्यमंत्री ने कुटलैहड़ में सतपाल रायजादा को उम्मीदवार बनाने की घोषणा की थी। हमीरपुर में रायजादा का मुकाबला केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर से होगा। हमीरपुर संसदीय सीट पर कांग्रेस 1998 से जीत का स्वाद नहीं चख सकी है। 1998,1999 व 2004 में यहां से भाजपा के सुरेश चंदेल जीते। 2007 के उप चुनाव में प्रो. धूमल विजयी हुई। 2008 के उप चुनाव में अनुराग ठाकुर लगातार चार चुनाव यहां से जीत चुके हैं।

सुक्खू ने केवल महिलाओं को ठगा : वंदना

ऊना। भारतीय जनता पार्टी महिला मोर्चा की प्रदेश अध्यक्ष वंदना योगी ने कहा कि मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू ने केवल हिमाचल प्रदेश की महिलाओं को ठगा है। सुश्री योगी ने कहा कि हिमाचल प्रदेश की 27 लाख महिलाएं अपने आप को केवल मात्र ठगा महसूस कर रही हैं, जब सत्ता में आना था तो 1500 रुपये प्रति महीने का राग इस सरकार ने गाया। पर उसके बाद जब सत्ता में आए तो अभी तक उसको लेकर कुछ भी नहीं किया केवल मात्र जनता की आंखों में धूल झोंकने का काम इस कांग्रेस की सरकार ने किया है, रोना रोने वाली इस सरकार ने एक साल में 14000 करोड़ का ऋण ले लिया और अब ठन ठन गोपाल होकर केवल मात्र दोषारोपण का कार्य कर रही है। जब कांग्रेस विधानसभा का चुनाव लड़ रही थी तो इनके राष्ट्रीय नेता प्रियंका गांधी वाड्रा और प्रदेश के नेता सुक्खू, अग्निहोत्री, सुंदर सिंह, नंद लाल, विक्रमादित्य, राजीव शुक्ला, भागेल, अवस्थी, विनय सभी ने कहा था कि अगर घर पर एक महिला होगी तो हर महीने उनके खाते में 1500 मिलेंगे, दो तो 3000, तीन तो 4500 और चार तो 6000 मिलेंगे।

चुनाव में टिकट के लिए कई कांग्रेस नेता ताल ठोक रहे हैं। लिहाजा मुख्यमंत्री कांग्रेस पदाधिकारियों से इसे बारे मंत्रणा करेंगे। मुख्यममंत्री कार्यकर्ताओं के साथ चर्चा के बाद रात्रि विश्राम के लिए नादौन जएंगे। 10 अप्रैल को उनका वापस हमीरपुर जाने का कार्यक्रम है जहां से वह सुजानपुर या बड़सर जा सकते हैं। शाम को वापस नादौन आएंगे। 11 अप्रैल को नादौन में ही कार्यकर्ताओं के साथ बैठकें रखी गई हैं।

प्रियंका हिमाचल के लोक सभा चुनाव को लेकर सोशल मीडिया पर सक्रिय हुई

शिमला, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। कांग्रेस की स्टार प्रचारकों में शुमार प्रियंका गांधी हिमाचल के लोक सभा चुनाव को लेकर सोशल मीडिया पर सक्रिय हुई हैं। उन्होंने विश्वास जताया है कि हिमाचल के लोग उनकी पार्टी का समर्थन करेंगे। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां भाजपा पैसे और एजेंसियों का उपयोग करके सत्ता हासिल करने की कोशिश कर रही है , वहीं दूसरी ओर सच्चाई , साहस और धैर्य के साथ लोगों के लिए अथक प्रयास करने का कांग्रेस का संकल्प है। सोशल मीडिया प्लेट फॉर्म एक्स पर उन्होंने लिखा कि मैंने हिमाचल प्रदेश में कांग्रेस पार्टी के सभी नेताओं से मुलाकात की। मुझे उनकी एकता, कड़ी मेहनत, मजबूती से चुनाव लड़ने के साहस और लोगों के प्रति उनके समर्पण पर गर्व है। मुझे पूरा विश्वास है कि जनता हमारा साथ देगी और सच्चाई की जीत होगी। उन्होंने लिखा कि भाजपा का भय , लालच और झूठ का साम्राज्य है। धनबल और एजेंसियों के माध्यम से सत्ता के लिए लोकतंत्र को खत्म करने वाली राजनीति है। कांग्रेस के पास सत्य , साहस और धैर्य से जनता के लिए अथक परिश्रम करने का संकल्प है। मुझे पूरा विश्वास है कि जनता हमारा साथ देगी और जीत सत्य की ही होगी। उल्लेखनीय है कि प्रदेश में एक जून को चारों लोक सभा सीटों के साथ साथ छह विधान सभा हलकों में भी उप चुनाव होने हैं। 2014 व 2019 के लोक सभा चुनाव में भाजपा ने प्रदेश की चारों संसदीय सीटों पर जीत

दर्ज की थी। मंडी से भाजपा के सांसद राम स्वरूप शर्मा के आकस्मिक निधन के बाद 2021 के लोक सभा उप चुनाव में यहां से प्रतिभा

कांग्रेस के पास सत्य, साहस और धैर्य से जनता के लिए अथक परिश्रम करने का संकल्प है। मुझे पूरा विश्वास है कि जनता हमारा साथ देगी और जीत सत्य की ही होगी: प्रियंका गांधी

सिंह विजयी हुई। मगर अब कांग्रेस को लोक सभा के साथ साथ पार्टी में बगावत के बाद छह विधान सभा सीटों पर उप चुनाव में भी जूझना पड़ रहा है। दरअसल प्रदेश की सियासत किस तरफ आगे बढ़ेगी यह उप चुनाव के नतीजों के बाद तय होगा। संभवत: यही वजह है कि उम्मीदवारों के चयन को लेकर कांग्रेस खासा मशक्कत कर रही है।

सार संक्षेप

बद्रीनाथ धाम में मास्टर प्लान के दूसरे चरण का काम शुरू

चमोली। दुनियांभर के हिन्दू मतालंबियों की धार्मिक आस्था के प्रतीक बदरीनाथ धाम में मास्टर प्लान के दूसरे चरण के कार्य शुरू हो गए हैं। धाम में गर्मी बढ़ते ही बर्फ भी पिघलनी शुरू हो गई है। ऐसे में प्रशासन ने निर्माण कर रहे सभी ठेकेदारों को बदरीनाथ धाम में तेजी के साथ मास्टर प्लान के कार्य शुरू करने के निर्देश दिए हैं। बदरीनाथ धाम में 100 मजदूरों की टीम मास्टर प्लान के कार्यों में लग गई है, जो पैदल रास्तों से बर्फ हटाने का काम कर रही है। बदरीनाथ धाम में पहले फेज में लूप रोड, रिवर फ्रंट डेवलपमेंट, मंदिर परिसर का सौंदर्यीकरण, अराइवल प्लाजा, आधुनिक तकनीक से निर्मित अस्पताल का निर्माण और बाईपास सड़क का निर्माण किया गया है। जोशीमठ के उप जिलाधिकारी चंद्रशेखर वशिष्ठ ने बताया कि प्रशासन की टीम द्वारा लगातार बदरीनाथ धाम में दूसरे चरण के कार्यों के लिए भवनों का ध्वस्तीकरण किया जा रहा है। जिसके लिए प्रशासन की टीम के साथ-साथ ठेकेदार के मजदूर और मशीन बदरीनाथ धाम पहुंच चुकी है।

कच्चे कर्मियों का सरकार कर रही है शोषण : संघ

भिवानी। सर्व कर्मचारी संघ ने रविवार को आरोप लगाया कि हरियाणा की भारतीय जनता पार्टी सरकार के विभागों में वर्षों से कार्यरत एक लाख 70 हजार कच्चे कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है।संघ के जिला कमेटी प्रधान सूरजभान जटासरा ने यहाँ जारी बयान में आरोप लगाया कि दिन-रात काम करने वाले इन कच्चे कर्मियों को 20-25 साल नौकरी उपरांत भी न सिर्फ पक्का नहीं किया गया बल्कि इन्हें वेतन में बढ़ोतरी, महंगाई भट्ट, सामाजिक सुरक्षा की गारंटी भ नहीं मिलती। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछले 10 वर्षो से सभी महकमों के कच्चे ही नहीं पक्के कर्मचारी भी अपनी मांगों को लेकर आंदोलनरत्त हैं लेकिन सरकार ने किसी की भी कोई सुनवाई नहीं की, बल्कि कई मौकों पर प्रदर्शनकारियों के खिलाफ बलप्रयोग किया गया।

कांग्रेस अच्छे विपक्ष की भूमिका में खरा नहीं उतर रही : काजल

धर्मशाला। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष व कांगड़ा विधानसभा क्षेत्र के विधायक पवन काजल ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस पार्टी आज लोकतंत्र में अच्छे विपक्ष की भूमिका में भी खरा नहीं उतर पा रही है। श्री काजल ने कहा कि आखिर कांग्रेस एक गांधी-नेहरू परिवार व राहुल गांधी को लांच करने में अपनी सारी एनर्जी लगा रही है। इसके लिए देश की सभी पार्टियों तक का सहारा लिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्वतंत्र लोकतंत्र के लिए खतरा बनता जा रहा है, जिसमें एक गांधी परिवार की साख बचाने के लिए राष्ट्रीय सहित स्वतंत्र क्षेत्रीय पार्टियों तक से देश को गिरवी रखने वाली शर्तों के साथ गठबंधन किया जा रहा है।

सुडोकू 6518 का हल

6	7	9	3	5	1	2	4	8
8	4	5	2	6	9	1	7	3
1	3	2	4	7	8	6	9	5
5	6	8	9	2	7	3	1	4
3	1	7	8	4	5	9	2	6
9	2	4	6	1	3	8	5	7
2	9	3	7	8	4	5	6	1
7	8	1	5	9	6	4	3	2
4	5	6	1	3	2	7	8	9

मंत्री विक्रमादित्य और पीसीसी चीफ ने सोनिया गांधी से की मुलाकात

शिमला, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। हिमाचल कांग्रेस के युवा तुर्क एवं लोक निर्माण मंत्री विक्रमादित्य सिंह व उनकी माता पीसीसी चीफ प्रतिभा सिंह ने रविवार को दिल्ली में कांग्रेस की वरिष्ठ नेता एवं पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष सोनिया गांधी से मुलाकात की।

प्रतिभा सिंह व विक्रमादित्य सिंह की सोनिया गांधी से मुलाकात के

■ प्रदेश में बीते कुछ दिनों से कांग्रेस में उथल पुथल का दौर मचा हुआ है

सियासी मायने निकाले जाने हैं। इसकी वजह बीते रोज ही मंडी संसदीय सीट से प्रतिभा सिंह के साथ साथ विक्रमादित्य सिंह के नाम की भी उम्मीदवार के तौर पर चर्चा शुरू होना है। प्रतिभा सिंह मंडी की मौजूदा सांसद हैं। प्रतिभा सिंह इससे पहले 2004 के आम चुनाव तथा 2013 में मंडी लोक सभा सीट पर हुए उप चुनाव में भी सांसद चुनी गई थी। प्रतिभा सिंह से पहले उनके पति स्व. पूर्व मुख्यमंत्री 1971,1980 व 2009 में मंडी से सांसद चुने जा चुके हैं। वह 1977 में जनता पार्टी के स्व. गंगा सिंह ठाकुर से चुनाव हार गए थे। प्रदेश में बीते कुछ दिनों से कांग्रेस में उथल पुथल का दौर मचा हुआ है। राज्य सभा चुनाव में क्रास वोटिंग इसकी वजह है। सियासी उथल पुथल के दौर के बीच बीते दिनों प्रतिभा सिंह ने मंडी से लोक सभा चुनाव लड़ने से इनकार कर दिया था। मगर इसके बाद चंडीगढ़ में हुई प्रदेश कांग्रेस की समन्वय समिति की बैठक के बाद उन्होंने कहा कि हाई कमान उनके चुनाव लड़ने बारे जो भी फैसला लेगा वह माना जाएगा। इसके बाद विक्रमादित्य सिंह मंडी में पूरी तरह सक्रिय हुए। भाजपा उम्मीदवार कंगना रनौत पर उन्होंने सम्मान के साथ सधे हुए शब्दों में निशाना भी साधा। मगर बीते रोज दिल्ली में कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक से पहले मंडी संसदीय सीट से विक्रमादित्य सिंह का नाम भी कांग्रेस पैनल में शामिल होने की चर्चा तेज हुई।

मंडी से कांग्रेस उम्मीदवारों के पैनल में विक्रमादित्य सिंह व प्रतिभा सिंह दोनों का नाम होने के बाद आज उन्होंने सोनिया गांधी से मुलाकात की। मुलाकात के बाद एक बात तय हो रही है कि बुशैहर राजपरिवार को कोई सदस्य ही 2024 में मंडी से कांग्रेस उम्मीदवार होगा। मगर पार्टी युवा विधायक विक्रमादित्य सिंह पर दाव खेलती है अथवा मौजूदा सांसद प्रतिभा सिंह को चुनाव मैदान में उतारने का फैसला लेती है यह समय के अंतराल में छिपा है।

कांग्रेसी नेता दिनेश अग्रवाल ने थामा भाजपा का दामन

देहरादून, 7 अप्रैल (देशबन्धु) उत्तराखंड कांग्रेस के दिग्गज नेता दिनेश अग्रवाल ने रविवार को भाजपा का दामन थाम लिया है। जिससे कांग्रेस को गहरा राजनीतिक झटका लगा है।

राजनीतिक गलियारों में चर्चा है कि दिनेश अग्रवाल पिछले काफी समय से कांग्रेस में खुद को उपेक्षित महसूस कर रहे थे। शनिवार को लंबे गिले-शिकवों के बाद उन्होंने कांग्रेस का हाथ छोड़ दिया। दिनेश अग्रवाल सात बार विधायक का टिकट पाने, मेयर का टिकट पाने और मंत्री भी रह चुके हैं। दिनेश अग्रवाल 1993 और 1996 में उत्तर प्रदेश

के समय देहरादून विधानसभा सीट से चुनाव लड़े, लेकिन हरबंस कपूर से हार गए। राज्य बनने के बाद 2002 व 2007 में लगातार दो चुनाव में उन्होंने लक्ष्मण चैक सीट पर नित्यानंद स्वामी को हराया। फिर 2012 में धर्मपुर विधानसभा सीट पर प्रकाश ध्यानी को हराकर विधायक बने। 2017 के चुनाव में वह भाजपा के विनोद चमोली से हार गए। इसके बाद 2018 में मेयर नगर निगम का चुनाव भी हार गए। इन दो हार के बाद से दिनेश अग्रवाल पार्टी में तो रहे, लेकिन उनकी भूमिका ज्यादा प्रभावशाली नहीं थी। पिछले कुछ दिनों से उनके बगावती सुर सुनने को मिलने लगे थे। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष प्रीतम सिंह, पार्टी प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने उन्हें मनाने की पुरजोर कोशिश की। जिसमें वे नाकाम रहे।

सोमवती अमावस्या के लिए धर्मनगरी में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

हरिद्वार, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। सोमवती अमावस्या सोमवार आठ अप्रैल को है। इसके चलते वीकेंड पर धर्मनगरी हरिद्वार में देश के कई राज्यों की भीड़ उमड़ रही है। रविवार को सुबह से ही भीड़ में और बेतहाशा वृद्धि हो गई। बड़ी संख्या में पर्यटकों के आगमन

इंद्र योग में इस दिन स्नान, दान करने से पितृ तो प्रसन्न होते ही हैं उनका आशीर्वाद बना रहता है

से यहां होटल, आश्रम और धर्मशाला सब पूरी तरह पैक हो चुके हैं। सोमवती अमावस्या को लेकर हालांकि जिला प्रशासन ने 29 जोन और 39 सेक्टर में बांटकर सोमवती अमावस्या को संपन्न करने का पूरा प्लान तैयार किया है। भारी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने से यहां वाहनों का भी भारी दबाव हो गया है। हाईवे पर सुबह से ही जाम की स्थिति बनी हुई है। यही नहीं नजीबाबाद से आने वाले वाहनों के लिए पंजाब और हरियाणा से आने वाले वाहनों के लिए अलग व्यवस्था की है। साथ ही सिडकुल क्षेत्र से आने वाले वाहनों के लिए अलग व्यवस्था की गई है । वाहनों का दबाव बढ़ने पर ऑटो विक्रम व ई रिक्शा को डायवर्ट किया जाएगा। लेकिन अभी हालात जस के तस हैं। रविवार की भीड़ ने पूरे संकेत दे दिए कि सोमवती अमावस्या के दिन यहां क्या हाल होगा । बता दें कि इस बार सोमवती अमावस्या का स्नान बहुत ही दुलर्भ संयोग के साथ पड़ा है। इंद्र योग में इस दिन स्नान, दान करने से पितृ तो प्रसन्न होते ही हैं उनका आशीर्वाद बना रहता है। अमावस्या तिथि आठ अप्रैल की सुबह तीन बजकर 31 मिनट पर शुरू होगी और इस तिथि का समापन इसी दिन मध्य रात्रि 11 बजकर 50 मिनट पर होगा।

भाजपा के शासन में देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था तार-तार हुई : सुप्रिया श्रीनेत

भाजपा सरकार जनहितों की सुरक्षा में पूरी तरह से फेल

■ अमरनाथ तिवारी

देहरादून, 7 अप्रैल (देशबन्धु) कांग्रेस नेत्री सुप्रिया श्रीनेत ने मेनिफेस्टो न्याय पत्र के पांच न्याय और 25 गारंटियों के बारे में बताते हुए भाजपा पर भी जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि भाजपा के शासन में देश की लोकतांत्रिक व्यवस्था तार-तार हुई है। साथ ही मोदी सरकार देश में भ्रष्टाचार के विकास के अलावा कोई काम नहीं किया। जिससे देश की जनता में हताशा और निराशा का माहोल है। राजीव भवन में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कांग्रेस की तेज तर्रार प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने कहा कांग्रेस का घोषणापत्र कमरे में बैठकर पूंजीपतियों से काल में बेरोजगारी चरम सीमा पर है, इसलिए बेरोजगारी दूर करने के लिए कांग्रेस ने युवा न्याय की बात की है। जिसमें 30 लाख रिक्त सरकारी पदों को भरा जाएगा। हर शिक्षित युवा को एक लाख की अप्रेंटिसशिप का अधिकार दिया जाएगा। पेपर लीक रोकने के लिए सख्त कानून बनाया जाएगा। सुप्रिया श्रीनेत ने कहा उत्तराखंड के युवा भर्ती होकर

उत्तराखंड के युवा भर्ती होकर अपने पराक्रम का परिचय देते थे, लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार अग्निवीर योजना लाकर युवाओं के साथ धोखा किया है : सुप्रिया श्रीनेत

अपने पराक्रम का परिचय देते थे, लेकिन केंद्र की भाजपा सरकार अग्निवीर योजना लाकर युवाओं के साथ धोखा किया है। उन्होंने कहा कांग्रेस अगर सत्ता में आती है तो अग्निवीर योजना समाप्त करके पूर्व की भांति सेना में भर्तियां की जाएंगी। इसी तरह महालक्ष्मी योजना के तहत हर गरीब परिवार की एक महिला को हर साल एक लाख रुपए दिए जाएंगे। सुप्रिया ने एमएसपी कानूनी गारंटी, श्रमिक न्याय, हिस्सेदारी न्याय की भी उपलब्धियां बताई। इसके अलावा उन्होंने सामाजिक व आर्थिक समानता के लिए हर व्यक्ति हर वर्ग की गिनती किए जाने पर भी अपनी बात रखी। इससे पूर्व कांग्रेस नेत्री और तेज तर्रार प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत रविवार को देहरादून पहुंची।

चुनाव बहिष्कार करना पड़ा भारी! शांति भंग में 30 से अधिक ग्रामीणों का कटा चालान

ऋषिकेश, 7 अप्रैल (देशबन्धु) पौड़ी लोकसभा संसदीय सीट के अंतर्गत आने वाले यमकेश्वर विधानसभा के गंगा भोगपुर मल्ला के ग्रामीणों को लोकसभा चुनाव का बहिष्कार करना भारी पड़ गया। मामले में लक्ष्मण झूला थाना पुलिस ने 30 से ज्यादा लोगों का शांतिभंग के तहत चालान कर दिया। जिसके चलते गंगा भोगपुर में चुनावी माहौल गरमा गया है। राजनीतिक पार्टियां इसे द्वेष भावना के रूप में देख रही है तो विपक्षी पार्टी इसे चुनावी मुद्दा बनाकर भुनाने में जुट

गई है। उधर, डैमेज कंट्रोल करने की कोशिश भी की जा रही है। गढ़वाल लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली यमकेश्वर विधानसभा क्षेत्र में गंगा भोगपुर मल्ला गांव है। कहने को तो यह गांव ऋषिकेश से करीब 10 किमी की दूरी पर है लेकिन विकास की दृष्टि से गांव मूलभूत सुविधाओं से आज भी वंचित है। गंगा भोगपुर जाने के लिए ऋषिकेश से एकमात्र रास्ता है, जो बीन नदी से होकर जाता है। कई सालों से गंगा भोगपुर के ग्रामीण बीन नदी पर पुल बनाने की मांग कर रहे हैं। बरसात के मौसम में बीन नदी में बाढ़ आ जाती है, जिसके चलते गांव का संपर्क मुख्य मार्ग से कट जाता है। लोग जान जोखिम में डालकर बरसात में नदी को पार कर ऋषिकेश आते हैं। बीन नदी में पुल बनाने की मांग को लेकर ग्रामीणों ने कई बार धरना प्रदर्शन भी कियाॉ लेकिन किसी भी जनप्रतिनिधि ने उनकी इस मांग पर ध्यान नहीं दिया। इतना ही नहीं गंगा भोगपुर के ग्रामीण कौड़िया-किमसार मोटर मार्ग के निर्माण की मांग भी लंबे समय से करते आ रहे है लेकिन राजाजी टाइगर रिजर्व पार्क होने के कारण कौड़िया-किमसार जाने वाली सड़क का निर्माण भी नहीं हो रहा है। इन तमाम मांगों को लेकर ग्रामीणों ने लोकसभा चुनाव बहिष्कार करने का निर्णय लिया। जिसके बाद शासन-प्रशासन में हड़कंप मच गया। प्रशासन ने ग्रामीणों को मनाने की कोशिश भी की । लेकिन ग्रामीण मांगों को लेकर अड़े रहे। जिसके बाद थाना लक्ष्मणझूला पुलिस ने 33 ग्रामीणों का शांतिभंग में चालान कर दिया।

■ राजनीतिक पार्टियां इसे द्वेष भावना के रूप में देख रही है तो विपक्षी पार्टी इसे चुनावी मुद्दा बनाकर भुनाने में जुट गई है

प्रादेशिकी

मवाना में चार वांछित अपराधियों को थाना पुलिस ने भेजा जेल

मवाना, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। आलाधिकारियों के आदेश पर थाना क्षेत्र में अपराधियो की धर पकड हेतु चलाये गये अभियान थाना पुलिस ने थाना प्रभारी सुभाष सिंह के नेतृत्व में रविवार को अलग अलग मामलों में वाछिंत नगर की मोहल्ला मुन्नालाल निवासी कुद्दुस पुत्र हनीफकुवड़ा काबली गेट निवासी मदन सिंह पुत्र राजाराम थाना बहसूमा के रहावती निवासी सोनू उर्फ परविंदर पुत्र हरवीर और दौराला थाना क्षेत्र लोइया निवासी प्रमोद कुमार पुत्र रामफल गिरफ्तार के अदालत में पेश किया। थाना प्रभारी सुभाष सिंह ने बताया कि लोकसभा चुनाव के मददेनजर क्षेत्र में वाछिंत अपराधियों की धर पकड के लिए अभियान चलाया जा रहा है। रविवार को अलग अलग मामलों में वाछिंत चार आरोपियों को गिरफ्तार कर अदालत में पेश किया।

देश में अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंच रहीं स्वास्थ्य सेवाएं : डा.सुधीर गिरि

- वेंक्टेश्वरा में स्वास्थ्य जागरूकता सप्ताह का हुआ समापन
- छात्र-छात्राओं को स्मृति चिन्ह व सर्टीफिकेट देकर किया सम्मानित

मेरठ, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर वेंक्टेश्वरा इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साईन्सेस एवं वी.जी.आई. मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में पांच दिवसीय दो अप्रैल से सात अप्रैल तक हैल्थ अवेयरनैस वीक का शानदार समापन हुआ। वर्ल्ड हैल्थ डे दो अप्रैल से सात अप्रैल तक के उपलक्ष्य में विम्स के चर्म रोग विभाग, एस.वी.यू., स्कूल ऑफ नर्सिंग एवं वी.जी.आई. मेरठ के संयुक्त तत्वावधान में स्वास्थय जागरूकता रैली, पोस्टर मैकिंग प्रतियोगिता, राष्ट्रीय स्वास्थय संगोष्ठी, नशामुक्त भारत एवं कन्या भ्रूण हत्या निषेध को लेकर नुक्कड़ नाटिका, क्विज कम्पीटिशन, हस्ताक्षर अभियान समेत एक दर्जन से अधिक शानदार स्वास्थय जागरूकता कार्यक्रमों का हुआ आयोजन। शुभारम्भ समूह चेयरमैन डॉ.सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी, डीन डॉ. अतुल वर्मा, डीन एकेडमिक डॉ. संजीव भट्ट, डॉ. रोहन त्यागी आदि ने सरस्वती मां की प्रतिमा के सन्मुख दीप प्रज्जवलित करके किया। इस हैल्थ अवेयरनैस वीक में राष्ट्रीय स्वास्थय संगोष्ठी, पोस्टर प्रदर्शनी, गुप्त एवं चर्मरोग की सटीक जांच एवं प्रभावी उपचार, नशा मुक्त भारत एवं भ्रूण हत्या निषेध विषय पर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। समापन समारोह में विभिन्न प्रतियोगिताओं के विजेता छात्र-छात्राओं को समूह चेयरमैन डॉ. सुधीर गिरि ने प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी के साथ मिलकर स्मृति चिन्ह एवं सर्टीफिकेट देकर सम्मानित किया। वेंक्टेश्वरा समूह के संस्थापक एवं अध्यक्ष डॉ. सुधीर गिरि ने कहा कि प्रधानमंत्री के शानदार वैश्विक नेतृत्व में आज देश में अन्तिम पायदान (अन्तोदय) पर खड़े व्यक्ति के लिए चिकित्सा एवं स्वास्थय सेवाओं की पहुंच सुनिश्चित हुई। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में आज अन्तोदय तक स्वास्थय सेवाओ की पहुंच स्थापित हो चुकी है। आइए हम सब मिलकर प्रधानमंत्री के 'स्वस्थ भारत' के सपने को साकार करने में अपना प्रभावी योगदान दें। इस अवसर पर सी.ई.ओ. अजय श्रीवास्तव, हॉस्पीटल सी.ई.ओ. एच.पी. सिंह, एम.ए. चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आई.बी. राजू आदि मौजूद रहे।

अच्छा स्वास्थ्य प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी : राजीव त्यागी

प्रतिकुलाधिपति डॉ. राजीव त्यागी ने कहा कि अच्छा स्वास्थ्य सिर्फ सरकार की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री का स्वस्थ भारत का सपना सच करने के लिए प्रत्येक नागरिक की व्यक्तिगत जिम्मेदारी भी है। कहा कि केन्द्र सरकार की आयुष्मान भारत जैसी शानदार स्वास्थ्य योजनाओं से आज गरीब आदमी भी लाखों रुपए का महंगा इलाजध् ऑपरेशन बिल्कुल मुफ्त करा सकते हैं।

मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. आई.बी. राजू ने कहा कि वेंक्टेश्वरा के मेडिकल स्टूडेन्टस गांव-गांव जाकर लोगो को स्वास्थय के बारे मे जागरूक कर रहे हैं। विम्स के सी.ई.ओ. डॉ. एच.पी. सिंह ने कहा कि वेंक्टेश्वरा समूह शहरों के साथ-साथ ग्रामीण क्षेत्रों में ग्रामीण स्वास्थय केंन्द्र स्थापित कर गरीबो को नि:शुल्क उपचार दे रहा है।

राष्ट्रीय युवा महोत्सव में सुभारती के छात्रों ने लहराया परचम

मेरठ, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने 5 दिवसीय 37वें अखिल भारतीय राष्ट्रीय युवा महोत्सव 'हुनर' में भाग लिया। इस उत्सव कों पंजाब कृषि विश्वविद्यालय, लुधियाना द्वारा आयोजित किया गया । स्वामी विवेकानंद सुभारती विश्वविद्यालय ने 37वें अखिल भारतीय अंतर विश्वविद्यालय स्तर पर होने वाली प्रतियोगिता में चौंपियन होने के बाद विश्वविद्याल के छात्र-छात्राओं ने राष्ट्रीय स्तर पर भी अपना परचम फहराया। विश्वविद्यालय के छात्र-छात्राओं ने 12 विधा में से 10 विधाओं में पदक हासिल किया, जिसमें उन्होंने पोस्टर मेकिंग एवं एलोक्यूशन में प्रथम स्थान प्राप्त किया, समूह गान एवं उत्तर प्रदेश के क्रांतिधरा मेरठ को सांस्कृतिक जलूस द्वारा प्रस्तुत कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया। वहीं हिन्दुस्तानी, शास्त्रीय एकल गायन, वाद-विवाद प्रतियोगिता, लोक वृन्द वादन, व्यंग चित्रकारी, इंस्टोलेशन में तृतीय स्थान प्राप्त किया। अखिल भारतीय राष्ट्रीय प्रतियोगिता में विश्वविद्यालय के सभी विभाग के छात्र-छात्राओं ने प्रतियोगिता ली। छात्र-छात्राओ की विजय पर अखिल भारतीय राष्ट्रीय संघ के सचिव डॉ. बलजीत सिंह सेखों ने भी विजयी छात्र-छात्राओं को बधाई दी व विश्वविद्यालय को शुभकामनाएं प्रेषित की।

इंडिया एलाइंस के पास न तो कोई नेता न ही नीति : स्मृति ईरानी

- मेरठ के मंच से विपक्ष पर जमकर निशाना साधा
- अमेठी में उम्मीदवार घोषित नहीं कर पा रही कांग्रेस

मेरठ, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। रविवार को गढ़रोड स्थित राधा गोविंदमंडप में महिलाओं की एक जनसभा को संबोधित करने पहुंची भाजपा की केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने मेरठ के मंच से राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा, केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा सरकार में महिलाओं को भरपूर सम्मान मिला है, भाजपा सरकार 24 करोड़ महिलाओं का बैंक में खाता खुलवाकर फ्री में राशन दे रही है। उन्होंने कहा कि महिलाओं को यह सम्मान एक गरीब मां का बेटा ही दे सकता है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबी देखी है वह गरीबों के दुख को जानते हैं। राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कहा कि कांग्रेस अमेठी में उम्मीदवार घोषित नहीं कर पा रही है, उन्होंने ने कहा कि राहुल गांधी वायनाड में प्रतिबंधित दल के नेताओं के समर्थन से चुनाव लड़ रहे हैं। उन्होंने कहा कि आतंकी संगठन का समर्थन लेने वाली कांग्रेस लोकतंत्र के लिए खतरा है और कभी देश का उद्धार नहीं कर सकती। उन्होंने कहा कि इंडी एलाइंस का न तो नेता है और नहीं नीति है, स्मृति ईरानी ने मेरठ-हापुड़ लोकसभा सीट की जनता को भाग्यशाली बताते हुए कहा कि मेरठ और हापुड़ की जनता को राम का किरदार निभाने वाला प्रत्याशी मिला है। मेरठ की धरती पर राम के पैर पड़ने से मेरठ की जनता का जल्द उद्धार होगा। वहीं केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने 26 अप्रैल को मेरठ की जनता से सपा को रिजेक्शन का इंजेक्शन लगाने की अपील भी की है।

सार संक्षेप

पुलिस ने आठ वारटिंयों को किया गिरफ्तार

फर्रुखाबाद। पुलिस अधीक्षक विकास कुमार के अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे प्रभावी अभियान को सफल बनाते हुए रविवार को थाना फर्रुखाबाद पुलिस ने रविवार को आठ वारटियों को गिरफ्तार कर लिया। रविवार को थाना फर्रुखाबाद पुलिस ने आठ वारटियों घुमना बाजार निवासी मोहम्मद कामिल,सदवाड़ा निवासी रीतेश, चीनीग्राम निवासी अनिल कुमार गुप्ता, बागरुस्तम निवासी कौशल किशोर, सिंधी कॉलोनी निवासी देवेन्द्र कुमार, दरीबा पश्चिम निवासी दिलीप कुमार, अंगूरीबाग निवासी सुखवासी एंव जंगबाज खां निवासी इन्तिजार अली को गिरफ्तार किया है।

आपराधिक घटनाओं में लिप्त आरोपी को किया जिला बदर

मवाना। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर थाना पुलिस ने आपराधिक घटनाओं में लिप्त आरोपियों को जिला बदर किया गया है। उसे जिले की सीमा से बाहर कर दिया है। थाना प्रभारी सुभाष सिंह ने बताया कि गौकशी की घटनाओं में लिप्त यासीन पुत्र रहमान, कलवा पुत्र हसनु और काला पुत्र बुंदा को गौकशी के आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी समय-समय पर जिले में रहते हुए आपराधिक घटनाएं करता रहता है। जिलाधिकारी मेरठ को रिपोर्ट भेजी गई। जिस पर आरोपियों को एक माह के लिए जिला बदर किया गया। आदेश के अनुपालन में आरोपी के गांव में मुनादी कराते हुए उसके घर पर नोटिस चस्पा किया गया।

अवैध कच्ची शराब बरामद

फर्रुखाबाद। आबकारी आयुक्त, उप्र के आदेश व जिलाधिकारी फर्रुखाबाद के निर्देश पर जिला आबकारी अधिकारी फर्रुखाबाद के पर्यवेक्षण में प्रवर्तन अभियान के अंतर्गत आज आबकारी निरीक्षक कुमार गौरव सिंह, राजेश कुमार चौबे एवं चौकी इंचार्ज कर्नल गंज नरसिंह मय स्टाफ के साथ संयुक्त रूप से संदिग्ध ग्राम नेकपुर चौरासी में दबिश दी। दबिश के दौरान लगभग 120 किग्रा लहन नष्ट कर, 50 लीटर अवैध कच्ची शराब बरामद कर 2 अभियोग पंजीकृत किए गए। जनपद में अवैध मदिरा के निर्माण, बिक्री, परिवहन की रोकथाम हेतु प्रवर्तन कार्य निरंतर जारी रहेगा।

प्रवेश परीक्षा में सम्मिलित होंगे 434 छात्र-छात्राएं

मवाना। एएस इंटर कॉलेज मवाना में सत्र 2024- 25 की प्रवेश परीक्षा 8 अप्रैल 2024 को प्रातः 10:00 बजे आयोजित कराई जाएगी, जिसमें 434 छात्र छात्राएं सम्मिलित होंगे। नये साल से प्रवेश प्रक्रिया में बड़ा बदलाव किया गया है। प्रवेश परीक्षा में चार सेट बनाए गए हैं इसके लिए परीक्षा प्रभारी सचिन कुमार तथा अंग्रेजी माध्यम की कोऑर्डिनेटर अंजू सिंह को नोडल अधिकारी बनाया गया है। परीक्षा सीसीटीवी की निगरानी में आयोजित कराई जाएगी। परीक्षा के समय अभिभावकों को बैठने के लिए अलग से व्यवस्था की गई है। यह जानकारी देते हुए कालेज प्रबंधन समिति के अध्यक्ष अखिल कुमार कौशिक, प्रबंधक पवन कुमार रस्तोगी तथा प्रधानाचार्य डॉक्टर मेघराज सिंह ने बताया कि प्रबंधन का उद्देश्य है कि छात्र-छात्राओं को ट्यूशन की प्रथा से अलग किया जाए।

एडीजी व आयुक्त मेरठ मंडल ने किया नौचंदी मेले का उद्घाटन

मेरठ, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। एडीजी रुवकान्त ठाकुर व आयुक्त मेरठ मंडल मेरठ सेल्वा कुमारी जे. द्वारा रिबन काटकर व कबूतर उडाकर प्रांतीयकृत नौचंदी मेले का उद्घाटन किया गया। उन्होंने नौचंदी ग्राउंड पहुंच कर की जाने वाली तैयारियों का जायजा लिया तथा संबंधित अधिकारियो को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। लोक सभा सामान्य निर्वाचन-2024 के दृष्टिगत उन्होंने मतदाता जागरूकता कार्यक्रम के अंतर्गत स्वीप गैलरी का उद्घाटन किया व हस्ताक्षर अभियान की शुरूआत की। उन्होंने महात्मा गांधी व डा. भीम राव अम्बेडकर की प्रतिमा पर फूल माला चढ़ाकर उनको नमन किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी दीपक मीणा ने मतदान की शपथ भी दिलाई। इस अवसर पर एसएसपी रोहित सिंह सजवाण, सीडीओ नूपुर गोयल, सहित अन्य संबंधित अधिकारीण, समाजसेवी आदि उपस्थित रहे।

सठला में पूछताछ में तालाब पट्टाधारक की तबीयत बिगड़ी

- तालाब की जांच करने गए थे न्यायिक तहसीलदार
- पट्टाधारक को मवाना सीएचसी में कराया गया भर्ती, वीडियो वायरल

मवाना, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। मवाना थाना क्षेत्र के गांव सठला में तालाब के पट्टे की जांच करने गए अफसर के सामने शिकायतकर्ताओं ने अभद्रता की। उस दौरान पट्टाधारक की तबीयत बिगड़ गई। उसे तत्काल मवाना सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया। तहसीलदार आकांक्षा जोशी ने अस्पताल पहुंचकर बीमार पट्टाधारक का हाल-चाल जाना। हालत खराब देखते हुए मवाना चिकित्सकों ने उसे मेरठ जिला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया। इस मामले की वीडियो वायरल हो गया है। मामला जिला प्रशासन तक पहुंच गया है। तहसील मवाना क्षेत्र के गांव सठला निवासी 70 साल के दिव्यांग ओमप्रकाश कश्यप ने 17 मार्च 24 को अपनी शिकायत मुख्यमंत्री को भेजी थी, जिसमें उसने आपबीती बताई है। वह सठला गांव का मूल निवासी है।

तहसील प्रशासन ने 4 मार्च 24 को सठला गांव के तालाब खसरा 867 का रकबा 0.190 हेक्टेयर और 1676 हेक्टेयर का पट्टा मत्स्य पालन के लिए आवंटित किया है। वह इस तालाब पर मत्स्य पालन करना चाहता है। आरोप है कि समिति के कुछ दबंग लोग उसे गांव का स्थायी निवासी नहीं बताकर पट्टा निरस्त कराने की धमकी दे रहे हैं। उसने पट्टा पाने के समय तहसीलदार में मूल निवास प्रमाण पत्र, जाति प्रमाण पत्र, आधार कार्ड, पहचान पत्र, पुराना पट्टा, परिवार रजिस्टर की नकल और लेखपाल की रिपोर्ट आदि सलंग्न की थी। इसी आधार पर तहसील प्रशासन ने उसे दोबारा तालाब का पट्टा आबंटित किया है।

दिव्यांग ने आरोप लगाया कि यदि तालाब दबंगों को लीज पर नहीं दिया गया तो वे उसे परिवार सहित गांव से निकाल देंगे। गांव की समिति ने एसडीएम मवाना से शिकायत की कि ओमप्रकाश सठला का स्थायी निवासी नहीं है, इस कारण इसको तालाब का हुआ पट्टा निरस्त किया जाये। एसडीएम अंकित कुमार ने इस मामले की जांच तहसीलदार न्यायिक जितेन्द्र कुमार को सौंपी हैं। एसडीएम के आदेश पर शनिवार दोपहर बाद करीब तीन बजे मवाना तहसीलदार न्यायिक जितेन्द्र कुमार गांव सठला पहुंचे और उससे पूछताछ की। वह गांव में किराए के मकान में रहता है। ओमप्रकाश के पास आधार कार्ड, पहचान पत्र व अन्य सभी कागजात गांव सठला के पते पर बने हुए हैं।

मवाना सीएचसी पहुंची तहसीलदार

ओमप्रकाश की तबीयत ज्यादा बिगड़ जाने की जानकारी मिलने पर तहसील प्रशासन में हड़कंप मच गया। तहसीलदार आकांक्षा जोशी सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंची और सीएचसी के डाक्टरों से उसकी तबीयत के बारे में जानकारी की। डाक्टरों ने बताया कि ओमप्रकाश की तबीयत ठीक नहीं है, उसे मेरठ रैफर करना होगा। शनिवार देर शाम डाक्टरों ने उसे मेरठ जिला अस्पताल के लिए रैफर कर दिया।

क्विज प्रतियोगिता में तृष्णा व बिराज भारती रहीं अव्वल

मेरठ, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। कॉन्स्टिट्यूशनल स्टडीज द्वारा मौलिक अधिकार, नीति निर्देशक सिद्धांत और विधिक जागरूकता पर एक अंतर विद्यालयी (इंट्रा-स्कूल) क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता को रोचक बनाने के लिए तीन भागों में विभक्त किया गया था। पहला भाग भारतीय संविधान से सम्बन्धित प्रश्नों के लिए था, दूसरा भाग विधिक जागरूकता से संबंधित प्रश्नों के लिए था तथा तीसरे भाग मे प्रतिभागियों को चित्र देखकर सम्बन्धित महानुभाव की पहचान कर इंगित करना था। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान संयुक्त रूप से तृष्णा सिंह, तथा बिराज भारती ने, द्वितीय दिया स्थान अभिजीत अनुराग तथा तृतीय स्थान नीलाक्षी त्यागी ने प्राप्त किया। उक्त सभी विजेता विधि संकाय के विद्यार्थीगण हैं। कार्यक्तम के आरम्भ मे निदेशक प्रोफेसर प्रमोद कुमार गोयल ने कार्यक्रम के उद्देश्य से अवगत कराते हुए भारत के संविधान द्वारा संरक्षित मौलिक अधिकारों मारे तथा नीति निर्देशक सिद्धांतों के विषय में बताया तथा सहायक प्रोफेसर डॉक्टर पल्लवी जैन छात्र-छात्राओं को भारत के संविधान के पार्ट 3 व 4 पर अपने विचार व्यक्त करने अवसर प्रदान कर उनका सक्रिय प्रतिभाग सुनिश्चित किया। कार्यक्रम की समन्वयक विधि संकाय की सहायक प्रोफेसर श्रीमती निहारिका पिलानिया और अपूर्वा मिश्रा तथा विद्यार्थी समन्वयक तनिशा साहू तथा सृष्टि गुप्ता थीं।

नगर पालिका ने हटाई वीआईपी रोड पर लगी साप्ताहिक पैठ

मवाना, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। नगर पालिका द्वारा तहसील मैदान में प्रत्येक रविवार को होने वाली साप्ताहिक पैंठ पर रविवार को अधिशासी अधिकारी राजीव कुमार जैन सख्त नजर आये। अधिशासी अधिकारी ने थाना पुलिस की उपस्थित में तहसील मैदान के साथ वीआईपी रोड पर आयोजित साप्ताहिक पैठ की दुकानें हटवा दुकान लगाने वाले को कार्यवाई की चेतवानी दी। बता दे कि तहसील मैदान में रविवार को आयोजित होने वाली साप्ताहिक पैंठ की अवधि 31 मार्च को समाप्त हो गई। जिसके बाद नगर पालिका की देखरेख में साप्ताहिक पैंठ का आयोजित की जा रही है। तहसील मैदान में आयोजित होने वाली पैंठ में कुछ दुकानदार हटधर्मी के चलते नगर की वीआईपी रोड पर दुकान लगाते है।

- अधिशासी अधिकारी के सख्य निर्देश मैदान में लगाएं दुकानें, वरना होगी कार्रवाई

छात्राओं ने देखी और समझी कपड़ा बनाने की प्रक्रिया

मेरठ, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। रुद्रा इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नोलॉजी, नानपुर के ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट विभाग द्वारा बीएससी गृह विज्ञान के छात्राओं के लिए नेशनल टेक्सटाइल्स, मेरठ में एक दिवसीय इंडस्ट्रीयल विजिट का आयोजन किया गया। जिसको महाविद्यालय की प्राचार्या डॉ. पूनम नागर द्वारा हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। प्राचार्या ने छात्राओं को रवाना करते हुए कहा कि इस विजिट को कराने का हमारा मुख्य उद्देश्य छात्राओं को सैद्वान्तिक ज्ञान के साथ साथ व्यवहारिक ज्ञान देना है जो कि केवल इस प्रकार के विजिट से ही पूर्ण होता है और इसी को ध्यान में रखते हुए रुद्रा ग्रुप छात्र-छात्राओं के लिए समय-समय पर इस प्रकार के विजिट का आयोजन करता रहता है जो कि आज के छात्र-छात्राओं के लिए अत्यन्त महत्वपूर्ण है। इस दौरान एकेडमिक कॉर्डिनेटर रुचि शर्मा, चीफ प्रॉक्टर शैंकी त्यागी, गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष मोनिका शर्मा, सहायक प्रोफेसर कुलविंदर कौर के अलावा अन्य विभागाध्यक्ष सभी शिक्षकगण मौजूद रहे। गृह विज्ञान विभागाध्यक्ष मोनिका शर्मा ने कहा कि इस विजिट से छात्राओं को बहुत लाभ होगा तथा अधिक से अधिक छात्रा औद्योगिक इंकाइयों से जुड़ेगी।

शिब्ली महाविद्यालय में शिक्षक भर्तियों की धांधली में उच्च शिक्षा मंत्री संदेह के घेरे में

■ ओम प्रकाश सिंह

- मंत्री के बेहद करीबी बन गए चर्चित शिब्ली कालेज में सहायक प्रोफेसर
- नियुक्तियों में भ्रष्टाचार करके हुई थीं 52 सहायक प्रोफेसरों की नियम विरुद्ध नियुक्तियां
- सीएम आफिस के जांच के आदेश बाद डीएम की जांच कमेटी से हुआ सनसनीखेज खुलासा

लखनऊ/आजमगढ़, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। उत्तर प्रदेश के राज्य विश्वविद्यालयों की स्थिति चिंताजनक है। कुलपतियों की मनमानी पर राज्य सरकार मूकदर्शक है। रामनगरी का डॉक्टर राममनोहर लोहिया अवध विश्वविद्यालय हो या पूर्वांचल के महत्वपूर्ण जिले आजमगढ़ का विश्वविद्यालय। नियुक्तियों में प्रमाणित धांधली के बाद कारवाई के नाम पर लीपापोती सरकार की छवि धूमिल करती है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहल पर आजमगढ़ राज्य विश्वविद्यालय ने जन्म लिया। कुछ समय बाद ही विश्वविद्यालयी व्यवस्था को लकवा मार गया। विश्वविद्यालय से संबद्ध शिब्ली महाविद्यालय में हुई शिक्षक भर्तियों की धांधली में उच्च शिक्षा मंत्री पर भी ऊंगली उठ रही है। धांधली की जांच पर कारवाई के लिए फाइल मंत्री के दाखिल दफ्तर है। सोशल मीडिया पर एक फोटो तेजी से वायरल हो रही है। दावा किया जा रहा है कि इसमें विभागीय मंत्री और प्रमुख सचिव के साथ उस डॉ मुकुल चतुर्वेदी की फोटो भी है, जिनकी नियुक्ति मंत्री के खासमखास होने कारण आजमगढ़ के चर्चित शिब्ली नेशनल कालेज में बतौर सहायक प्रोफेसर रसायन विज्ञान किया गया है, जबकि यहां की सभी 52 नियुक्तियों को लेकर सीधे मुख्यमंत्री कार्यालय से 18 अक्टूबर को हुए भ्रष्टाचार की जांच के आदेश पर नियुक्तियों में घोटाले का सनसनीखेज खुलासा हो चुका है। जिसकी रिपोर्ट डीएम व कमिश्नर आजमगढ़ ने शासन को भेज दिया है। डीएम की जांच कमेटी ने शिब्ली की नियुक्ति प्रक्रिया में भ्रष्टाचार और सगे-संबंधियों की नियम विरुद्ध नियुक्ति तथा निर्धारित चयन प्रक्रिया की अवहेलना के साथ बिना लिखित परीक्षा के ही चयन कर देने सहित शिकायतकर्ता की 6 आरोपों की पुष्टि कर दी गई है। 5 मार्च को मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने इस जांच रिपोर्ट के आधार पर परीक्षण कर कार्रवाई करने का आदेश प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल को दे चुके हैं। माना जा रहा है कि उच्च शिक्षा विभाग ने संबंधित जांच आख्या का परीक्षण कर संपूर्ण नियुक्ति प्रक्रिया को निरस्त करते हुए विधिक कार्रवाई करने का प्रस्ताव बनाकर विभागीय मंत्री योगेंद्र उपाध्याय को भेज दिया है। जिस पर उच्च शिक्षा मंत्री का बस अनुमोदन होना है। जिसको लेकर उच्च शिक्षा विभाग और शिक्षा जगत में तहलका मचा हुआ है कि क्या मंत्री भ्रष्टाचार की इस पत्रावली का अनुमोदन करके सभी नियुक्तियों को निरस्त करने में मिसाल पेश करेंगे या फिर अपने चहेतों की हुई नियुक्तियों को बचाने और वरदहस्त प्रदान करने की कोशिश करेंगे। वैसे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भ्रष्टाचार को लेकर जीरो टॉलरेंस की बात करते हैं और देश के प्रधानमंत्री न खाऊंगा, ना खाने दूंगा की बात करते हैं। ऐसे में सवाल उठता है कि क्या उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय भी भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस नीति का पालन करेंगे या फिर अपनों को उपकृत करने की नीति पर चलेंगे, देखना दिलचस्प होगा। मुख्य शिकायतकर्ता तथा राष्ट्रवादी युवा अधिकार मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शशांक शेखर सिंह पुष्कर ने आरोप लगाया है कि विभागीय मंत्री के और शिब्ली के प्राचार्य की मिलीभगत से शिब्ली में भ्रष्टाचार के सारे रिकॉर्ड ही टूट गए हैं । यह शिब्ली के इतिहास का सबसे बड़ा भर्ती घोटाला है। जिसमें मैनेजमेंट से लेकर प्राचार्य, कुलपति से लेकर निदेशक और मंत्री तक की भूमिका संदिग्ध है।

राज्य उच्च शिक्षा परिषद का उपाध्यक्ष रह चुका है मुकुल चतुर्वेदी

बताते हैं कि डॉ. मुकुल चतुर्वेदी को विभागीय मंत्री योगेंद्र उपाध्याय के करीबी होने के कारण पहले उन्हें सितंबर-2022 में राज्य उच्च शिक्षा परिषद का उपाध्यक्ष बनाया गया और फिर मंत्री की विशेष कृपा से ही शिब्ली के भ्रष्टाचार की वैतरणी में उन्हें भी हाथ धुलवा दिया गया। मंत्री के साथ प्राय: दिखने वाले डॉ. मुकुल चतुर्वेदी को राज्य उच्च शिक्षा परिषद के उपाध्यक्ष पद से सीधे आजमगढ़ की अल्पसंख्यक संस्था -शिब्ली नेशनल कालेज में केमेस्ट्री का अस्सिटेंट प्रोफेसर भी बना दिया गया। उच्च शिक्षा विभाग के कार्यक्रमों और बैठकों में प्राय: मंत्री के साथ बैठने वाले इस नवनियुक्त सहायक प्रोफेसर ने अपने ट्विटर अकाउंट एक्स से भी अनेक बैठकों की फोटा साझा किया है। जिसको देखने से यह प्रतीत होता है कि डॉ. मुकुल चतुर्वेदी उच्च शिक्षा विभाग मंत्री के बेहद करीबी हैं और तत्कालीन प्रमुख सचिव सुधीर एम बोबडे, जो वर्तमान अपर मुख्य सचिव राज्यपाल सचिवालय हैं, के भी बेहद नजदीकी हैं। अपने उच्च रसूख के कारण वे उस शिब्ली कालेज में सहायक प्रोफेसर बनने में सफल हो गए, जिसकी सभी नियुक्तियों में भ्रष्टाचार का आरोप सिद्ध हो चुका है और जिस पर निरस्तीकरण की तलवार लटक रही है।

चुनाव इस बार असामान्य रूप से शांत

■ पोस्टर व होर्डिंग्स भी कम, जमीन पर कोई रंग नहीं आ रहा नजर ■ पोस्टरों व झंडों में पैसा नहीं लगा रहे उम्मीदवार

लखनऊ, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। सबसे ज्यादा संख्या में सांसद भेजने वाले उत्तर प्रदेश में इस बार लाउडस्पीकर पर 'जीतेगा भाई, जीतेगा' की आवाज जो पहले खूब सुनाई देती थी, इस बार आश्चर्यजनक रूप से गायब है।

जमीन पर कोई रंग नजर नहीं आ रहा है और पोस्टर व होर्डिंग्स भी कम ही नजर आ रहे हैं। यहां तक कि मोबाइल फोन पर संदेश भी मिलना मुश्किल है। जो शोर हो रहा है वो केवल टेलीविजन पर ही हो रहा है जहां कुछ न कुछ डिबेट हमेशा चलती रहती है।

उत्तर प्रदेश में इस बार चुनाव प्रचार असामान्य रूप से शांत है, दरअसल चुनाव जैसा कुछ लग ही नहीं रहा है।

सही मायनों में देश के सबसे बड़े राज्य में अभियान अभी शुरू नहीं हुआ है। भाजपा जहां पूरे देश पर फोकस कर रही है, और पूरी ताकत से आगे बढ़ रही है, विपक्षी दलों ने उम्मीदवारों तक की घोषणा नहीं की है। पहले नारे खूब लगाए जाते थे, लेकिन इस बार कहीं दिख ही नहीं रहे हैं। सेंट्रल यूपी के एक भाजपा उम्मीदवार ने कहा कि भाजपा का एक ही नारा है 'अबकी बार 400 पार' और हर उम्मीदवार इस पर भरोसा कर रहा है। किसी भी उम्मीदवार ने अलग से कोई नारा नहीं गढ़ा है, क्योंकि वह मोदी लहर पर सवार होना चाहता है। नारा आकर्षक है और पहले ही लोकप्रिय हो चुका है। कांग्रेस का नारा 'अब होगा न्याय' लोगों का ध्यान खींचने में विफल रहा है। युवा चुनाव विश्लेषक रवीश माथुर ने कहा कि इससे बिल्कुल पता नहीं चलता कि कांग्रेस क्या कहना चाहती है। नारा छोटा और आकर्षक होना चाहिए – जो कुछ ही शब्दों में सब कुछ कह दे।

सपा व बसपा को अभी तक अपनी पसंद के नहीं मिले नारे

इस सीजन के लिए सपा और बसपा को अभी तक अपनी पसंद के नारे नहीं मिल पाए हैं। प्रचार की शैली में बदलाव से झंडे और पोस्टर भी खत्म हो गए हैं। एक उम्मीदवार ने कहा कि लोग अब पोस्टरों और झंडों से प्रभावित नहीं होते। उनमें से अधिकांश ने पहले ही अपना मन बना लिया है। ऐसी चीजों पर अपना पैसा बर्बाद करना बेकार है। पहले लोग उम्मीदवार चुनते थे लेकिन अब लोग पार्टियां चुनते हैं।

ज्यादातर उम्मीदवार प्रचार के लिए सोशल मीडिया का इस्तेमाल भी काफी सतर्क तरीके से कर रहे हैं। उदाहरण के लिए, चुनाव की घोषणा से बहुत पहले, लखनऊ से सपा उम्मीदवार रविदास मेहरोत्रा ने मतदाताओं को फोन के माध्यम से अपना ऑडियो संदेश दिया। हालांकि, उन्होंने जल्द ही इसे छोड़ दिया। बसपा के एक उम्मीदवार ने बताया कि सोशल मीडिया एक दोधारी तलवार है और इसका इस्तेमाल आपके खिलाफ भी जा सकता है। मतदाताओं से सीधा संबंध स्थापित करना और अपनी बात पहुंचाना ज्यादा सुरक्षित और बेहतर है। दिलचस्प बात यह है कि लगभग सभी उम्मीदवार साक्षात्कार देने और अपने प्रचार अभियान में मीडियाकर्मियों को साथ ले जाने से भी कतरा रहे हैं। उनका दावा है कि उनकी पार्टी के नेताओं ने उनसे मीडिया से दूरी बना कर रखने को कहा है। इलाहाबाद के एक सेवानिवृत्त राजनीतिक वैज्ञानिक एसएन दीक्षित ने कहा कि जब उम्मीदवारों और लोगों को चुनाव के नतीजे पहले से पता होते हैं तो अपने आप चुप्पी छा जाती है।

1984 के चुनाव में बिहार के सियासी रणभूमि में खिलने से पहले ही मुरझाया था 'कमल'

पटना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। वर्ष 2019 के संसदीय चुनाव में सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनकर उभरी भाजपा का वर्ष 1984 में हुए लोकसभा चुनाव में बिहार के सियासी रणभूमि में 'कमल' खिलने के पहले ही मुरझा गया था।

भाजपा के 6 अप्रैल 1980 को गठन के बाद वर्ष 1980 में हुए बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 246 सीट पर अपने प्रत्याशी उतारे, जिनमें से 21 सीट पर पार्टी का 'केसरिया' लहराया। इस चुनावो में कांग्रेस (इंदिरा) को 311 में से 169 सीटें मिली थीं और कांग्रेस (यू) को 185 में से 14 सीटें मिली थीं। जनता पार्टी (एससी) को 254 में से 42 सीटें मिली थीं। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) ने 135 में 23 सीटें हासिल की थीं। कांग्रेस के दिग्गज जगन्नाथ मिश्र ने मुख्यमंत्री पद ग्रहण किया और तीन साल 67 दिनों तक मुख्यमंत्री रहे। इसके बाद चंद्रशेखर बिहार के मुख्यमंत्री बने।

वर्ष 1984 में बिहार में हुए लोकसभा चुनाव में इंदिरा गांधी की हत्या से उपजी सहानुभूति की लहर में बिहार में कांग्रेस के 54 में से 48 प्रत्याशी निर्वाचित हुए। बिहार में भाजपा ने 32 सीट पर अपने प्रत्याशी उतारे लेकिन किसी भी भी सीट पर उसका 'कमल' नहीं खिला। वहीं, पूरे देश में भाजपा के दो ही राजनेता ने जीत हासिल की। गुजरात के मेहसाणा से अशोक पटेल और आंध्र प्रदेश से जंगा रेड्डी ने चुनाव जीता। अटल बिहार वाजपेयी को ग्वालियर सीट पर कांगेस उम्मीदवार माधवराव सिंधिया से हार का सामना करना पड़ा। भाजपा में निराशा छा गई। वाजपेयी ने तब कहा था, 'हम चुनाव हारे हैं लड़ाई नहीं, हम दुगुनी ताकत से पूरे देश में कमल खिलाएंगे।' उस समय भाजपा ने जो पौधा रोपा तब शायद ही किसी ने यह सोचा होगा कि कुछ सालों बाद यह इतना बड़ा पेड़ बनेगा।

वर्ष 1985 में 324 सीट पर बिहार में हुए विधाननसभा चुनाव के समय राज्य में सामाजिक एवं जातीय गोलबंदी का एक नया दौर शुरू हो गया था। भाजपा ने 234 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे लेकिन 16 सीट पर ही उसका 'केसरिया' लहराया। कांग्रेस ने 323 सीट पर अपने उम्मीदवार उतारे और 196 प्रत्याशी चुनाव जीतने में सफल रहे। इस चुनाव में कांग्रेस सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी थी। लोकदल को 46 और जनता पार्टी को 13 सीट पर जीत मिली। निर्दलीय प्रत्याशी ने भी बाजी अपने नाम की उसे 29 सीट पर जीत मिली। लोकदल सबसे बड़े विपक्ष के रूप में सामने आया था। बिहार में बिंदेश्वरी दुबे के नेतृत्व में कांग्रेस की सरकार बनी। इस चुनाव के बाद बिहार में एक ही कार्यकाल में चार मुख्यमंत्री बने थे। 1985 से 1988 तक बिंदेश्वरी दुबे बिहार के मुख्यमंत्री रहे। उनके बाद लगभग एक साल भागवत झा आज़ाद, फिर कुछ महीनों के लिए सत्येंद्र नारायण सिन्हा और जगन्नाथ मिश्र बिहार के मुख्यमंत्री बने थे। वर्ष 1989 में हुए लोकसभा चुनाव में भाजपा ने 24 सीटों पर चुनाव लड़ा और उसे 08 सीटों पर जीत हासिल हुई। पहली बार बिहार की सियासी रणभूमि में भाजपा का 'भगवा' लहराया। मोतिहारी से राधा मोहन सिंह, सीवान से जर्नादन तिवारी, गोड्डा से जर्नादन यादव, पटना से शैलेन्द्र नाथ श्रीवास्तव, कोडरमा से रीतलाल प्रसाद वर्मा, गिरीडीह से रामनाथ सिंह,हजारीबाग से यदुनाथ पांडे, खूंटी(सु) से करिया मुंडा ने जीत हासिल की।

इस लोकसभा चुनाव में जदयू फिर से राजग के साथ

वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जदयू एक बार फिर से राजग के साथ है। राजग की ओर से (भाजपा) 17, जदयू 16, चिराग पासवान की पार्टी लोक जनशक्ति पार्टी (लोजपा–रामविलास) 05 , उपेंद्र कुशवाहा की पार्टी राष्ट्रीय लोक मोर्चा और जीतनराम मांझी की पार्टी हम एक–एक सीट पर अपने उम्मीदवार उतारेगी। भाजपा पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, मधुबनी, अररिया, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, महाराजगंज, सारण, उजियारपुर, बेगूसराय, पटना साहिब, पाटलिपुत्र, आरा, बक्सर, सासाराम (सु), औरंगाबाद और नवादा से चुनावी रणभूमि में उतरेगी। देखना दिलचस्प होगा कि इस बार के चुनाव में भाजपा कितनी सीट पर पार्टी का 'कमल' खिला पाती है।

मंडी लोकसभा सीट से अब विक्रमादित्य का नाम आगे

शिमला, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। दिल्ली में हुई प्रदेश कांग्रेस को-ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक के बाद स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में नया ट्विस्ट आ गया है। मंडी सीट से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह की 'हां' और 'नहीं' के बीच उनकी जगह पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह का नाम आगे किया गया हैं। अब दिल्ली में ही 10 अप्रैल को प्रस्तावित सेंट्रल इलेक्शन कमेटी की बैठक में विक्रमादित्य सिंह के नाम पर अंतिम फैसला होगा। वहीं शिमला सीट पर भारतीय जनता पार्टी के पूर्व सांसद वीरेंद्र कश्यप की कांग्रेस में एंट्री की चर्चा है।

हिमाचल में लोकसभा चुनाव के लिए टिकट फाइनल करने में अभी कांग्रेस को तीन से चार दिनों का समय लग सकता है। शनिवार को दिल्ली में हुई प्रदेश कांग्रेस को-ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक के बाद स्क्रीनिंग कमेटी की बैठक में नया ट्विस्ट आ गया। मंडी सीट से प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह की हां और नहीं के बीच उनकी जगह पीडब्ल्यूडी मंत्री विक्रमादित्य सिंह का नाम आगे किया गया है।

सिंह हिमाचल के छह बार मुख्यमंत्री रहे वीरभद्र सिंह के पुत्र हैं। वर्तमान में वह सुखविंदर सिंह सुक्खू की सरकार में लोक निर्माण एवं शहरी विकास मंत्री हैं। वह मंडी संसदीय सीट से प्रभारी भी हैं। को-ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक हिमाचल कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला और संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल की उपस्थिति में

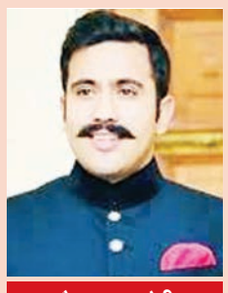

10 अप्रैल तक लगेगी मुहर

हुई। इसमें मुख्यमंत्री सुखविंदर सिंह सुक्खू, उप-मुख्यमंत्री मुकेश अग्निहोत्री, कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह, कौल सिंह ठाकुर व रामलाल ठाकुर आदि शामिल हुए।

वहीं सिंह को भी विशेष तौर पर इस बैठक में बुलाया गया था। इसी बैठक में सबसे पहले सर्वे में सिंह का नाम पहले नंबर पर होने के कारण उनके नाम की सिफारिश की गई। वहीं मंडी सीट पर भाजपा ने अभिनेत्री कंगना रनौत को चुनाव मैदान में उतारा है। ऐसे में कांग्रेस भी युवा वोटर पर फोकस करना चाहती है। निवर्तमान सांसद प्रतिभा की जगह पर सिंह को तरजीह दी जा रही है। वहीं दिल्ली में को-ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक के बाद स्क्रीनिंग कमेटी के की बैठक में भी सिंह के नाम पर चर्चा हुई। इस कमेटी के अध्यक्ष भगत चरण दास हैं। ऐसे में अब दिल्ली में ही 10 अप्रैल को प्रस्तावित सेंट्रल इलेक्शन कमेटी की बैठक में सिंह के नाम पर अंतिम फैसला होगा। वहीं इसके साथ चार संसदीय सीटों में से तीन प्रत्याशियों की पहली लिस्ट 10 या 11 अप्रैल को जारी होने की संभावना है। वह ऐसे कि शिमला संसदीय सीट पर भाजपा के पूर्व सांसद रहे कश्यप की कांग्रेस में एंट्री की चर्चा के कारण पेच फंस गया है। वहीं कश्यप दिल्ली में डटे हैं और कांग्रेस प्रभारी राजीव शुक्ला समेत कई कांग्रेस नेताओं से मिल चुके हैं। इस सीट पर पर पहले विधायक विनोद सुल्तानपुरी, विधानसभा उपाध्यक्ष विनय कुमार, अमित नंदा, दयाल प्यारी का नाम लिया जा रहा था। लेकिन वीरेंद्र कश्यप की एंट्री की चर्चा के बाद ये नाम फिलहाल पीछे हो गए हैं।

हिमाचल में हमीरपुर संसदीय सीट से सतपाल रायजादा का केंद्रीय मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर के बीच मुकाबला होने के आसार नजर आ रहे हैं। कांग्रेस ने पूर्व विधायक सतपाल रायजादा का नाम लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी के तौर पर करीब फाइनल कर दिया है। वहीं कांगड़ा सीट पर पूर्व मंत्री आशा कुमारी का नाम अभी भी आगे है। इसके अलावा इस सीट पर कांग्रेस के कुछ और दावेदार भी हैं।

इसके अतिरिक्त कांग्रेस को विधानसभा उपचुनाव में अपनी स्थिति मजबूत दिख रही है। ऐसे में को-ऑर्डिनेशन कमेटी की बैठक में लोकसभा का चुनाव जीतने की क्षमता के आधार पर सिटिंग एमएलए पर भी कांग्रेस दांव लगा सकती हैं। सीएम सुखविंदर सिंह सुक्खू खुद संख्या बल के हिसाब से सरकार को कोई खतरा नहीं होने की बात कर रहे हैं। वहीं विधानसभा की छह सीटों पर होने वाले उपचुनाव में कांग्रेस प्रत्याशियों के नामों की घोषणा में कुछ और समय लग सकता है।

ग्वालियर में विधानसभा चुनाव हारे उम्मीदवारों के बीच मुकाबला

ग्वालियर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की ग्वालियर संसदीय सीट की पहचान सिंधिया राज परिवार के गढ़ के तौर पर है। इस बार के चुनाव में कांग्रेस और भाजपा ने ऐसे उम्मीदवारों को मैदान में उतारा है जो अभी हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में हार चुके हैं। ग्वालियर से भारतीय जनता पार्टी ने इस बार भारत सिंह कुशवाहा को उम्मीदवार बनाया है। उन्हें विवेक नारायण शेजवलकर के स्थान पर मैदान में उतारा गया है। कुशवाहा अभी हाल ही में हुए विधानसभा चुनाव में ग्वालियर ग्रामीण से पराजित हुए थे। वहीं, कांग्रेस ने प्रवीण पाठक को उम्मीदवार बनाया है जो विधानसभा चुनाव में ग्वालियर दक्षिण से पराजित हुए थे। दोनों उम्मीदवार पहली बार लोकसभा का

■ अब तक यहां कुल 19 लोकसभा के चुनाव हुए
■ सिंधिया परिवार के सदस्यों ने आठ बार जीत दर्ज की

चुनाव लड़ रहे हैं।

ग्वालियर संसदीय क्षेत्र के इतिहास पर गौर करें तो अब तक यहां कुल 19 लोकसभा के चुनाव हुए हैं जिनमें से सिंधिया परिवार के सदस्यों ने आठ बार जीत दर्ज की है। यहां से माधवराव सिंधिया कांग्रेस और मध्य प्रदेश विकास कांग्रेस के उम्मीदवार के तौर पर पांच बार निर्वाचित हुए जबकि भाजपा के उम्मीदवार के तौर पर यशोधरा राजे सिंधिया दो बार यहां से निर्वाचित हुईं। इसके अलावा विजयाराजे सिंधिया भी एक बार यहां से चुनाव जीती हैं। यहां 19 बार हुए चुनाव में कांग्रेस आठ बार विजयी रही है।

इस संसदीय क्षेत्र में कांग्रेस ने अंतिम बार 2004 में जीत दर्ज की थी जब रामसेवक सिंह निर्वाचित हुए थे। सवाल पूछने के बदले पैसे लेने के आरोप में उन्हें इस्तीफा देना पड़ा था। इस बार कांग्रेस ने नए चेहरे को मैदान में उतारा है। भाजपा की ओर से भी नया चेहरा है। राज्य में लोकसभा की कुल 29 सीटें हैं और यहां चार चरणों में चुनाव होने वाले हैं। ग्वालियर में तीसरे चरण में सात मई को मतदान होगा।

तेज गर्मी से प्रत्याशी चुनाव प्रचार कार्यक्रमों में बदलाव को मजबूर

तिरुवनंतपुरम, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। तापमान बढ़ने और प्री-मॉनसून बारिश, जिसे 'मैंगो शॉवर' भी कहा जाता है, के बेअसर होने के कारण लोकसभा चुनाव लड़ रहे उम्मीदवारों को अपने प्रचार कार्यक्रमों में बदलाव करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है। केरल में पड़ रही चिलचिलाती गर्मी 26 अप्रैल को होने वाले मतदान से पहले उम्मीदवारों को अपना शेड्यूल बदलने को मजबूर कर रही है। केरल में 20 लोकसभा सीटें हैं। इसके लिए सत्तारूढ़ सीपीआई (एम) के नेतृत्व वाला वाम मोर्चा, कांग्रेस के नेतृत्व वाला यूडीएफ और भाजपा के नेतृत्व वाला एनडीए मुकाबले में हैं। लेकिन गर्मी ने तीनों मोर्चों को प्रचार के लिए एक समान पैटर्न अपनाने के लिए मजबूर कर दिया है।

सभी उम्मीदवार और उनकी टीमें सुबह 8 बजे से ही प्रचार अभियान में जुट जा रही हैं। दोपहर के बाद चाय के समय तक का ब्रेक होता है। इसके बाद रात तक के लिए सभी सड़कों पर वापस आ जाते हैं। आम तौर पर मार्च में शुरू होने वाला 'मैंगो शॉवर' अभी तक यहां नहीं आया है, इससे उम्मीदवारों को असुविधा हो रही है। त्रिशूर में तीव्र त्रिकोणीय लड़ाई में उलझे कांग्रेस सांसद के.

करुणाकरन के बेटे के. मुरलीधरन ने कहा कि गर्मी बढ़ रही है, लेकिन उन्होंने बहुत सारे फल खाकर और ताजा जूस पीकर इस पर काबू पा लिया है।

अलाप्पुझा में सीपीआई (एम) के सदस्य ए.एम. आरिफ़ ने कहा कि सुबह-सुबह उनका वार्म-अप सत्र होता है। रमज़ान चल रहा है, वह सूर्यास्त तक रोज़ा रखते हैं और दिन के दौरान कुछ भी खाने के बारे में परेशान नहीं होते हैं। गर्मी बढ़ने के साथ, सभी उम्मीदवारों के चुनाव प्रचार प्रबंधक हर दिन मौसम की जानकारी लेते हैं और उसके अनुसार चुनाव प्रचार कार्यक्रमों की योजना बनाते हैं। हालांकि, विज्ञापन सामग्री तैयार करने वाले बारिश न होने की खुशी मना रहे हैं।

कोटा नगर निगम दक्षिण में अब महापौर भी भाजपा का, तो नेता प्रतिपक्ष भी

कोटा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान में कोटा नगर निगम दक्षिण में बड़ी पेचीदा स्थित उत्पन्न हो गई है, वहां अब जिस दल का महापौर है, उसी दल का नेता प्रतिपक्ष भी है। राजस्थान में नगर निगमों के गठन के बाद शायद ही कहीं ऐसी विचित्र स्थिति बनी हो। अब निगम प्रशासन ने भी स्थानीय निकाय विभाग के निदेशक से मार्गदर्शन देने के लिये आग्रह किया है, तो कांग्रेस पार्षदों ने महापौर को पद मुक्त करने की मांग की है।

स्वायत्तशासी संस्थानों के पिछले चुनाव के समय कोटा के दोनों नगर निगमों उत्तर एवं दक्षिण में कांग्रेस के बोर्ड बने थे, जिनमें दोनों महापौर कांग्रेस के थे। कोटा नगर निगम दक्षिण में कांग्रेस के बहुमत में आने के बाद महापौर राजीव अग्रवाल भारती के नेतृत्व में बॉर्ड गठित किया गया था, जिसमें कांग्रेस के ही पवन मीणा उप महापौर निर्वाचित हुए थे और भाजपा ने विपक्ष में होने के नाते विवेक राजवंशी को नेता प्रतिपक्ष घोषित किया गया था।

लोकसभा चुनाव की तिथि की घोषणा के बाद नगर निगम के आधा दर्जन से भी अधिक कांग्रेस पार्षद भाजपा में शामिल हो गए, लेकिन यह सिलसिला यही नहीं थमा और गत 30 मार्च को महापौर राजीव अग्रवाल भारती भी कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हो गए, जिसके कारण अब स्थिति यह है कि इस नगर निगम में महापौर और नेता दोनों भाजपा के हैं और दोनों में से किसी ने भी अपने पद से इस्तीफा नहीं दिया है और दोनों ही पद के अनुसार निगम प्रशासन की ओर से मिलने वाली सुविधाओं का लाभ भी उठा रहे हैं।

दोनों में से किसी ने भी न तो नैतिकता के नाते पद त्याग कर निगम की ओर से मिल रही सुविधाओं को तिलांजलि दी है और न ही स्थानीय निकाय विभाग ने इस मामले में उपलब्ध विकल्पों-प्रावधानों के अनुरूप कोई कानून सम्मत तरीके से फैसला किया है, जिसके कारण पिछले एक सप्ताह से भी अधिक समय से उहापोह की स्थिति बनी हुई है। दोनों के पास कोटा नगर निगम की ओर से उपलब्ध करवायी गई लग्जरी कार और निगम कार्यालय में वातानुकूलित कार्यालय हैं। वैसे दलबदल के कारण बदली हुई राजनीतिक परिस्थितियों में कोटा नगर निगम दक्षिण में कांग्रेस अब अल्पमत में आ गई है। इस निगम बोर्ड में अब भाजपा के 44 सदस्य पार्षद हो गए हैं, जबकि कांग्रेस के सदस्यों की संख्या घटकर 35 रह गई है। एक निर्दलीय पार्षद है। जिन पार्षदों ने दलबदल कर कांग्रेस छोड़कर भाजपा का दामन थामा है, उनमें एक-दो निगम की समितियों के पदाधिकारी भी शामिल हैं और वे भी अब तक अपने पदों पर जमे हुए हैं।

गया सीट पर मांझी को झेलनी पड़ी है तीन हार

पटना, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बिहार लोकसभा चुनाव में गया (सु) सीट से चौथी बार चुनाव लड़ रहे हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतनराम मांझी के लिए यह सीट अबतक सुरक्षित नहीं रही है और उन्हें तीन बार इस सीट से पराजय का सामना करना पड़ा है।

गया (सु) सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के बैनर तले हम प्रमुख जीतनराम मांझी चौथी बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, महागठबंधन की ओर से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रत्याशी और बोधगया के विधायक कुमार सर्वजीत चुनावी रणभूमि में ताल ठोक रहे हैं। कुमार सर्वजीत स्व. राजेश कुमार के पुत्र हैं, जिन्होंने जीतनराम मांझी को वर्ष 1991 के गया (सु) सीट पर हुए लोकसभा चुनाव में पराजित किया था। इस तरह 33 वर्षों के बाद जीतन राम मांझी पिता के बाद पुत्र से मुकाबला कर रहे हैं। गया (सु) इस बार के लोकसभा चुनाव में एकमात्र सीट है, जहां दो विधायक जीतन राम मांझी और कुमार सर्वजीत

■ 1991 के लोस चुनाव में जीतन राम मांझी जनता दल उम्मीदवार से मिली थी पराजय

के बीच मुकाबला होगा।

गया (सु) सीट से मांझी ने तीन बार पहले भी अपनी किस्मत आजमायी थी, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। सबसे पहले वर्ष 1991 के लोकसभा चुनाव में गया संसदीय सीट से जीतन राम मांझी ने कांग्रेस के टिकट पर पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा था। इस सीट पर जीतन

राम मांझी की टक्कर जनता दल उम्मीदवार राजेश कुमार से हुई। राजेश कुमार ने जीतन राम मांझी को 53795 मतों के अंतर से पराजित किया। भाजपा उम्मीदवार नगिया देवी तीसरे नंबर पर रही।

मांझी ने वर्ष 1991 के बाद 2014 में जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के टिकट पर दूसरी बार गया संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा। इस चुनाव में भी जीतन राम मांझी को हार का सामना करना पड़ा। इस चुनाव में जदयू, राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) में शामिल नहीं थी। भाजपा के हरि मांझी ने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रत्याशी रामजी मांझी को पराजित किया। जदयू प्रत्याशी जीतन राम मांझी तीसरे नंबर पर रहे।

मांझी ने इसके बाद वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में गया (सु) सीट पर महागठबंधन के बैनर तले हम उम्मीदवार के रूप राजग के विरूद्ध चुनाव लड़ा था। गया (सु) सीट से हम प्रत्याशी जीतन राम मांझी को (जदयू) उम्मीदवार विजय कुमार मांझी से पराजय मिली थी। इस तरह गया (सु) सीट पर जीतन राम मांझी को तीन बार पराजय का सामना करना पड़ा है। गया (सु) सीट अबतक जीतन राम मांझी के लिए सुरक्षित सीट नहीं रही है।

गौरतलब है कि वर्ष 2024 के चुनाव में मांझी महागठंधन छोड़कर राजग में शामिल हो गये हैं। राजग के घटक दलों के बीच सीटों के तालमेल में गया (सु) सीट इस बार पूर्व मुख्यमंत्री जीतन राम मांझी की पार्टी (हम) को दे दी गई है। जीतन राम मांझी ने अपने राजनीतिक सफर में जीतनराम मांझी मंत्री से मुख्यमंत्री तक कई अहम पदों पर रहें लेकिन वह कभी लोकसभा सांसद नहीं बन सके। बिहार की 40 लोकसभा सीटों के लिए चुनाव 19 अप्रैल से 01 जून तक सात चरणों में किये जायेंगे। बिहार में प्रथम चरण की चार सीट गया (सु),औरंगाबाद, नवादा और जमुई (सु.), के लिए मतदान 19 अप्रैल 2024 को होगा।

उदयपुर संसदीय क्षेत्र में 22 लाख से अधिक मतदाता चुनेंगे अपना सांसद

उदयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। लोकसभा आम चुनाव 2024 में राजस्थान के उदयपुर संसदीय क्षेत्र में 22 लाख 30 हजार 971 मतदाता देश की सबसे बड़ी पंचायत के लिए अपना प्रतिनिधि चुनेंगे, जिसमें उदयपुर संसदीय क्षेत्र में 11 लाख 33 हजार 207 पुरुष, 10 लाख 97 हजार 745 महिला तथा 19 ट्रांसजेंडर मतदाता शामिल हैं।

उप जिला निर्वाचन अधिकारी एडीएम प्रशासन दीपेन्द्रसिंह राठौड़ ने बताया कि उदयपुर जिले में कुल 22 लाख 5955 मतदाता पंजीकृत हैं। इनमें से मावली और वल्लभनगर विधानसभा क्षेत्र के मतदाता चित्तौड़ संसदीय क्षेत्र के लिए मतदान करेंगे, वहीं उदयपुर संसदीय क्षेत्र के लिए डूंगरपुर जिले

के आसपुर और प्रतापगढ़ जिले के धारियावाद विधानसभा क्षेत्र के मतदाता उदयपुर संसदीय क्षेत्र में मतदान करेगें। विधानसभा क्षेत्र गोगुन्दा में कुल 267029 मतदाता है। इनमें पुरुष 136601, महिलाएं 130427 तथा थर्ड जेंडर एक मतदाता है। इसी प्रकार झाड़ोल में कुल 276509 मतदाता हैं। इनमें पुरुष 142059, महिलाएं 134447 तथा थर्ड जेंडर 3 मतदाता शामिल हैं। खेरवाड़ा में कुल 299934 मतदाता में से पुरुष 152865 एवं महिलाएं 147069 हैं।

अर्थ जगत

पेट्रोल व डीजल की कीमतों में बदलाव नहीं

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी आने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम में आज कोई बदलाव नहीं हुआ, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

कोटक बैंक	2.09 प्रतिशत
बजाज फिनसर्व	1.56 प्रतिशत
एचडीएफसी बैंक	1.41 प्रतिशत
आईटीसी	1.21 प्रतिशत
एसबीआई	0.67 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

अल्ट्रासिमको	1.82 प्रतिशत
एलटी	1.54 प्रतिशत
भारती एयरटेल	1.28 प्रतिशत
बजाज फाइनेंस	1.25 प्रतिशत
मारुति	1.21 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	69,908
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	31,400
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74750
वायदा	70,183
चांदी सिक्का लिवाली	850
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दडा	2750-2850
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	5800-5900
दाल चना	6800-6900
मसूर काली	7300-7400
उड़द दाल	10200-10300
मूंग दाल	9900-10000
अरहर दाल	11800-11900

आरके सिंह ने मुफ्त बिजली देने के लिए कर्ज लेने पर किया सचेत

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। बिजली मंत्री आर के सिंह ने मुफ्त बिजली देने के लिए उधार लेने वाले पंजाब जैसे राज्यों को कर्ज के जाल में फंसने की चेतावनी दी है। उन्होंने कहा कि ऐसी लोकलुभावन योजनाएं तभी ठीक हैं, जब किसी राज्य के पास पर्याप्त धन हो।

उन्होंने कहा कि किसी भी दूसरी चीज की तरह बिजली उत्पादन की लागत होती है, और अगर कोई राज्य इसे उपभोक्ताओं के एक वर्ग को मुफ्त में देता है, तो यह भी सोचना चाहिए कि उत्पादन संयंत्र को भुगतान भी करना होगा। अगर उत्पादन संयंत्र को भुगतान नहीं किया गया, तो बिजली उत्पादन नहीं होगा।

सिंह ने कहा कि वह राज्यों से कहते रहे हैं कि बिजली मुफ्त नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर कोई राज्य किसी भी श्रेणी के लोगों को मुफ्त बिजली देना चाहता है, तो वह ऐसा कर सकता है, लेकिन उन्हें इसके लिए भुगतान करना होगा। उन्होंने कहा कि जिन राज्यों पर पहले ही बहुत कर्ज है, वह भी ऐसे लोकलुभावन उपायों का सहारा ले रहे हैं, और उन्हें बिजली संयंत्रों को भुगतान करने के लिए अधिक कर्ज लेना पड़ रहा है। इसके चलते वे ऋण के जाल में फंस गए हैं।

ऐसा करने वाले राज्यों के नाम पूछने पर उन्होंने पंजाब का नाम लिया। उन्होंने कहा कि पंजाब में

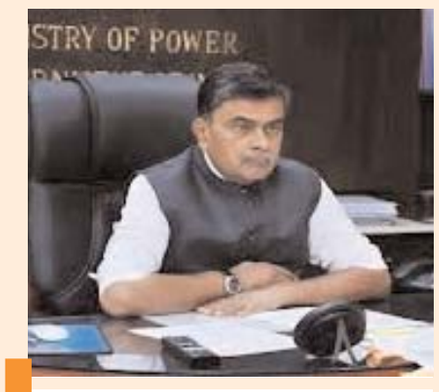

अगर कोई राज्य लोगों को मुफ्त बिजली देना चाहता है, तो वह ऐसा कर सकता है, लेकिन उन्हें इसके लिए भुगतान करना होगा

आप सरकार ने पहले दो वर्षों में 47,000 करोड़ रुपये का कर्ज लिया, जिससे राज्य पर कर्ज का बोझ और बढ़ गया। उन्होंने कहा कि अगर हालात को संभाला नहीं गया, तो आने वाली पीढ़ियों के लिए सड़क, अस्पताल और स्कूल बनाने के लिए धन नहीं होगा, क्योंकि जो भी राजस्व आएगा वह ऋण चुकाने में चला जाएगा।

कोयला आयात फरवरी में 13 प्रतिशत बढ़ा

नई दिल्ली। भारत का कोयला आयात फरवरी 2024 में 13 प्रतिशत बढ़कर 2.16 करोड़ टन हो गया। ऑनलाइन मार्केटप्लेस 'एमजंक्शन' के अनुसार कुछ खरीदारों ने गर्मियों से पहले स्टॉक करने के लिए नए सौदे किए, जिससे निर्यात बढ़ा। इससे पहले 2023 के समान महीने में कोयला आयात 1.91 करोड़ टन था। एमजंक्शन के आंकड़ों के अनुसार, 'फरवरी 2024 में कोयला आयात, फरवरी 2023 के 1.91 करोड़ टन के मुकाबले 13 प्रतिशत अधिक है।'फरवरी में कुल आयात में गैर-कोकिंग कोयला का आयात बढ़कर 1.37 करोड़ टन हो गया, जो फरवरी, 2023 में 1.16 करोड़ टन था। एमजंक्शन ने कहा कि कोकिंग कोयले का आयात फरवरी में बढ़कर 45.6 लाख टन रहा, जबकि पिछले साल फरवरी में यह 44 लाख टन था। ऑनलाइन मार्केटप्लेस ने कहा कि देश का कोयला आयात बीते वित्त वर्ष की अप्रैल से फरवरी तक की अवधि में बढ़कर 24.42 करोड़ टन रहा, जो वित्त वर्ष 2022-23 की समान अवधि में 22.79 करोड़ टन था।

जर्मनी 2024 'चीन में निवेश' विशेष प्रचार कार्यक्रम आयोजित

बीजिंग, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। जर्मनी 2024 'चीन में निवेश' कार्यक्रमों की श्रृंखला 5 अप्रैल को बाडेन-वुर्टेमबर्ग की राजधानी स्टटगार्ट में हुई, जिसमें जर्मन उद्योग जगत के 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

जर्मन बुंडेस्टाग के जर्मनी-चीन संसदीय समूह के अध्यक्ष फ्रेडरिक ने अपने संबोधन में पिछली आधी सदी में वैश्वीकरण की नींव पर बने जर्मनी और चीन के बीच आर्थिक और व्यापारिक संबंधों की स्थायी सफलता पर जोर दिया। उन्होंने चुनौतियों का सामना करने और पारस्परिक रूप से लाभप्रद सहयोग को बढ़ावा देने के लिए निरंतर सहयोग की अनिवार्यता को रेखांकित किया।

फ्रेडरिक की भावनाओं को दोहराते हुए, चीनी वाणिज्य मंत्रालय के उप मंत्री लिंग ची ने हाल के वर्षों में चीन-जर्मनी संबंधों के स्वस्थ और स्थिर विकास पर प्रकाश डाला। लिंग ने आर्थिक वैश्वीकरण और द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को गहरा करने के संबंध में दोनों देशों के नेताओं के बीच बनी निर्णायक सहमति की ओर इशारा किया। लिंग ने उपस्थित लोगों को विदेशी वित्त पोषित उद्यमों की चिंताओं को दूर करने के लिए खुलेपन और सक्रिय उपायों के प्रति चीन की चल रही प्रतिबद्धता के बारे में आश्वस्त किया, साथ ही चीन में जर्मन उद्यमों के लिए पर्याप्त संभावनाओं पर भी ध्यान दिया।

उधर, फ्रैंकफर्ट में चीन के महावाणिज्य दूत हुआंग यियांग ने चीन के विशाल

कार्यक्रम में जर्मन उद्योग जगत के 300 से अधिक प्रतिनिधियों ने लिया भाग

उपभोक्ता बाजार और व्यापक औद्योगिक श्रृंखला प्रणाली के बीच तालमेल पर जोर दिया, जो जर्मनी के तकनीकी नवाचार और विकास की ताकत का पूरक है। हुआंग ने चीन और जर्मनी के बीच साझेदारी में निहित मजबूती, क्षमता और कई सहयोगी अवसरों पर जोर दिया। बता दें कि चीन में जर्मनी का कुल प्रत्यक्ष निवेश 2023 में 11.9 अरब यूरो के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया, जो पिछले वर्ष की तुलना में 4.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

अधिकांश खाद्य तेल महंगे दालों में मिलाजुला रुख

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में जबरदस्त तेजी के प्रभाव से बीते सप्ताह दिल्ली थोक जिंस बाजार में अधिकांश खाद्य तेल महंगे हो गए

जबकि दाल-दलहन में मिलाजुला रुख रहा वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे। **तेल-तिलहन :** वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में पाम ऑयल का अप्रैल वायदा सप्ताहांत पर 222 रिंगिट उबलरक 4550 रिंगिट प्रति टन हो गया। इसी तरह अप्रैल का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.04 सेंट की बढ़त के साथ 48.16 सेंट प्रति पौंड बोला गया। सप्ताहांत पर अधिकांश खाद्य तेलों में तेजी रही। इस दौरान सरसों तेल 220 रुपए, मूंगफली तेल 220 रुपए, सूरजमुखी तेल 146 रुपए और सोया रिफाइंड 146 रुपए प्रति क्विंटल महंगा हो गया जबकि पाम ऑयल में 66 रुपए प्रति क्विंटल की गिरावट रही। वहीं, वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

सप्ताहांत पर सरसों तेल 12234 रुपए प्रति क्विंटल, मूंगफली तेल 20000 रुपए प्रति क्विंटल, सूरजमुखी तेल 12234 रुपए प्रति क्विंटल, सोया रिफाइंड 10622 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा।

सिडबी ने की गिग कर्मियों को सूक्ष्म ऋण के लिए फिनटेक प्लेटफॉर्म कर्मालाइफ के साथ साझेदारी

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) ने गिग श्रमिकों को लघु उद्यम ऋण प्राप्त करने में मदद के लिए फिनटेक कंपनी ओनियन लाइफ प्राइवेट लिमिटेड के साथ एक समझौता किया है। इसके तहत गिग श्रमिक फिनटेक कंपनी के प्रौद्योगिकी मंच कर्मलाइफ का उपयोग कर के मोबाइल ऐप की मदद से सिडबी की कर्ज सहायता प्राप्त कर सकेंगे।

सिडबी ने शनिवार को जारी एक विज्ञप्ति में कहा कि यह करार अभी पायलट आधार पर है। सरकारी क्षेत्र के इस उपक्रम के अनुसार भारत में तेजी से बढ़ रही गिग अर्थव्यवस्था के साथ गिग प्लेटफॉर्म एग्रीगेटर्स के माध्यम से अपनी सेवाएं प्रदान करने वाले गैर-वेतनभोगी गिग श्रमिकों को सस्ती और सुलभ वित्तीय सहायता प्रदान करने की तत्काल आवश्यकता है।

सिडबी के चेयरमैन एवं प्रबंध निदेशक एस रमन ने कहा, 'सिडबी देश भर में उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए सूक्ष्म उद्यमों की विभिन्न श्रेणियों को किफायती ऋण प्रदान करने के लिए नवीनतम डिजिटल तकनीक का उपयोग करने हेतु प्रतिबद्ध है। इस संबंध में, ओनियन के साथ साझेदारी जीवन हमें गिग श्रमिकों के नए और उभरते उद्यम वर्ग को समझने और सहायता करने में मदद करेगा। पायलट इस क्षेत्र के क्रेडिट जोखिम के मूल्यांकन के लिए एक संस्थागत तंत्र विकसित करने में भी मदद करेगा।'

सिडबी उद्यमशीलता को बढ़ावा देने के लिए सूक्ष्म उद्यमों को किफायती ऋण प्रदान करने के लिए डिजिटल तकनीक का उपयोग करने हेतु प्रतिबद्ध है
: एस रमन

सार संक्षेप

विदेशी मुद्रा भंडार 645.6 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति और स्वर्ण में जबरदस्त बढोतरी होने से 29 मार्च को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार 2.95 अरब डॉलर बढ़कर लगातार छठे सप्ताह चढ़ता हुआ 645.6 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार 14 करोड़ डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 642.6 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार, 29 मार्च को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 2.4 अरब डॉलर की बढ़ोतरी के साथ 570.62 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह इस अवधि में स्वर्ण भंडार 67.3 करोड़ डॉलर बढ़कर 52.2 अरब डॉलर पर पहुंच गया। वहीं, आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) में 7.3 करोड़ डॉलर की कमी हुई और यह घटकर 18.12 अरब डॉलर रह गया। इसी तरह इस अवधि में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास आरक्षित निधि 20 लाख डॉलर कम होकर 4.7 अरब डॉलर पर आ गया।

इंडिगो की दिल्ली- नासिक उड़ान सेवा पहली मई से

नई दिल्ली। एयरलाइन इंडिगो ने दिल्ली और नासिक बीच एक मई से दैनिक सीधी उड़ान शुरू करने की शनिवार को घोषणा की। इंडिगो की एक विज्ञप्ति के अनुसार दिल्ली से नासिक के लिए उसकी उड़ान संख्या 6ई 2026 प्रति दिन सुबह 06.55 बजे प्रस्थान कर 08.50 बजे नासिक पहुंचेगी। वापसी में उड़ान संख्या 6ई2037 सुबह 09.20 पर उड़ान भर कर दिल्ली 11.15 बजे पहुंचेगी। इंडिगो के ग्लोबल बिक्री विभाग के प्रमुख विनय मल्होत्रा ने कहा कि हमें नासिक, महाराष्ट्र से दिल्ली तक सीधी उड़ान की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। हम अपनी अनूठी विरासत और धार्मिक स्थलों के लिए मशहूर नासिक से आने-जाने की यात्रा की बढ़ती मांग देख रहे हैं।

खुदरा महंगाई व तिमाही नतीजे से तय होगी बाजार की चाल

साप्ताहिक समीक्षा

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। विश्व बाजार के मिलजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर हुई लिवाली की बदौलत बीते सप्ताह आधे प्रतिशत से अधिक की तेजी में रहे घरेलू शेयर बाजार की अगले सप्ताह चाल अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों को लेकर रुख, खुदरा महंगाई और कंपनियों के तिमाही नतीजे से तय होगी।

बीते सप्ताह बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 596.87 अंक अर्थात 0.81 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 74248.22 अंक पर पहुंच गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 186.8 अंक यानी 0.84 प्रतिशत मजबूत होकर 22513.70 अंक पर रहा।

समीक्षाधीन सप्ताह में बीएसई की मझौली और छोटी कंपनियों में जबरदस्त लिवाली देखी गई, जिससे बाजार को बल मिला। मिडकैप 1508.42 अंक अर्थात 3.84 प्रतिशत की उड़ान भरकर सप्ताहांत पर 40830.54 अंक हो गया। इसी तरह स्मॉलकैप 2866.37 अंक यानी 6.64 प्रतिशत उछलकर 46032.71 अंक के रिकॉर्ड स्तर पर बंद हुआ।

विश्लेषकों के अनुसार, अमेरिका में

इस वर्ष मार्च में रोजगार के आंकड़े मजबूत रहे। इससे ब्याज दरों में कटौती शुरू करने में और विलंब होने की संभावना है। साथ ही फेडरल रिजर्व आगे जारी होने वाले महंगाई आंकड़े का भी इंतजार कर सकता है। अगले सप्ताह फेड के रुख का बाजार पर असर रहेगा।

इसके अलावा ईरान और इजरायल के बीच झड़प से कच्चे तेल की कीमत, डॉलर इंडेक्स और विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) के निवेश प्रवाह पर भी बाजार की नजर रहेगी। स्थानीय स्तर पर मार्च के उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा महंगाई और टीसीएस समेत कई दिग्गज कंपनियों के 31 मार्च को समाप्त वित्त वर्ष की चौथी तिमाही और पूरे वित्त वर्ष के परिणाम जारी होने वाले है। अगले सप्ताह बाजार को

- **सेंसेक्स 0.81 प्रतिशत की छलांग लगाकर सप्ताहांत पर 74248.22 अंक पर**
- **निफ्टी 0.84 प्रतिशत मजबूत होकर 22513.70 अंक पर रहा**

दिशा देने में इन कारकों की महत्वपूर्ण भूमिका रहेगी। अमेरिकी फेड रिजर्व के जून में ब्याज दरों में कटौती शुरू करने की उम्मीद में विश्व बाजार में आई तेजी से उत्साहित निवेशकों की स्थानीय स्तर पर रियल्टी, धातु, दूरसंचार, कमोडिटीज और यूटिलिटीज समेत अठारह समूहों में हुई जबरदस्त लिवाली की बदौलत सोमवार को सेंसेक्स 363.20 अंक की छलांग लगाकर 74,014.55 अंक पर पहुंच गया। साथ ही निफ्टी 135.10 अंक की तेज़ी के साथ 22,462.00 अंक पर बंद हुआ। वहीं, विश्व बाजार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर पिछले दिवस के रिकॉर्ड भाव पर कोटक बैंक, एचसीएल टेक, आईसीआईआई बैंक और मारुति समेत सोलह दिग्गज कंपनियों में हुई बिकवाली के दबाव में शेयर बाजार की लगातार तीन दिन की तेजी मंगलवार को थम गई। सेंसेक्स 110.64 अंक की गिरावट लेकर 73,903.91 अंक और निफ्टी 8.70 अंक फिसलकर 22,453.30 अंक पर रहा। इसी तरह विदेशी बाजार के कमजोर रुझान के बीच स्थानीय स्तर पर रियल्टी, ऑटो, एफएमसीजी और सर्विसेज समेत आठ समूहों में हुई बिकवाली से बुधवार को सेंसेक्स 27.09 अंक की गिरावट के साथ 73,876.82 अंक और निफ्टी 18.65 अंक फिसलकर 22,434.65 अंक पर बंद हुआ।

रिजर्व बैंक की द्विमासिक मौद्रिक नीति समीक्षा बैठक में निवेशकों के नीतिगत दरों को यथावत बनाए रखने की उम्मीद में आईटी, सीडी, वित्तीय सेवाएं, यूटिलिटीज और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स समेत तेरह समूहों में हुई दमदार लिवाली की बदौलत पिछले लगातार दो दिन की गिरावट से उबरकर शेयर बाजार ने गुरुवार को ऊंची छलांग लगाई। सेंसेक्स 350.81 अंक उछलकर 74,227.63 अंक और निफ्टी 80.00 अंक की बढ़त लेकर 22,514.65 अंक पर बंद हुआ। अमेरिका में ब्याज दर समायोजन को लेकर कायम अनिश्चितता से विश्व बाजार में आई गिरावट के दबाव में स्थानीय स्तर पर आईटी और टेक समूह के करीब आधी फीसदी तक टूटने से शुक्रवार को शेयर बाजार का रुख कमजोर रहा।

श्रीनी पल्लिया बने विप्रो के नए सीईओ

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आईटी क्षेत्र की प्रमुख कंपनी विप्रो ने शनिवार को तत्काल प्रभाव से श्रीनी पल्लिया को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) और प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की घोषणा की। कंपनी ने एक बयान में कहा कि पल्लिया ने थिएरी डेलापोर्ट का स्थान लिया है, जो कार्यस्थल के बाहर जुनून को आगे बढ़ाने के लिए पद छोड़ रहे हैं। विप्रो के अध्यक्ष ऋषद प्रेमजी ने कहा कि पिछले चार साल में सबसे चुनौतीपूर्ण अंतरराष्ट्रीय परिस्थितियों के बीच विप्रो में एक बड़ा बदलाव हुआ है। पल्लिया इस यात्रा का एक अभिन्न हिस्सा रहे हैं।

प्रेमजी ने कहा कि उनका ग्राहक-केंद्रित दृष्टिकोण, विकास मानसिकता, मजबूत निष्पादन फोकस और विप्रो के मूल्यों के प्रति प्रतिबद्धता उन्हें (इस भूमिका के लिए) एकदम फिट बनाती है क्योंकि हम विकास और लाभ के अगले चरण में प्रवेश कर रहे हैं। पल्लिया न्यू जर्सी में रहेंगे और प्रेमजी को रिपोर्ट करेंगे। वह तीन दशकों से अधिक समय से विप्रो के साथ हैं। हाल ही में विप्रो के सबसे बड़े और सबसे तेजी से बढ़ते रणनीतिक बाजार, अमेरिका 1 के सीईओ के रूप में कार्यरत हैं। प्रेमजी ने कहा कि डेलापोर्ट मई के अंत तक विप्रो के साथ बने रहेंगे और सुचारु हस्तांतरण सुनिश्चित करने के लिए पल्लिया और मेरे साथ मिलकर काम करेंगे। पल्लिया 1992 में विप्रो में का हिस्सा बने थे।

वोल्टास एसी की बिक्री 35 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली। घरेलू एयर कंडीशनर बनाने वाली प्रमुख कंपनी वोल्टास की एसी बिक्री बीते वित्त वर्ष (2023-24) में 35 प्रतिशत की भारी वृद्धि के साथ 20 लाख इकाई के पार हो गई है। कंपनी ने रविवार को यह जानकारी दी। इसके साथ ही वोल्टास घरेलू बाजार में यह आंकड़ा पार करने वाली पहली कंपनी बन गई है। टाटा समूह की कंपनी ने बयान में कहा कि इस प्रदर्शन का श्रेय वर्ष के दौरान कूलिंग उत्पादों की लगातार मांग, एक मजबूत ऑफलाइन और ऑनलाइन वितरण नेटवर्क और नवाचार आधारित नए उत्पाद पेश करने को दिया गया है। वोल्टास ने कहा कि कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 20 लाख से अधिक एसी बेचने की उपलब्धि हासिल की, जो भारत में किसी भी ब्रांड द्वारा किसी वित्त वर्ष में एसी की अब तक की सबसे अधिक बिक्री है।

आदित्य बिड़ला समूह की कंपनी को वोडाफोन आइडिया बेचेगी तरजीही शेयर

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। वोडाफोन आइडिया के निदेशक मंडल ने शनिवार को आदित्य बिड़ला समूह की इकाई को 2,075 करोड़ रुपए के तरजीही शेयर बेचने के प्रस्ताव को मंजूरी दी।

इन शेयरों के लिए 2,075 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा

निदेशक मंडल ने ओरियाना इन्वेस्टमेंट्स को 14.87 रुपए प्रति इक्विटी शेयर की दर से 10 रुपए अंकित मूल्य के 1,39,54,27,034 इक्विटी शेयर जारी करने की मंजूरी दे दी। इस प्रकार इन शेयरों के लिए कुल 2,075 करोड़ रुपए का भुगतान करना होगा। आदित्य बिड़ला समूह ओरियाना इन्वेस्टमेंट्स के प्रवर्तकों में से एक है।

आईसीडीआर के नियमों के अनुरूप तरजीही शेयरों की न्यूनतम कीमत निर्धारित करने के लिए प्रासंगिक तारीख 8 अप्रैल है। शुक्रवार, 5 अप्रैल को बाजार बंद होते समय वोडाफोन आइडिया के शेयर 0.30 प्रतिशत की गिरावट के साथ 13.32 रुपए प्रति शेयर पर रहे।

निदेशक मंडल ने कंपनी की अधिकृत शेयर पूंजी को मौजूदा 75 हजार करोड़ रुपए (70 हजार करोड़ रुपए की शेयर पूंजी और पांच हजार करोड़ रुपए की वरीयता शेयर पूंजी में विभाजित) से बढ़ाकर एक लाख करोड़ रुपए (95 हजार करोड़ रुपए की इक्विटी और पांच हजार करोड़ रुपए की वरीयता शेयर पूंजी में विभाजित) करने की भी मंजूरी दी।

सरकारी कोटे पर गेंहू की खरीद जारी लेकिन खुले बाजार में मिल रहे ज्यादा दाम

कोटा, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। राजस्थान के कोटा संभाग में भारतीय खाद्य निगम मंडल के अधीन पांच राजस्व जिलों में सहकारी केंद्रों पर गेहूं की खरीद जारी है लेकिन खुले बाजार में किसानों को अच्छे दाम मिलने के कारण पर्याप्त गेंहू सरकारी केंद्रों तक नहीं पहुंच पा रहा है। भारतीय खाद्य निगम मंडल कार्यालय कोटा के अधीन राजस्व जिला कोटा, बारां, बूंदी, झालावाड एवं सवाई माधोपुर में इस वर्ष रबी विपणन वर्ष 2024-25 में समर्थन मूल्य के तहत गेंहू की खरीद के लिए निगम को 35 केंद्र तथा राज्य एवं अन्य केन्द्रीय एजेंसियों को 124 केंद्र आवंटित किए हैं, जिनमें समर्थन मूल्य गेंहू खरीद कार्य किया जाना है लेकिन अब तक 1928 किसानों ही उनकी उपज बेचने के लिए इन केंद्रों पर पहुंचे है जबकि पूर्व में अच्छे भाव मिलने की उम्मीद में 27 हजार 934 किसानों ने खरीद के लिए पंजीकरण करवा लिया था। हालांकि पंजीकरण का काम अभी भी चल रहा

- **पंजीकरण का काम 25 जून तक जारी रहेगा**

है एवं 25 जून तक जारी रहेगा। निगम के खरीद केंद्रों पर अपेक्षा से कम किसानों के अपनी उपज बेचने के लिए पहुंचने की बड़ी वजह यह बताई जाती है कि भारत सरकार ने इस वर्ष गेंहू का समर्थन मूल्य 2,275 रूपए प्रति क्विंटल निर्धारित किया है जिसके ऊपर 125 रूपए प्रति क्विंटल बोनस घोषित किया है। इस हिसाब से किसानों को प्रति क्विंटल 2400 रूपए का भुगतान होगा जबकि खुले बाजार में किसानों को नए गेंहू के दाम 2350 से 2800 रूपए प्रति क्विंटल मिल रहे है और किसानों को उनकी बेची हुई जिंस का व्यापारी-आढ़तिए भुगतान भी हाथों-हाथ कर रहे हैं।

पिछले हफ्ते 30 भारतीय स्टार्टअप ने जुटाई 172 मिलियन डॉलर से अधिक की फंडिंग

नई दिल्ली। भारतीय स्टार्टअप ने बाजार से धन जुटाना जारी रखा है और पिछले हफ्ते देश में 30 स्टार्टअप ने 172.71 मिलियन डॉलर से अधिक के फंड जुटाए। एनट्रैकर की रिपोर्ट में कहा गया है कि लगभग छह शुरुआती चरण के स्टार्टअप ने जुटाई गई राशि का खुलासा नहीं किया है। 25-30 मार्च वाले सप्ताह में लगभग 17 स्टार्टअप ने सामूहिक रूप से लगभग 125.73 मिलियन डॉलर जुटाए। भाविश अग्रवाल के नेतृत्व में ओला इलेक्ट्रिक ने 50 मिलियन डॉलर की सबसे बड़ी फंडिंग हासिल की। एनबीएफसी इन्फिनिटी फिनकॉर्प ने 26 मिलियन डॉलर, हाउसिंग फाइनेंस कंपनी निवारा होम फाइनेंस ने 10 मिलियन डॉलर, और एम2पी फिनटेक ने 4.2 मिलियन डॉलर की फंडिंग हासिल की।

खेल जगत

मोहम्मद शमी ने सर्जरी के बाद बैसाखी पकड़े हुए फोटो की शेयर

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर अपनी इंजरी पर अपेडट दिया है। शमी ने एक तस्वीर शेयर की हैं, जिसमें वह बैसाखी के सहारे खड़े हुए नजर आ रहे हैं। स्पीडमास्टर शमी पिछले साल वनडे विश्व कप फाइनल 2023 में क्रिकेट के मैदान पर खेलते हुए नजर आए थे, जो नरेंद्र मोदी स्टेडियम में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला गया था। इस मैच में भारत को करारी हार का सामना करना पड़ा था और तब से ही शमी क्रिकेट मैदान से दूर चल रहे हैं। आईपीएल 2024 में भी वह अपनी इंजरी की वजह से नहीं खेल रहे, लेकिन इसके बावजूद उन्होंने जल्दी रिकवर होने की कोई उम्मीद नहीं छोड़ी हैं

मुंबई ने खोला जीत का खाता

डेविड-शेफर्ड के तूफान से दिल्ली को 29 रन से हराया

मुंबई, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। टिम डेविड (नाबाद 45) और रोमारियो शेफर्ड (नाबाद 39) की तूफानी बल्लेबाजी से मुंबई इंडियंस ने दिल्ली कैपिटल्स को रविवार को 29 रन से हराकर आईपीएल में पहली जीत का स्वाद चख लिया। मुंबई ने आखिरी 5 ओवरों में गजब की आतिशी बल्लेबाजी करते हुए आईपीएल के 20वें मैच में 5 विकेट पर 234 रन का विशाल स्कोर बनाया। दिल्ली ने जोरदार ढंग से लक्ष्य का पीछा किया लेकिन लक्ष्य काफी बड़ा होने के कारण दिल्ली को अंतत: पांच मैचों में अपनी चौथी हार का सामना करना पड़ा। दिल्ली ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 205 रन बनाये। मुंबई चार मैचों में पहली जीत से आठवें स्थान पर पहुंच गयी है जबकि दिल्ली आखिरी और दसवें स्थान पर खिसक गयी है।

■ पांच मैचों में दिल्ली कैपिटल्स को झेलनी पड़ी चौथी हार

डेविड
21 गेंद, नाबाद
45 रन
2 चौके, 4 छक्के

आखिरकार मुंबई की टीम को अपनी पहली जीत मिल गयी है। आज पहले उन्होंने पावरप्ले में कमाल की शुरुआत की। रोहित और किशन भले ही अर्द्धशतक से चूक गए लेकिन उन्होंने बड़े स्कोर की नींव रख दी थी। इसके बाद बाक़ी के बल्लेबाजों ने भी कमाल का प्रदर्शन किया। वहीं गेंदबाज़ी करते हुए, उन्होंने पावरप्ले में काफ़ी रन दिए लेकिन वहां से दिल्ली के लिए यह मैच काफ़ी मुश्किल होता चला गया। दिल्ली की तरफ़ से पृथ्वी और स्टब्स ने अच्छा प्रयास किया लेकिन वह अपनी टीम को जीत तक ले जाने में सफल नहीं हो पाए। पृथ्वी शॉ ने 40 गेंदों में आठ चौकों और तीन छक्कों की मदद से 66 रन और ट्रिस्टन स्टब्स ने 25 गेंदों में तीन चौके और सात छक्के उड़ाते हुए नाबाद 71 रन ठोके लेकिन उन्हें दूसरे छोर से कोई सहयोग नहीं मिला। दिल्ली ने गेराल्ड कोएत्जी के पारी के आखिरी ओवर में तीन विकेट गंवाए। कोएत्जी 34 रन पर चार विकेट लेकर सबसे सफल रहे। जसप्रीत बुमराह ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए चार ओवर में मात्र 22 रन देकर दो विकेट लिए। बुमराह ने बेहतरीन यॉर्कर पर पृथ्वी शॉ को बोल्ड किया।

कप्तान ऋषभ पंत का पांचवें नंबर पर आना दिल्ली को भारी पड़ा और पंत मात्र एक रन बनाकर कोएत्जी का शिकार बन गए। तीसरे नंबर पर भेजे गए अभिषेक पोरेल ने धीमा खेलते हुए 31 गेंदों में पांच चौकों के सहारे 41 रन बनाये। इससे पहले दिल्ली का टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला मुंबई की पारी के अंत तक जाते जाते सही साबित नहीं हुआ। डेविड और शेफर्ड ने आखिरी पांच ओवरों में दिल्ली के गेंदबाजों की धज्जियां उड़ाते हुए कुल 96 रन बटोरे। डेविड ने 21 गेंदों में नाबाद 45 रन में 2 चौके और 4 छक्के लगाए, जबकि शेफर्ड ने मात्र 10 गेंदों में नाबाद 39 रन में 3 चौके और 4 छक्के लगाए। शेफर्ड ने एनरिक नार्किया के पारी के आखिरी ओवर में चार छक्के और दो चौके उड़ाते हुए कुल 32 रन बटोरे, जिससे यह इस टूर्नामेंट का सबसे महंगा ओवर बन गया।यह ओवर अंत में निर्णायक भी साबित हुआ। मुंबई को रोहित शर्मा और ईशान किशन ने 7 ओवर में 80 रन जोड़कर तूफानी शुरुआत दी। रोहित मात्र 1 रन से अपने अर्धशतक से चूक गए लेकिन उन्होंने 27 गेंदों पर 49 रन की पारी में 6 चौके और 3 छक्के लगाए। ईशान ने भी अपने हाथ पूरी तरह खोलते हुए 23 गेंदों पर 42 रन में चार चौके और दो छक्के लगाए। दोनों ओपनर को लेफ्ट ऑर्म स्पिनर अक्षर पटेल ने पवेलियन भेजा। लंबे समय से चोट के कारण बाहर चल रहे सूर्यकुमार यादव की वापसी यादगार नहीं रही। वह मात्र दो गेंदों में खाता खोले बिना नार्किया का शिकार बन गए। कप्तान हार्दिक पांड्या ने धीमी गति के साथ बल्लेबाजी की और 33 गेंदों में तीन चौकों और एक छक्के के सहारे 39 रन बनाकर नार्किया का दूसरा शिकार बन गए।

शेफर्ड
10 गेंद, नाबाद
39 रन , 3 चौके
4 छक्के

मयंक की प्रभावशाली गेंदबाजी से विपक्षी बल्लेबाज होते है असहज

लखनऊ, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। लखनऊ सुपरजॉयंट्स के तेज गेंदबाज मयंक यादव अच्छी गति के साथ सही जगह गेंद डालकर विपक्षी टीम के बल्लेबाजों असहज कर देते है। मयंक यादव ने विपक्षी टीम के बल्लेबाजों के लिए सनसनी बने हुए है।

उन्होंने इस आईपीएल के इस सत्र में लगातार दो मैचों में प्लेयर ऑफ द मैच का अवार्ड अपने नाम किए है। उनकी गेंदबाजी की हर कोई तारीफ कर रहा है और उनको भारतीय टीम में लेने की सुगबुगाहट शुरु हो गई। मैच से पहले संवाददाता सम्मेलन में लखनऊ सुपर जॉयंट्स के कोच मॉर्ने मॉर्केल ने कहा, प्रबंधन और स्टॉफ के तौर पर हमारे लिए सबसे अहम है कि हम उन्हें किस तरह प्रभावी तरीके से मैनेज करते हैं। मैचों के दौरान उनके ऊपर जिस तरह का दबाव पड़ रहा है हमें उनकी रिकवरी पर ध्यान देना होगा और साथ ही उन्हें बताना होगा कि वह किस तरह चीजो को अपनाएं जो उनके हित में हों। कई बार वह बल्लेबाजो को असहज कर देते हैं और यही उन्हें अत्याधिक प्रभावशाली बनाता है। मॉर्केल ने मयंक को मैनेज करने पर कहा कि मेरे लिए मयंक के साथ काम करना काफी आसान है क्योंकि उनकी गति स्वाभाविक है। उन्होंने अब तक खेले दोनों मैचों में शानदार प्रदर्शन किया है। उन्हें अधिक से अधिक मैच खेलने का प्रयास करना होगा। पिछले सत्र में वह दुर्भाग्यपूर्ण तरीके से वह चोटिल हो गए थे, लेकिन इस सत्र में उनके प्रदर्शन से पूरी टीम खुश है। उन्होंने कहा कि ऐसा कोई कारण नहीं हो सकता कि वह भारतीय कैंप का हिस्सा ना बनें।

जब मैं दक्षिण अफ्रीका के लिए खेल रहा था तो सबसे अच्छी बात यही थी कि युवा खिलाड़ी जल्दी टीम में आते थे और अलग-अलग देशों में जाकर अलग-अलग परिस्थितियों का अनुभव लेते थे। सालभर उनके प्रशिक्षण का स्तर भी काफी ऊंचा और अच्छा रहा। अगर आप उन्हें टी-20 क्रिकेट में अवसर देते है तो यह शानदार होगा।

भारतीय पुरुष हॉकी टीम 4-2 से हारी

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 7 अप्रैल (देशबन्धु)। ड्रैग फ्लिकर जुगराज सिंह के पहले क्वार्टर और कप्तान हरमनप्रीत सिंह के दूसरे क्वॉर्टर में पेनल्टी कॉर्नर पर दागे एक-एक गोल की बदौलत हासिल 2-1 की बढ़त को तीसरे क्वार्टर में 15 मिनट के तीन गोल खाकर गंवाने के साथ भारत पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पांच टेस्ट मैचों की हॉकी सीरीज का दूसरा हॉकी टेस्ट 2-4 से हार कर सीरीज में 0-2 से हार गया। भारत की टीम ऑस्ट्रेलिया से पहला हॉकी टेस्ट 1-5 से हार गई थी। भारत के लिए दूसरे टेस्ट में हार के बावजूद अकेली उत्साहवर्द्धक बात यह रही कि उसने रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मिले तीन में से दो पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदला। ऑस्ट्रेलिया के लिए उसके सबसे अनुभवी खिलाड़ी जेरमी हेवर्ड(छठे और 34 वें मिनट) के पेनल्टी कॉर्नर पर दो तथा जैकब एंडरसन(42 वें मिनट) तथा नाथन एफ्रामस (45 वें मिनट) ने एक-एक बढ़िया मैदानी गोल दागा। ऑस्ट्रेलिया ने अपने चिर परिचित आक्रामक अंदाज में आगाज किया। छठे मिनट में ड्रैग फ्लिकर जेरमी हेवर्ड ने पहले पेनल्टी कॉर्नर पर भारत के गोलरक्षक कृष्ण बहादुर पाठक को छका गोल कर ऑस्ट्रेलिया को 1-0 की बढ़त हासिल कर ली। भारत ने अपनी रणनीति बदली और जवाबी हमले बोल पेनल्टी कॉर्नर हासिल किया। ड्रैग जुगराज सिंह ने नौवें मिनट में मिले इस पहले पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल कर भारत को एक-एक की बराबरी दिला दी। भारत को अगले ही मिनट अपनी बढ़त बढ़ाने का मौका मिला लेकिन अभिषेक ने ऑस्ट्रेलिया की डी के भीतर से जोरदार वाली लगाई गेंद गोल के जरा बाहर से बाहर निकल गई। कप्तान ड्रैग फ्लिकर हरमनप्रीत सिंह ने दूसरा क्वार्टर खत्म होने से ठीक पहले मिले दूसरे पेनल्टी कॉर्नर को गोल में बदल भारत को 2-1 से आगे कर दिया। ऑस्ट्रेलिया की टीम हाफ टाइम के बाद तीसरे क्वार्टर में बराबरी ही नहीं बल्कि जीत के मजबूत इरादे से उतरी और उसने अपनी पूरी ताकत भारत के गोल पर ताबड़तोड़ हमले बोलने में लगा दी। जेरमी हेवर्ड ने तीसरे क्वार्टर के चौथे मिनट में दूसरे पेनल्टी कॉर्नर पर गोल कर ऑस्ट्रेलिया को दो-दो की बराबरी दिला दी। जैकब एंडरसन ने तीसरा क्वॉर्टर खत्म होने से तीन मिनट पहले और नाथन एफ्रामस ने दो मिनट बाद बढ़िया मैदानी गोल कर ऑस्ट्रेलिया को 4-2 से आगे कर दिया।

■ भारत को तीसरे क्वार्टर में तीन गोल खाना महंगा पड़ा

मुश्किल समय में बस खुद पर विश्वास रखना होगा : बटलर

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आरसीबी के खिलाफ के मैच से पहले, राजस्थान रॉयल्स के सलामी बल्लेबाज जोस बटलर ने टूर्नामेंट की अपनी पिछली दस पारियों में सिर्फ 183 रन बनाए थे। वह पिछले कुछ समय से सफेद गेंद वाले क्रिकेट में भी खराब दौर से गुजर रहे थे, जिससे कई लोग बटलर की फॉर्म को लेकर सवाल उठा रहे थे। सवाई मानसिंह स्टेडियम में बटलर ने 58 गेंदों पर 9 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाकर फॉर्म में वापसी करते हुए आक्रामक खेल दिखाया, जो उनके 100 आईपीएल मैचों में छठा शतक भी था। अपनी शानदार पारी से राजस्थान को बटलर ने छह विकेट से जीत दिलाई और सीजन में राजस्थान का विजय क्रम जारी रखा। बटलर केएल राहुल के बाद अपने 100वें आईपीएल मैच में शतक बनाने वाले दूसरे बल्लेबाज भी बन गए हैं। प्लेयर ऑफ द मैच बटलर ने कहा कि किस्मत से थोड़ा साथ मिला, समय इतना अच्छा नहीं था, लेकिन जीत हासिल करके खुशी हुई। आपने कितने भी लंबे समय तक खेल खेला हो, आपके पास अभी भी वे चिंताएं और तनाव हैं। कभी-कभी आपको बस खुद को बताना है कि सब ठीक हो जाएगा। बस कड़ी मेहनत करते रहो। आखिरी मैच में मुझे वास्तव में बहुत अच्छा महसूस हुआ, भले ही मैंने ज्यादा रन नहीं बनाए। हमने इस सीजन की शुरुआत बहुत अच्छी की है। हम तीन सीज़न से एक साथ हैं, हर कोई एक-दूसरे के साथ सहज है, हमें बस इसे बनाए रखने की जरूरत है।

किस्मत से थोड़ा साथ मिला, समय इतना अच्छा नहीं था, लेकिन जीत हासिल करके खुशी हुई : बटलर

बटलर का शतक जड़ना अविश्वसनीय : बॉन्ड

जयपुर। राजस्थान रॉयल्स के गेंदबाजी कोच शेन बॉन्ड ने खुलासा किया कि जोस बटलर आरसीबी के खिलाफ मैच से पहले दो दिनों से बीमार थे, इसके बावजूद उनका 58 गेंदों में नाबाद शतक बनाना एक अविश्वसनीय प्रयास था। सवाई मानसिंह स्टेडियम में बटलर ने 58 गेंदों पर 9 चौकों और 4 छक्कों की मदद से नाबाद 100 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की, जो कि उनका छठा आईपीएल शतक था। अपनी शानदार पारी के माध्यम से, जिसने आरआर को आरसीबी पर छह विकेट से जीत दिलाई और अपना 100 प्रतिशत जीत रिकॉर्ड बनाए रखा।

सार संक्षेप

शेल्टन और टियाफो ह्यूस्टन फाइनल में भिड़ेंगे

ह्यूस्टन। अमेरिका के बेन शेल्टन और फ्रांसेस टियाफो ने अपने-अपने सेमीफाइनल में जीत हासिल कर अमेरिकी पुरुष क्ले कोर्ट चैंपियनशिप में आल-अमेरिकी फाइनल में जगह बनाई। नंबर 1 सीड शेल्टन ने नंबर 4 सीड टॉमस मार्टिन एटचेवरी पर 2 घंटे और 29 मिनट में 6-7(4-7), 6-4, 6-4 से तीन सेटों में जीत दर्ज की। दोनों खिलाड़ी अपनी बेहतरीन पहली सर्विस के लिए जाने जाते हैं, लेकिन वह शेल्टन ही थे जिन्होंने शनिवार की रात ब्रेक के मौकों का फायदा उठाया। सात एस लगाने और अपनी पहली सर्व में 84 फीसदी अंक जीतने के अलावा, वह एटचेवरी की सर्विस पर चार में से तीन ब्रेक पॉइंट को बदलने में सफल रहे। तीन सेट की जीत के साथ, शेल्टन इस साल बेस्ट-ऑफ-3 प्रारूप में तीन-सेट मैचों में 7-2 से बेहतर हो गए हैं। 21 वर्षीय अमेरिकी के लिए जीत करियर में कुछ मील के पत्थर हैं - यह उनका दूसरा एटीपी टूर फाइनल है जिससे उनके करियर की सर्वोच्च रैंकिंग 15 पर वापसी होगी। वहीं, दूसरे सेमीफाइनल में टियाफो ने इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-2, 7-6 (7-2) से हराया।

कोलिन्स ने सकारी को हराया, कसात्किना के साथ होगी खिताबी टक्कर

चार्ल्सटन। डेनिएल कोलिन्स का शानदार प्रदर्शन जारी रहा और गैर वरीय अमेरिकी ने नंबर 3 सीड ग्रीक खिलाड़ी मारिया सकारी को 6-3, 6-3 से हराकर चार्ल्सटन ओपन के फाइनल में प्रवेश किया। 30 वर्षीय अमेरिकी खिलाड़ी ने अपने पिछले 11 मैच लगातार जीतकर सकारी के खिलाफ सेमीफाइनल में प्रवेश किया। उसने शनिवार के दूसरे मैच की शुरुआत से ही विजयी फॉर्म को बरकरार रखा और नंबर 3-वरीयता प्राप्त ग्रीक के खिलाफ शुरुआती ब्रेक की बढ़त हासिल की। हालाँकि सकारी पांचवें गेम में कोलिन्स की सर्विस तोड़कर बराबरी हासिल करने में सफल रही, लेकिन वह आक्रामकता और रक्षा का सही संतुलन नहीं बना पाई, और अमेरिकी खिलाड़ी से पिछड़ गई।

अगर आरसीबी अपनी किस्मत बदलना चाहती है तो बल्लेबाजों को चलना होगा : एंडी फ्लावर

जयपुर। आईपीएल 2024 के पांच मैचों में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) की चौथी हार के बाद, मुख्य कोच एंडी फ्लावर ने स्वीकार किया कि अगर बल्लेबाज अच्छा प्रदर्शन करते हैं तो टीम की बल्लेबाजी लाइन-अप की किस्मत बदल सकती है। सवाई मानसिंह स्टेडियम के मैच में, 72 गेंदों में नाबाद 113 रन बनाकर, कोहली ने आरसीबी के कुल 183/3 के लगभग 62 फीसदी रन बनाए, जबकि बाकी बल्लेबाजों में फाफ डु प्लेसिस, ग्लेन मैक्सवेल, कैमरून ग्रीन और पदार्पण कर रहे सौरभ चौहान ने 48 गेंदों पर कुल 59 रन बनाए।

मोहम्मडन एससी ने शिलांग लाजोंग एफसी को हराकर जीता आई-लीग खिताब

शिलांग, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। मोहम्मडन एससी ने शिलांग लाजोंग एफसी को हराकर पहली बार आई-लीग 2023-24 का खिताब अपने नाम किया। एसएसए स्टेडियम में शनिवार को खेले गये मुकाबले में मोहम्मडन एफसी ने शिलांग लाजोंग एफसी को 2-1 से हराया। हाफ टाइम तक टीमें 1-1 से बराबरी पर थीं। मोहम्मडन एफसी के लिए एलेक्सिस नहुएल गोमेज ने पहले ही मिनट में गोल दाग कर अपनी टीम को बढ़त दिला दी थी। उसके बाद शिलांग एफसी के डगलस रोजा टार्डिन ने 15वें मिनट में गोलकर स्कोर को बराबरी पर ला दिया। एवगेनी कोजलोव ने दूसरे हाफ में विजयी गोल दाग कर मोहम्मडन को खिताब दिलाया।

आरसीबी को विल जैक्स पर गंभीरता से विचार करना होगा : टॉम मूडी

जयपुर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 के अपने पांच मैचों में चार हार के साथ रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु अंक तालिका में आठवें स्थान पर है। राजस्थान रॉयल्स के हाथों हार से उनके विदेशी बल्लेबाजों की असफलता का पता चलता है, सनराइजर्स हैदराबाद के पूर्व मुख्य कोच टॉम मूडी ने आरसीबी थिंक-टैंक से इस मोर्चे पर अपने मुद्दों को हल करने के लिए इंग्लैंड के हरफनमौला खिलाड़ी विल जैक्स को प्लेइंग-11 में शामिल करने के बारे में विचार करने को कहा है। आईपीएल 2024 में अब तक कप्तान फाफ डु प्लेसिस ने 109 रन बनाए हैं। ग्लेन मैक्सवेल ने सिर्फ 32 रन बनाए हैं, जबकि नीलामी से पहले बड़े खिलाड़ी कैमरून ग्रीन ने 68 रन बनाए हैं। दूसरी ओर, जैक्स का पावरप्ले स्ट्राइक रेट 164.21 उन बल्लेबाजों में सबसे अच्छा है, जिन्होंने टी20 में कम से कम 1,000 गेंदों का सामना किया है और बीच के ओवरों में उनका स्ट्राइक-रेट भी 146 है। मूडी ने ईएसपीएनक्रिकइन्फो के टी20 टाइम-आउट शो पर कहा कि आरसीबी को विल जैक्स पर गंभीरता से विचार करना होगा। वे उन्हें कैसे फिट करते हैं, इस पर चर्चा होनी चाहिए। मैं उन्हें फाफ के स्थान पर आते हुए नहीं देख सकता। मेरे लिए, मैक्सवेल और ग्रीन दोनों दबाव में हैं। इस साल फरवरी में जैक्स ने बांग्लादेश प्रीमियर लीग (बीपीएल) मैच में चटगांव चैलेंजर्स के खिलाफ कोमिला विक्टोरियंस को 239 रन बनाने में मदद करने के लिए 53 गेंदों में नाबाद 108 रन बनाए थे। लेकिन बहुत देर होने से पहले अपने आईपीएल अभियान को पुनर्जीवित करने के लिए टीम की बढ़ती मांग के बीच, जैक्स आरसीबी प्लेइंग-11 में किसे प्रतिस्थापित करता हैं।

मैं फाफ और विराट को ओपनिंग करने और विल जैक्स को नंबर 3 पर रखने का समर्थन करूंगा : टॉम मूडी

प्री-सीजन कैंप से टीम बॉन्डिंग को मजबूत करने में मदद मिली : आजम

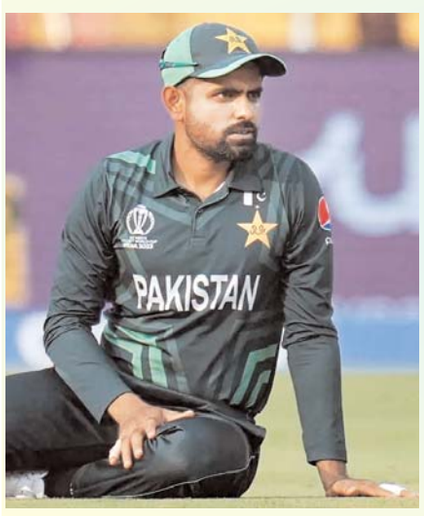

लाहौर, 7 अप्रैल (एजेंसियां)। पाकिस्तान के कप्तान बाबर आजम ने कहा है कि काकुल में पाकिस्तान मिलिट्री अकादमी में टीम के प्री-सीजन कैंप ने टीम के बीच संबंधों को मजबूत करने में मदद की और कहा कि इससे उनकी टीम बेहतर, फिट और मानसिक रूप से मजबूत एथलीट बन गई है। पीसीबी ने 26 मार्च से 6 अप्रैल तक काकुल में प्री-सीजन कैंप में भाग लेने के लिए 29 क्रिकेटरों की व्यवस्था की थी, जिसमें पाकिस्तान सेना के विशेषज्ञों और रणनीतिकारों द्वारा डिजाइन किए गए प्रशिक्षण और अभ्यास शामिल थे। शिविर के 11 दिनों में टीम निर्माण के साथ-साथ खिलाड़ियों की शारीरिक और मानसिक शक्ति बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित किया गया। यह मेरा तीसरा बूट कैंप था, और प्रत्येक यात्रा के साथ, मैंने नई अंतर्दृष्टि प्राप्त की है। इस बार, हमारा ध्यान शारीरिक फिटनेस से परे टीम बॉन्डिंग गतिविधियों और प्रदर्शन-सुधार व्याख्यानों पर केंद्रित था। हमारी टीम के माहौल को देखते हुए ये तत्व महत्वपूर्ण हैं जहां वांछित परिणाम प्राप्त करने के लिए सामूहिक प्रदर्शन सर्वोपरि है। पिछले शिविरों से उल्लेखनीय विचलन क्रिकेट-केंद्रित गतिविधियों की अनुपस्थिति थी। इसके बजाय, जोर पूरी तरह से शारीरिक कंडीशनिंग, टीम वर्क और मानसिक लचीलेपन पर था। इस तरह की प्रेरणादायक सुविधा में डूबे हुए, शीर्ष प्रशिक्षकों द्वारा निर्देशित और एक अच्छी तरह से संरचित कार्यक्रम के साथ, सभी खिलाड़ियों ने महत्वपूर्ण विकास का अनुभव किया है।

मुझे विश्वास है कि हम बेहतर, फिट और मानसिक रूप से मजबूत एथलीटों के रूप में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौटेंगे, जिससे हमारे समग्र प्रदर्शन में सुधार होगा : बाबर आजम, पाकिस्तान कप्तान

मुझे विश्वास है कि हम बेहतर, फिट और मानसिक रूप से मजबूत एथलीटों के रूप में प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में लौटेंगे, जिससे हमारे समग्र प्रदर्शन में सुधार होगा। अन्य शिविरों और अंतरराष्ट्रीय श्रृंखलाओं के दौरान हमारी सामान्य दिनचर्या के विपरीत, हम आत्मविश्वास-निर्माण अभ्यास और टीम-निर्माण गतिविधियों में लगे रहे। विशेष रूप से, हमने टीम के सदस्यों के बीच गहरे संबंधों को सुविधाजनक बनाने के लिए कमरे साझा करने का विकल्प चुना। इन साझा स्थानों ने रणनीतिक योजना और टीम संयोजन से लेकर क्रिकेट के विकास, खेल में नवीनतम नवाचारों, विरोधियों के विश्लेषण और प्रत्येक दिन की चुनौतियों के प्रति हमारे दृष्टिकोण पर चर्चा को बढ़ावा दिया। आजम ने रविवार को पीसीबी के एक बयान में कहा कि आगामी क्रिकेट मुकाबलों को देखते हुए, यह शिविर असाधारण रूप से मूल्यवान साबित होता है। यह न केवल चोट के जोखिम को कम करता है बल्कि व्यक्तिगत कौशल और सामूहिक टीम के प्रदर्शन दोनों को भी बढ़ाता है।